जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 19 मार्च, 2023

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

Ajmer Road, Jaipur

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

NPO NEW PRODUCT OFFER

1350 Sq Ft वाला 2 BHK फ्लैट सिर्फ 45 लाख में !

1900 Sq Ft वाला 3 BHK फ्लैट सिर्फ 50 लाख में !

2000 Sq Ft वाली 3 BHK BIG कोठी सिर्फ 60 लाख में !

2325 Sq Ft वाली 4 BHK BIGGER कोठी सिर्फ 70 लाख में !

3200 Sq Ft वाली 4 BHK BIGGEST कोठी सिर्फ 1 करोड़ में !

60 AMENITIES

OUTDOOR
1. Lotus Canopy
2. Chaupati
3. Temple
4. Rashi Garden
5. Open Air Theatre
6. Wetland Park
7. Plant Nursery
8. Meditation Zone
9. Kid's Play Area
10. Sandpit
11. Open Gym
12. Herb Garden
13. Interactive Fountain
14. Lap Pool
15. Kid's Pool
16. Roof Top Walk
17. Multipurpose Lawn
18. South End Park
19. Vocational Workshop Space
20. Sensory Walk
21. Viewing Decks
22. Nature Trail
23. Savanna Elevated Trail
24. Ecological Rich Zone
25. Adventure Play Area
26. Picnic Points
27. Interactive Seatings with Gazebo
28. Seating with Trellis

INDOOR
29. Tuition Rooms
30. Conference Room
31. Meeting Room
32. Women's Corner
33. Art Room
34. Kid's Workshop Area
35. Kid's play and fun area
36. Trampoline
37. Disney Theme Game Room
38. Featuristic Club entry with Bridges
39. Chit Chat Lobby
40. Health Care Facility
41. Gymnasium
42. Yoga Room
43. Card Room
44. Chess Room
45. Carrom Room
46. Table Tennis
47. Billiards
48. Cafeteria with Outdoor seating
49. Banquet Hall

SPORTS
50. Basket Ball Court
51. Badminton Court
52. Skating Rink
53. Lawn Tennis Court
54. Mini Golf
55. Cricket Practice Net
56. Box Cricket
57. Jogging Loop
58. Cycling Track

OTHER
59. Entrance Plaza
60. Sezasthan Bazaar

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA

78770 72737

info@kedia.com www.kedia.com

LOCATION QR CODE

विचार बिन्दु

दया चरित्र को सुन्दर बनाती है। –जेम्स एलन

आयुर्वेद का इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्राय: 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार मंव देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलत: अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अत: स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

> **आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं।**

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थातत: युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंतत: आयुर्वेद पूर्णत: वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलत: कायचिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलत: शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं कार्य-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यिप आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धित में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपसडेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2023 के दौरान प्रकाशित कुल 50,855 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 13,589 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम दस लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टमक्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

शोभायात्रा के साथ तीन दिवसीय थार महोत्सव का आगाज

बाड़मेर, (निसं)। जिले की लोक कला, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किये जाने वाले थार महोत्सव का शुभारम्भ शनिवार को भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।

- **फकीरा खां द्वारा राजस्थानी गीत आओ नी पधारो म्हारो देश ने शमा बांध दिया**
- **कैमल टैटू शो में बीएसएफ जवानों ने ऊंटों के साथ रौचक मुकाबलों का प्रदर्शन किया**

थार महोत्सव के शुभारम्भ अवसर पर सजे धजे ऊँट, हाथी, घोड़े के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

राजस्थान गो सेवा आयोग के अध्यक्ष मेवाराम जैन, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, जिला कलेक्टर लोकबंधु, नगर परिषद सभापति दिलीप माली, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुरेंद्र सिंह पुरोहित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में सभी विभागीय अधिकारी, जिला प्रशासन समेत कई गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। शोभायात्रा में सबसे आगे थार महोत्सव के बैनर के साथ कलाकार तथा उनके पीछे सीमा सुरक्षा बल के सजे धजे ऊँट, हाथी, घोड़े, बीएसएफ के बैण्ड दल, ढोल थाली एवं नगाडे बजाते स्थानीय एवं विभिन्न प्रान्तों से आये कलाकार एवं रंग बिरंगी पोशाकों में सिर पर मंगल कलश लिए महिलाएं एवं बालिकाएं चल रही थी। इसी प्रकार गैर दल, ऊँट गाड़ों पर सवार लोक कलाकार गाते बजाते चल रहे थे। शोभायात्रा का आम जन में खासा उत्साह देखा गया तथा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा गांधी चौक, अहिंसा सर्किल एवं नेहरू नगर पुलिया होते हुए आदर्श स्टेडियम पहुंची।

शोभायात्रा के आदर्श स्टेडियम पहुंचने पर जिला कलेक्टर लोक बंधु ने थार महोत्सव के कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया। इसके बाद विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का सिलसिला शुरू हुआ।

फकीरा खां द्वारा राजस्थानी गीत आओ नी पधारो म्हारो देश ने शमा बांध दिया। कार्यक्रम की अगली कडी में कैमल टैटू शो आयोजित हुआ। जिसमें बीएसएफ जवानों द्वारा ऊंटों के साथ रोचक मुकाबलों का प्रदर्शन किया तथा दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। साफा बांध प्रतियोगिता में जसवंत सिंह प्रथम स्थान पर रहे। संयुक्त परिवार के प्रतीक दादा-पोता दौड़ प्रतियोगिता में मूलाराम और उनके पोते महिपाल को प्रथम स्थान मिला। पति-पत्नी दौड़ प्रतियोगिता में हेमाराम व उनकी धर्मपत्नी मधु प्रथम स्थान पर रहे। पणिहारी मटका दौड़ प्रतियोगिता में चुंकी को प्रथम स्थान पर मिला। रस्साकसी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के जिला प्रशासन टीम एवं महिला वर्ग में गोमती एंड टीम विजेता रही। विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अजमेर में तारागढ़ की पहाड़ियों पर दिखाई दिया पैंथर

अजमेर, (कासं)। आधुनिकता की दौड़ में समाप्त हुए जंगलों के चलते भूख और प्यास के कारण जानवर शहरों की रुख कर रहे हैं। आरावली की पहाडियों के बीच बसे अजमेर शहर के रिहायशी इलाकों सहित उपखंडों के कई क्षेत्रों में पैंथर की मूवमेंट लगातार देखने को मिल रही है, जिससे लोगों में दहशत व्याप्त है।

शुक्रवार देर रात भी तारागढ़ की पहाड़ियों पर पैंथर दिखाई दिया। पैंथर आबादी क्षेत्र से गुजर रहा था, इसी बीच वहां से बाइक पर जा रहे युवक के सामने आ गया और दहाड़ मारने लगा। यह देखकर बाइक सवार वहां भाग छूटा। युवक ने पैंथर की दहाड़ मारते हुए का वीडियो मोबाइल से बनाया लिया। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो 17 मार्च की रात तारागढ़ की पहाड़ी पृथ्वीराज स्मारक मोड़ का बताया जा रहा है। वहीं लगातार एक ही क्षेत्र में पैंथर के मूवमेंट से क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल व्याप्त है। पैंथर की मूवमेंट की सूचना पर वन विभाग अलर्ट हो गया।

अजमेर में तारागढ़ पहाड़ी के मेन रोड पर घूमता पैंथर।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शुक्रवार देर रात करीब दस बजे बाइक पर सवार हो दो युवक तारागढ़ की तरफ जा रहे थे। इसी बीच पृथ्वीराज स्मारक मोड़ के आस-पास बाइक सवार युवकों को अंजाम भी नहीं था कि उनका इंतजार वहां बैठा पैंथर कर रहा है। जैसे ही बाइक सवार युवक आगे की तरफ बढ़े तो अचानक पैंथर सामने आ गया और दहाड़ मारने लगा। यह देखकर दोनों बाइक सवार युवकों घबरा गए और वहां भाग छूटे। इसी दौरान वहां से कार में सवार एक युवक ने पैंथर के दहाड़ मारते हुए का वीडियो बनाया लिया और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी।

वन विभाग ने की लोगों से सतर्कता बरतने की अपील : वन विभाग के रेंजर देशराज ने बताया कि गर्मी बढ? के साथ ही जंगल खाने और पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण पेंथर रास्ता भटककर आबादी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं। तारागढ़ में भी इसी कारण से पिछले कई दिनों से लेपर्ड का मूवमेंट हो रहा है। तारागढ़ पहाड़ी और जंगल क्षेत्र है, पेंथर एक बार देखा गया था। स्थानीय लोगों को इसके बारे में पता चला तो वे दहशत में आग गए और पिंजरा लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद लगातार गश्त की जा रही है। पिंजरा भी लगाया लेकिन अभी तक लेपर्ड का मूवमेंट नजर नहीं आया। उन्होंने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है।

वन विभाग के रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि तारागढ़ रोड पर देर रात तक स्थानीय लोगों के साथ ही जायरीनों की आवाजाही लगी रहती है। ऐसे में अगर पैंथर किसी पर हमला कर देगा तो उससे काफी नुकसान हो सकता है।

मगरा क्षेत्र बन रहा है असुरक्षित जोन : वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मगरा क्षेत्र पेंथर के लिए अब असुरक्षित जोन बनता जा रहा है। टॉडगढ़-रावली से जुड़ी ब्यावर रेंज करीब दस हजार हैक्टेयर में फैली हुई है। इस क्षेत्र में खनन सहित अन्य हस्तक्षेप के बाद वन्य जीव पर संकट मंडरा रहा है। कुंभलगढ़ अभ्यारण्य से टॉडगढ़-रावली अभ्यारण्य जुड़ा हुआ है। करीब दौ सौ किमी की इस क्षेत्र में कई वन्य जीव विचरण करते है। रावली अभ्यारण्य से निकलकर यह पेंथर जैसे ही ब्यावर पुष्कर व अजमेर की सीमा में प्रवेश करते है, इससे संकट शुरू हो जाता है। जंगल की चौड़ाई महज चालीस से पचास किलोमीटर तक रह जाती है। इसके बीच में कई स्थान पर अवैध खनन हो रहा है। इसके चलते पेंथर सहित अन्य वन्य जीव भटककर आबादी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं।

९६ स्कूल प्राइमरी से अपर प्राइमरी में क्रमोन्नत

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 96 प्राइमरी स्कूल्स को अपर प्राइमरी स्कूल में प्रमोट कर दिया है। अब राज्य के इन नए अपर प्राइमरी स्कूल में कक्षा छह शुरू हो सकेगी। अगर स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा होगी तो कक्षा सात व आठ भी इसी साल शुरू कर दी जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल की ओर से जारी आदेश में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी गई है। नए प्रमोटेड स्कूल्स नए सेशन 2022-23 से शुरू होंगे। क्रमोन्नत विद्यालय में प्रारम्भ में कक्षा 6 संचालित की जायेगी, लेकिन पर्याप्त नामांकन होने पर कक्षा 7 व 8 भी साथ ही प्रारम्भ की जा सकेगी। क्रमोन्नत स्कूल में पदों का आवंटन विभाग में उपलब्ध आरक्षित पदों में से स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा। इन विद्यालयों में कमरों का निर्माण समग्र शिक्षा अभियान, नाबार्ड, एमपीएलएडी अथवा जन सहयोग के माध्यम से कराया जावेगा। क्रमोन्नत विद्यालय में शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने के लिए सम्बन्धित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अपने एरिया के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल से लगेंगे। जहां नामांकन की अपेक्षा कार्यरत शिक्षकों की संख्या अधिक है, उन विद्यालयों से अध्यापक (1-2) के 03 शिक्षक (नामांकन के आधार पर) लगाये जाएंगे।

- **अब राज्य के इन नए अपर प्राइमरी स्कूल में कक्षा छह शुरू हो सकेगी**
- **माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किये आदेश**

अजमेर में एक, अलवर में दो, बांसवाड़ा में एक, बारां में एक, बाडमेर में तीन, भरतपुर में पांच, भीलवाड़ा में तीन, बीकानेर में चार, बूंदी में दो, चित्तौड़गढ़ में दो, चूरू में दो, दौसा में एक, धोलपुर में एक, डूंगरपुर में दो, हनुमानगढ़ में दो, जयपुर में सात, जैसलमेर में चार, जालोर में दो, झालावाड़ में एक, झुझुनूं में छह, जोधपुर में ग्यारह, करौली में पांच, कोटा में एक, नागौर में तीन, पाली में दो, प्रतापगढ़ में दो, राजसमंद में तीन, सवाई माधोपुर में एक, सीकर में छह, सिरोही में एक, टोंक में चार व उदयपुर में दो स्कूल प्राइमरी से अपर प्राइमरी में प्रमोट हुए हैं।

राशिफल रविवार 19 मार्च, 2023

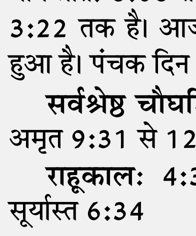

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:04 तक, सिद्ध योग रात्रि 8:06 तक, तैतिल करण प्रात: 8:08 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:17 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:08 तक है। द्विपुष्कर योग प्रात: 8:08 तक है। भद्रा रात्रि 4:56 से सोमवार दिन 3:22 तक है। आज प्रदोष व्रत है। त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है। पंचक दिन 11:17 से आरम्भ होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:06 से 9:36 तक, लाभ अमृत 9:31 से 12:35 तक, शुभ 2:04 से 3:34 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 6:34

मेष

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

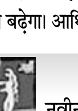

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

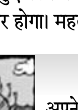

मिथुन

नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य बनने लगेंगे।

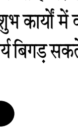

कर्क

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम भाव में चन्द्र शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। मित्रों परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

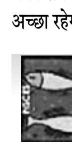

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Rhino Painted & Made a Craft of... The rhinoceros is also shown with a metal chain around its neck and ornaments on all four legs.

How Did Chutneys Came to the World?

Mind&Body: Restorative Yoga Poses Yoga poses for relaxation can help you feel more at ease and less tense

गहलोत की आधा घंटे खड़गे से वन-टू-वन मुलाकात

खड़गे के निकट के लोगों के अनुसार कांग्रेसाध्यक्ष के निवास पर मुलाकात गहलोत के विशेष आग्रह पर आयोजित हुई थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज शाम छः बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ दिल्ली में उनके निवास पर आधा घंटे की मीटिंग की। खड़गे के आवास के सूत्रों ने कहा कि खड़गे ने गहलोत को नहीं बुलाया था। गहलोत ने ही उनसे मिलने का समया माँगा था, जो उन्हें दिया गया था।

सूत्रों का कहना है कि दोनों नेताओं की यह मीटिंग नितान्त एकांत में हुई तथा दोनों में से किसी का कोई सहायक वहाँ मौजूद नहीं था तथा यह ठीक-ठीक बता पाना मुश्किल है कि दोनों के बीच क्या बातचीत हुई।

- हालांकि, मुलाकात वन-टू-वन थी, तथा कोई सहायक या बाहरी व्यक्ति मौजूद नहीं था, पर, फिर भी यह आकलन है कि, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के भविष्य के बारे में चर्चा हुई, तथा रामेश्वर डूडी का नाम सबसे ऊपर चल रहा है, नये प्रदेशाध्यक्ष के लिये।
- जैसा कि, सोचा जा रहा था, मुलाकात में गहलोत ने 19 नये जिले बनाने के निर्णय पर अपनी पीठ थपथपाई, तथा निर्णय को ''गेम चेंजर'' (चुनाव का रुख बदलने वाला) साहसिक निर्णय बताया।
- इस मुलाकात के जरिये शायद मु.मंत्री यह ''संदेश'' देना चाहते थे कि, कांग्रेसाध्यक्ष व उनके बीच कोई मतभेद या समस्या नहीं है।
- मु.मंत्री रविवार दोपहर बाद जयपुर के लिए रवाना होंगे।

बस इतना ही ज्ञात हो सका कि कई राजनैतिक मुद्दों पर बातचीत हुई। पहला और प्रमुख मद्दा वर्तमान पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा को हटाने से संबंधित था, जो सूत्रों के अनुसार, आज की जरूरत है क्योंकि पार्टी को इस साल विधानसभा चुनाव लड़ना है। एक संभावित दावेदार के रूप में रामेश्वर डूडी का नाम जोरों से चर्चा में है।

समझा जाता है कि गहलोत ने स्वयं ही अपनी पीठ थपथपाते हुये कांग्रेस अध्यक्ष को बताया कि उन्होंने किस तरह से 19 नये जिले बनाये हैं तथा उनका यह कदम ''गेम चेंजर सिद्ध होगा। दिल्ली में मूलरूप से यह चर्चा है कि इस मीटिग का उद्देश्य किसी ठोस बात से नहीं बल्कि औपचारिक एवं दिखावटी ज्यादा था। चूँकि गहलोत से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भीलवाड़ा में इस वर्ष करोना से पहली मौत

भीलवाड़ा, 18 मार्च (निसं)। ज़िले के सबसे बड़े अस्पताल महात्मा गांधी हॉस्पिटल (एम.जी.एच.) के नर्सिंग उप अधीक्षक की करोना से मौत हो गई। जिले में इस साल करोना से ये पहली मौत है। तीन दिन पहले तबीयत

- भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े अस्पताल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल के नर्सिंग उप अधीक्षक महेन्द्र सिंह राठौड़ की मौत हो गई। राठौड़ हाल ही में करोना पॉज़िटिव आए थे और तबियत बिगड़ने पर उन्हें वैंटिलेटर पर भी रखा गया था।

खराब होने पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। करोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद इलाज चल रहा था।

आर.आर.टी. प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में करोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ गई हैं। पिछले कुछ दिन में 21 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इनमें महात्मा गांधी हॉस्पिटल के उप नर्सिंग अधीक्षक महेंद्र सिंह राठौड़ भी शामिल थे। तबीयत खराब होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। शुक्रवार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मु.न्यायाधीश एक बार फिर ''कोलीजियम'' के बचाव में कूदे

यह सिस्टम चाहे ''परफैक्ट'' न हो, पर, उपलब्ध विकल्पों में सर्वोत्तम है'

-डा.सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति में कार्यपालिका के दखल और देश की न्यायपालिका को नियंत्रण में रखने के मोदी सरकार के निरंतर प्रयासों के बीच चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी. वॉय चन्द्रचूड़ ने आज यह कहते हुए वर्तमान कोलीजियम सिस्टम का पक्ष लिया कि ''कोई भी सिस्टम अपने आप में परिपूर्ण नहीं है, लेकिन उपलब्ध सिस्टम्स में यह सबसे अच्छा सिस्टम है।'' सी.जे.आई.ने इण्डिया टुडे कॉन्क्लेव 2023 में कहा कि यदि न्यायपालिका को बाहरी हस्तक्षेपों से बचाना है तो इसका स्वतंत्र होना जरुरी है।

- मु.न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि, सबसे महत्वपूर्ण बात है, न्यायपालिका की स्वतंत्रता बरकरार रहनी चाहिए।
- ''मेरे व विधि मंत्री के विचारों में (परसैप्शन में) भिन्नता हो सकती है। मुझे इन मतभेदों को मजबूत संविधान पर आधारित ''कॉमन सैंस'' से निपटना है।
- पर, फिर शायद कुछ संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से मु.न्यायाधीश ने कहा कि, उनके 23 साल के न्यायाधीश के रूप में बीते जीवन में, उन पर कभी भी सरकार का दबाव नहीं आया कि, किस ''केस'' (मुकदमे में) क्या निर्णय देना है। इसका नवीनतम उदाहरण था, मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो नई व्यवस्था फाइनल की।

जस्टिस चन्द्रचूड़ ने कहा कि ''कोई भी सिस्टम परफैक्ट नहीं होता, लेकिन हमने जो सिस्टम बनाए हैं, उनमें यह सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि हमारा उद्देश्य न्यायपालिका की आधारभूत स्वतंत्रता की रक्षा करना था।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के प्रति अपनी नाखुशी व्यक्त करने वाले विधि मंत्री किरन रिजिजू के लिए भी सी.जे.आई.ने जवाब दिया। रिजिजू ने कोलीजियम द्वारा संवैधानिक कोर्टों में जजों की नियुक्ति के लिए की गई नामों की सिफारिशों को मंजूर नहीं करने के सरकार के कारण बताए थे।

सी.जे.आई.ने कहा कि ''वैचारिक भिन्नता में गलत क्या है? लेकिन मुझे अहम संवैधानिक राजकार्य के मद्देनजर ऐसे मतभेदों से निबटना पड़ता है।'' मैं विधि मंत्री के साथ मुद्दे में शामिल नहीं होना चाहता। हमारे विचारों में मतभेद होना तय है।''

रिजिजू जब से केन्द्री विधि मंत्री बने हैं, तब से वह सरकार की लड़ाई को सक्रिय होकर लड़ते रहे हैं। कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ वह काफी मुखर रहे हैं। यहां तक कि एक बार तो उन्होंने इसे हमारे संविधान के लिए अनजान बता दिया था। जस्टिस चन्द्रचूड़ ने स्पष्ट रूप से संतुलन स्थापित करते हुए विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि केसों का निर्णय किस प्रकार किया जाए, को लेकर सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है।

सी.जे.आई.ने कहा, ''जज के रूप में 23 वर्ष के कार्यकाल में, मुझ से किसी ने नहीं कहा कि मैं किसी केस का निर्णय कैसे करुँ। चुनाव आयोग सम्बन्धी निर्णय इस बात का प्रमाण है कि न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं है।'' सर्वोच्च न्यायालय ने अभी हाल में ही यह निर्णय दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त एवं चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उस कमेटी की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जायेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा भारत के मुख्य न्यायाधीश होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी प्रबल इच्छा रही है कि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति में सरकार की निर्णायक भूमिका हो। इसी लक्ष्य को साफ तौर पर मद्देनजर रखते हुये, मई 2014 में सत्ता में आने के बाद, मोदी सरकार ने अविलम्ब, अगस्त 2014 में ही नेशनल जूडिशियल अपॉइन्टमेन्ट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) स्थापित करने के लिए एक विधेयक पेश कर दिया था।

दोनों सदनों से पारित हो जाने के बाद, 2015 में इस विधेयक ने अधिनियम का रूप ले लिया था। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की पाँच जजों की एक संविधान पीठ ने 16 अक्टूबर, 2015 को 4:1 के बहुमत से एन.जे.ए.सी. एक्ट को रद्द कर दिया था तथा कोलीजियम व्यवस्था को बहाल कर दिया था।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ वॉरंट जारी किया

रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव ने इस वॉरंट को ''टॉयलेट पेपर'' बताया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीन पुतिन के यूक्रेन में युद्ध अपराध इंगित करते हुए उनके विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट की घोषणा की है, लेकिन क्या पुतिन पर अन्ततः कोई आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा? इसका उत्तर शायद ना है।

इसका कारण यह है कि रूस अपने कट्टर प्रतिद्वंदी अमेरिका की भांति आई.सी.सी. का सदस्य नहीं है, इसलिए वॉरंट जारी करना कोई बड़ी बात नहीं है।

- रूस के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) को गिरफ्तारी का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि जिस संधि के अंतर्गत आई.सी.सी. का गठन हुआ है, न तो रूस और न ही अमेरिका ने उस संधि पर आज तक हस्ताक्षर किये हैं।
- पर आई.सी.सी. के वकील करीम खान ने कहा, 120 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किये हैं, अतः पुतिन यदि इन 120 देशों में से किसी देश की भूमि पर गये तो वे गिरफ्तार हो सकते हैं। अतः इस वॉरंट से उनके आवागमन पर कुछ प्रतिबंधन तो जरूर लगा है। और अगर बुरे दिन आये तो वे इन 120 देशों में से किसी देश में जाने पर गिरफ्तार भी हो सकते हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि आई.सी.सी. के पास संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोई पावर नहीं है और जिस संधि ''द रोम स्टेट्यूट'' के जरिए यह कोर्ट गठित किया गया, रूस उसका हस्ताक्षरकर्ता भी नहीं है। यह स्थिति किसी भी संदिग्ध के प्रत्यर्पण को करीब-करीब असंभव बना देती है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मध्यप्रदेश में ट्रेनर विमान क्रैश हुआ

इंदौर, 18 मार्च। मध्यप्रदेश के बालाघाट में शनिवार (18 मार्च,2023) को दोपहर को एक चार्टर प्लेन क्रैश हो गया। विमान में एक पायलट और सह- पायलट सवार थे। हादसे में दोनों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर रवाना हो गई है। हादसा बालाघाट जिले के लांजी और किरनापुर के बीच भक्कुटोला-कोसमारा की पहाड़ी पर हुआ। चट्टान के बीच एक जली हुई लाश दिखाई दे रही थी, जबकि अधिकारी दूसरे की तलाश कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही बालाघाट पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, पायलट के साथ एक महिला ट्रेनी पायलट भी थी।

- इस दुर्घटना में दोनों पायलटों की मौत हो गयी।

यह प्लेन महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के बिरसी एयरपोर्ट का ट्रेनी विमान था। बिरसी एयरस्ट्रीप से एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी थी, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

किस को ज्यादा नुकसान होगा आंतरिक कलह से कर्नाटक में?

मई में होने वाले विधानसभा चुनाव में, संभवतया कांग्रेस को ज्यादा नुकसान होगा

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। कर्नाटक में दो प्रमुख दावेदार राजनैतिक दलों- सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस में एक बात तो समान दिखाई दे रही है कि जैसे-जैसे राज्य के विधानसभा चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, दोनों ही दलों में अंदरूनी लड़ाई बढ़ती जा रही है

वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल मई में समाप्त हो रहा है तथा चुनाव-प्रक्रिया उससे पहले पूरी की जानी है।

- अभी कांग्रेस का पलड़ा कुछ भारी लग रहा है, क्योंकि, 40 प्रतिशत कमीशन का कांग्रेस का आरोप, भाजपा सरकार पर जमता सा नज़र आ रहा है। पर, चुनाव के बाद सिद्धारमैया व शिव कुमार की प्रतिद्वंदिता जब खुलकर बाहर आयेगी, तो, हो सकता है, जीती हुई पारी, कांग्रेस गोल के नज़दीक पहुंचकर हार जाये।
- हालांकि येदियुरप्पा का, पुत्रवाद व परिवारवाद के मुद्दे पर विरोध जग जाहिर है, पर, फिर भी उनका खेमा उन्हें ही मु.मंत्री पद का मुख्य दावेदार मानता है। पर, भाजपा हाईकमान, पार्टी अध्यक्ष के मार्फत एक ही मैसेज दे रहा है लगातार कि, मु.मंत्री बोम्मई ही उनकी अगली पसंद हैं।

अगर भाजपा के अंदर का आक्रोश एवं विद्रोह पार्टी को अलग-अलग दिशाओं में खींचता दिखाई दे रहा है, जैसा कि पार्टी के चुनाव प्रचार के दौरान, बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ कार्यकर्ताओं के आक्रोश से संकेत मिला, यह आक्रोश उन पर उनके बयान की वापसी के लिये मजबूर करता प्रतीत हुआ, तो कांग्रेस में भी, उसके दो शीर्ष नेताओं- पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तथा के.पी.सी.सी. प्रमुख डी.के. शिव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महिला ने चार युवकों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया

बीकानेर, 18 मार्च (कासं)। महाजन थाने में शनिवार को एक महिला ने चार लोगों के खिलाफ अपहरण करने दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया। थाने में दर्ज मामले के अनुसार पीड़ित महिला ने बताया कि पति के साथ अनबन के चलते वह पिछले कुछ समय से अपनी बुआ के घर में रह रही है। बुआ के घर में देवीलाल कूंकणा का आना जाना रहता है। इसी के चलते गत 12 मार्च को भी वह घर आया था, तब घर पर कोई नहीं था तो मौका पाकर देवीलाल ने पीड़िता को जूस में कोई नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में उसका अपहरण कर लिया गया।

- बीकानेर के महाजन थाने में उक्त महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, चार लोगों ने जूस में नशीला पदार्थ पिलाकर उसका अपहरण कर दुष्कर्म किया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुजानगढ़, भीनमाल, तिजारा, कामां, शाहपुरा के जिला नहीं बनने पर उठे भारी विरोध के स्वर

लोगों ने स्थानीय विधायकों से इस्तीफे मांगे

जयपुर, 18 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विनियोग विधेयक पारित कराने से पहले राजस्थान में 19 जिले और 3 संभागों की घोषणा की, जिसे मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है और कहा जा रहा है कि इसके जरिए मुख्यमंत्री ने ना सिर्फ एंटी इनकंबेंसी थामने का प्रयास किया, बल्कि रूठों को भी चुप कराने का प्रयास किया है। दूसरी ओर इस घोषणा के अगले दिन ही जिस तरह से कई जगह से विरोध की आवाजें बुलंद हुई हैं और स्थानीय विधायकों का विरोध होने लगा है। उसके बाद लगता है कि जिले जहां बनाने थे, वहां बनाने के बजाय मुख्यमंत्री ने अपने नज़दीकी लोगों को खुश करने का प्रयास किया है। ऐसे में कई जिलों को लेकर बड़े सवाल भी उठ खड़े हुए हैं।

- दूदू, गंगापुर सिटी, डीग - कुम्हेर को जिला बनाना लोगों के गले नहीं उतर रहा, क्योंकि जिला मुख्यालयों से इनकी दूरी 37 से 60 किलोमीटर तक ही है।
- तहसील और विधानसभा क्षेत्रों के बंटवारे भी आसान नहीं होंगे, स्थानीय विधायकों को डर सताने लगा है।

सबसे बड़ा सवाल तो यह खड़ा हुआ है कि जब जयपुर शहर को दो हिस्सों में बांटा जाना था, तो फिर दूदू को अलग से जिला बनाने की आवश्यकता कहां पड़ रही थी। दूदू पहले से ही पंचायत मुख्यालय है, जयपुर से उसकी दूरी 60 किलोमीटर और अजमेर से उसकी दूरी 65 किलोमीटर है और साथ ही दूदू नेशनल हाईवे पर स्थित है। ऐसे में वहां जिला बनाया जाना किसी भी तरह से न्याय संगत नहीं है, क्योंकि ना तो दूदू की आबादी इतनी है, ना दूदू के आसपास की पंचायत समितियों की आबादी इतनी है कि उसे जिला बनाया जाए। इसी तरह से सवाई माधोपुर से अलग करके गंगापुर सिटी को जिला बनाया जाना न्याय संगत नहीं बताया जा रहा है। इसका कारण यह है कि गंगापुर सिटी जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर से 70 किलोमीटर दूर है, साथ ही करौली जिला मुख्यालय से उसकी दूरी 50 किलोमीटर से भी कम है। ऐसे में गंगापुर सिटी को किसलिए जिला बनाया गया है, यह लोगों की समझ से परे है। कहा जा रहा है कि अपने दो नज़दीकी निर्दलीय विधायकों को खुश करने के लिए दूदू और गंगापुर सिटी को जिला बनाया गया है। इसके अलावा खैरथल, जिसकी अलवर से दूरी सिर्फ 47 किलोमीटर है, लेकिन इसके बावजूद उसे भी जिला घोषित कर दिया गया है, जिसे न्याय संगत नहीं बताया जा रहा है। नए जिलों के गठन में उपेक्षित छूट गए क्षेत्रों में भारी विरोध हो रहा है। सबसे बड़ा विरोध चुरू जिले के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने के कारण आक्रोशित लोगों ने नैशनल हाइवे-58 जाम कर दिया, दिनभर सुजानगढ़ के मुख्य बाजार बंद रहे। सालासर में आक्रोशित भीड़ ने टायर जलाकर हाइवे बंद कर दिया तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

जिला घोषित नहीं करने के विरोध में सांभर बंद रहा

सांभरझील, (निसं)। सांभर को जिला घोषित नहीं करने के विरोध में आज जिला संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा के नेतृत्व में हजारों लोगों ने धरना प्रदर्शन किया तथा विरोध स्वरूप सीएम गहलोत का पुतला जलाया। पृथ्वीराज सर्किल पर हुई सभा में अनेक वक्ताओं ने अपना विरोध जताया। सैकड़ों लोग देर तक रास्ता जाम कर धरने पर बैठे रहे और जमकर नारेबाजी की तथा पूरे शहर में पैदल घूमे। सांभर का पक्ष मजबूत होने के बाद भी सरकार की ओर से इसे नज़रअंदाज करने पर व्यापार महासंघ ने भी रोष जताया और सभी प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए तथा निर्णय लिया गया कि कल शाम तक सांभर की सभी दुकानें बंद रखी जाएंगी।

- लोगों ने कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री गहलोत व स्थानीय विधायक कुमावत का पुतला फूंका।

रविवार को उपखंड कार्यालय पर धरना प्रदर्शन व सभा का आयोजन किए जाने का ऐलान किया गया। वहीं दूसरी तरफ पांच बत्ती चौराहा पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक सिंवाल के नेतृत्व में लोगों ने सीएम गहलोत,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दुनिया के सभी विकसित देशों की तरक्की में राजस्थानियों का महत्वपूर्ण योगदान : डॉ.पूनियां

दुबई में आयोजित हुये प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रवासी राजस्थानियों के साथ सेल्फी ली।

■ 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व से भारत की साख दुबई से लेकर पूरी दुनिया में बढ़ी'

दुबई/जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दुबई के एक दिवसीय प्रवास पर विभिन्न प्रवासी सम्मेलनों में राजस्थानियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दुबई में इंडियन पीपुल्स फोरम, 'राजस्थान बिजनेस एवं प्रोफेशनल ग्रुप' के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और प्रवासी भारतीय कुशल श्रमिकों से संवाद किया।

दुबई के प्रवासी राजस्थानियों ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व से भारत की साख दुबई से लेकर पूरी दुनिया में बढ़ी है, जिसका हमें उद्योगों और संस्कृति की मजबूती से लेकर मान-सम्मान में बड़ा लाभ मिला है और विदेशों में काम करने वाले भारतीय कुशल श्रमिकों के वेतन, सुरक्षा, अनुकूल वातावरण और स्वाभिमान को लेकर भी सुविधाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विस्तार हुआ है, जो सभी भारतीयों के लिये गर्व की बात है।

पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं तो वहां प्रवासी भारतीयों से संवाद को प्राथमिकता देते हैं। जिससे उनके हाल-चाल जानते हैं और उनसे संबंधित कार्यों को केन्द्र की मोदी सरकार प्राथमिकता से अमल में लाती है और यह साबित करता है कि मोदी सरकार प्रवासियों के हर सुख-दुख में उनके साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़ी रहती है, चाहे कोरोनाकाल में लोगों की वतन वापसी की बात हो, रूस-यूक्रेन युद्ध में लोगों की स्वदेश वापसी की बात हो, हर परिस्थिति में केन्द्र की मोदी सरकार भारतीय और प्रवासी भारतीयों के हितों के लिये काम करती है।

दुनिया के सभी विकसित देशों की तरक्की में भारतीयों और राजस्थानियों का महत्वपूर्ण योगदान है और साथ ही प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि की तरक्की के साथ-साथ जन्मभूमि के विकास में भी निरंतर योगदान देते हैं, यह हमारी जड़ों के प्रति हमारा जुड़ाव को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि, राजस्थान में 2023 में भाजपा की सरकार बनने पर हर प्रवासी के साथ भाजपा की सरकार मजबूती से हमेशा खड़ी रहेगी, विभिन्न देशों में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में उद्योग लगाने के लिये नियमों का सरलीकरण किया जाएगा, जो वर्तमान कांग्रेस सरकार नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस शासन में प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों से ना केवल उद्यमी उद्योग लगाने से पीछे हट रहे हैं, बल्कि तमाम उद्योग पलायन भी कर गये और पर्यटकों की संख्या में भी कमी आई है।

भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट प्रवासियों को जोड़ना व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के आव्हान पर पहली बार देश विदेश के कोने-कोने तक रह रहे राजस्थानी प्रवासी संगठित हो रहे हैं।

इंटरनेशनल सिंधी दिवस पर इंडियन कांस्युलेट ऑडिटोरियम में ग्लोबल बिजनेस फेडरेशन व सिंधी समाज दुबई द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) की दुबई शाखा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुये।

प्रवासी प्रकोष्ठ के सह संयोजक तेजराज सोलंकी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश विजय, दुबई में आशीष गर्ग, अविनाश जागेटिया, सुनील जागेटिया, पंकज जैन, जितेन्द्र वैध, चन्द्रशेखर भाटिया, योगेश विजय, राधेश्याम सुथार, गणेश सुथार, केसर कोठारी, आलोक भार्गव, राकेश बोहरा, जी.आर.मेहता, नवीन शर्मा व प्रवीण मेहता सहित दर्जनों प्रवासी बंधुओं ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सतीश पूनियां कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, नई दिल्ली, तेलंगाना इत्यादि राज्यों में मिशन 2023 और 2024 को लेकर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में शामिल हो चुके हैं।

नेशनल नियोनेटोलॉजी का वार्षिक सम्मेलन 24 से

राज्यपाल कलराज मिश्र से शनिवार को जयपुर नियोनेटोलॉजी राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता व आयोजन सचिव डॉ. जे.के. मित्तल ने मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम राजस्थान और आईएपी जयपुर शाखा के सहयोग से इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, नियोनेटोलॉजी चैप्टर का 3 दिवसीय कार्यशाला सह राष्ट्रीय सम्मेलन 24-26 मार्च को बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन के अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि इस मेगा इवेंट में नियोनेटोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय फैकल्टी और विशेषज्ञों की मेजबानी की जाएगी। क्षेत्र में कुछ अग्रदूतों डॉ. विनीत भंडारी (यूएसए), डॉ अभय लोढ़ा (कनाडा), डॉ शेरे कुओ (यूएसए), डॉ विनोद भूटानी (यूएसए), डॉ राजेश शर्मा (यूएई), डॉ एरिन रॉस (यूएसए) शामिल है।

आयोजन सचिव डॉ जयकृष्ण मित्तल ने आगे कहा कि नवजात शिशु देखभाल के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधियों को इस क्षेत्र में किए गए विभिन्न शोधों और नवाचारों से अत्यधिक लाभ होगा और उन्हें इस क्षेत्र के अग्रदूतों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलेगा।

डॉ. मनीष मित्तल संयुक्त सचिव ने कहा कि यह कार्यक्रम तीन दिवसीय कार्यक्रम है जहां विभिन्न निजी और सरकारी विभागों में विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। 24, 25 और 26 मार्च को विषय के विभिन्न पहलुओं पर अस्पताल मुख्य सम्मेलन के लिए बीएम बिड़ला सभागार में इकट्ठा होगा जहां विभिन्न प्रतिष्ठित संकाय अपने अनुभव और शोध साझा करेंगे।

आयोजन सचिव डॉ. रमेश चौधरी ने कहा कि आयोजन में नर्सों के प्रशिक्षण के लिए भी कार्यशाला होगी ताकि पुनर्जीवन, स्तनपान और कंगारू मदर केयर सहित नवजात शिशु की देखभाल के लिए बुनियादी कौशल प्रदान किया जा सके।

यह कार्यक्रम क्षेत्र के युवा डॉक्टरों को अपने शोध विषयों को प्रस्तुत करने का अवसर देगा और सर्वश्रेष्ठ लोगों को न्यायाधीशों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

एग्ज़ीबिशन में कलाकारों की अनूठी शैली, तकनीक और प्रेरणा का अद्भुत प्रदर्शन

जयपुर में प्रदर्शित हो रही मेयो कॉलेज के कलाकारों की पेंटिंग्स एग्जीबिशन में कला प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में मेयो कॉलेज एलुमनाई आर्टिस्ट्स (एमएए) द्वारा होटल आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में आयोजित आर्ट एग्जीबिशन को लेकर जयपुर के कला प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। एग्जीबिशन में मेयो के पूर्व छात्रों सहित जयपुर के कला प्रेमी शिरकत रहे हैं। एग्जीबिशन के आयोजक मेयो के पूर्व छात्र दुष्यंत सिंह नायला और हेमेन्द्र सिंह वेदसा ने बताया कि एग्जीबिशन को लेकर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस दौरान कई कलाकारों की पेंटिंग्स की बिक्री भी हुई है। एग्जीबिशन में 24 आर्टिस्ट्स की वॉटर कलर, पेन एंड इंक, एक्रेलिक ऑन कैनवास, एम्ब्रोईडरी ऑन कैनवास, चारकोल, मिक्सड मीडिया, ऑयल सहित विभिन्न शैलियों में 125 पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया जा रहा है और यह एग्जीबिशन 21 मार्च तक लगाई जाएगी। एग्जीबिशन का आयोजन मेयो कॉलेज के पूर्व अध्यापक, स्वर्गीय रमेश माथुर की स्मृति में किया गया है।

हेमेन्द्र सिंह वेदसा ने बताया कि इस एग्जीबिशन में खास यह है कि इसमें पिता-पुत्र की जोड़ियों की कला का प्रदर्शन एक ही मंच पर हो रहा है। उनके पुत्र करणी सिंह वेदसा ने भी अपना आर्टवर्क एग्जीबिशन में शोकेस किया है। वहीं दुष्यंत सिंह नायला और उनके पुत्र त्रिविक्रम सिंह नायला की पेंटिंग्स भी एग्जीबिशन में प्रदर्शित हो रही हैं। इसी प्रकार स्वर्गीय रमेश माथुर और उनकी पुत्री राखी शर्मा माथुर की पेंटिंग्स भी इस एग्जीबिशन का हिस्सा हैं। वेदसा ने आगे बताया कि इस एग्जीबिशन में सबसे वरिष्ठ कलाकार, 1961 बैच के स्वर्गीय रमेश माथुर और सबसे युवा कलाकार 2022 बैच के मालदेव सिंह हैं।

एग्जीबिशन में कलाकार नताशा बिश्नोई की पेंटिंग्स प्रकृति और वन्य जीवन से प्रेरित हैं; डूडल आर्टिस्ट, हर्षि अग्रवाल का पेन और इंक के माध्यम से तैयार डूडल आर्टवर्क जानवरों के प्रति प्रेम को दर्शाता है, तो वहीं एग्जीबिशन में कलाकार हेमेंद्र सिंह वेदसा की डूंगरपुर/मेवाड़ शैली में चारकोल और ग्रेफाइट के माध्यम से बनाई गई मिनिएचर पेंटिंग्स; अपने किचन गार्डन से प्रेरित होकर प्रकृति के विवरणों को दर्शाती कलाकार रोहिणी सिंह की पेंटिंग्स और विधिता सिंह की ऑटोमोटिव विषय पर आधारित पेंटिंग्स शामिल हैं। इसी प्रकार कलाकार उज्जवला भादू की पेंटिंग्स में वुमेन सीरीज और नारीवाद का सुंदर चित्रण है। कात्यायनी सिंह वाघेला द्वारा कैनवास पर एम्ब्रोएडरी और क्रोशे ऑन पेपर के माध्यम से बनाई भगवान कृष्ण सहित कई प्रकार की पेंटिंग्स प्रदर्शित की जा रही हैं। वहीं कलाकार योगेश अदकाइन की पेंटिंग्स अनटोल्ड स्टोरी विषय पर आधारित हैं। एग्जीबिशन में कई तरह की विचारोत्तेजक कलाकृतियां कला प्रेमियों को सुखद एहसास कराती हैं। इन पेंटिंग्स में कलाकारों की अनूठी शैली, तकनीक और प्रेरणा का अद्भुत प्रदर्शन है।

वकीलों ने की प्रमुख विधि सचिव से वार्ता

■ प्रोटेक्शन बिल में संशोधन के लिये वकील मिले, विधि सचिव ने वकीलों को संशोधन करवाये जाने का आश्वासन दिया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल-2023 में संशोधन के लिए शनिवार को वकीलों की संघर्ष समिति के पांचों मुख्य संयोजकों कमल किशोर शर्मा, रणजीत जोशी, महेन्द्र शांडिल्य, रवि भंसाली व विवेक शर्मा ने प्रमुख विधि सचिव ज्ञान प्रकाश गुप्ता से मिलकर वार्ता की। इस दौरान बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन घनश्याम सिंह राठौड़ और अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. विभूति भूषण शर्मा भी शामिल हुए। वकीलों के प्रतिनिधि दल ने प्रमुख विधि सचिव से कहा कि एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल में वकीलों के पक्ष में संशोधन कराया जाए। इस पर विधि सचिव ने वकीलों को संशोधन करवाए जाने का आश्वासन दिया।

दरअसल वकील राज्य सरकार की ओर से 15 मार्च को विधानसभा में पेश किए एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल में प्रावधान किया गया है कि वकील के खिलाफ अदालत परिसर में अपराध होने पर ही उसे इस कानून का लाभ मिलेगा। वहीं धारा-9 के तहत उनके खिलाफ क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करने के प्रावधान में भी वकील संशोधन चाहते हैं। वहीं अधिवक्ता के खिलाफ अपराध होने पर दोषी को मिलने वाली सजा और जुर्माने को भी वकील बढ़वाना चाहते हैं। गौरतलब है कि गत 18 फरवरी को जोधपुर में एक वकील की दिनदहाड़े हुई हत्या के बाद प्रदेशभर के वकील 20 फरवरी से न्यायिक बहिष्कार पर हैं। वकीलों की मांग है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को विधानसभा से पारित कर कानून का रूप दिया जाए। गत दिनों विधि मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में वकीलों की सरकार से वार्ता हुई थी जिसमें तय किया गया था कि 15 मार्च को बिल सदन में रखकर उसे 21 मार्च को पारित करवाया जाएगा। इसके बाद वकीलों ने बिल के कुछ प्रावधानों में संशोधन की मांग की है।

पांच परियोजनाओं में कस्टमाइज्ड पैकेज

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में 6994 करोड़ रुपए के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए 5 परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री निवास पर शनिवार को बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की चतुर्थ बैठक में मंजूर प्रस्तावों से 5415 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कृतसंकल्पित है।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गत चार वर्षों में कई महत्वपूर्ण नीतियां एवं कार्यक्रम लागू किए हैं।

आम सूचना सर्व साथरण की सूचित किया जाता है कि भूखण्ड संख्या पुराना 27 बी, नया बी-49(योजना मानचित्र अनुसार) आवसीय भूमि चक नं. 027 पश्चिममुखी वाके गोकूल बस्ती (गोकूल वाटिका)दुर्गापुरा (चैनपुरा) जिला जयपुर 310 वर्गगज कौर्नर प्लॉट श्री रामगोपाल सैनी पुत्र श्री नेतराम सैनी ने उक्त प्लॉट का इकरारनामा विक्रय जरिये वसियत डॉ. चन्द्रकला पुत्री रामअवतार पाण्डे 14 फरवरी 1962 श्री रामगोपाल सैनी पुत्र श्री नेतराम सैनी को कर दिया था, आज दिनांक 18.3.2023 इस प्लॉट का विक्रय जरिये इकरारनामा विक्रय मेरे अभिभाष्य श्री रमेश कुमार सैनी पुत्र श्री गयारसी लाल सैनी को किया है इस संबंध में किसी प्रकार कि आपत्ति किसी भी व्यक्ति या संस्था को हो तो सात दिनों में आपत्ति दर्ज करवाये।
श्रवण कुमार सैनी (ऐडवोक्ट), मो नं. 9928814900

NAME CHANGE

I Hari Mohan Sharma s/o Jagdeesh Sharma, R/o Jalday Vibhag Ke Piche Pawan Kunj Colony, Kaman, Bharatpur, Rajasthan-321022, have changed my name to Arjun Sharma

I have changed My Name from falak Mukarram to Falak khan w/o Aseem khan for all future Purpose. R/o Plot- 1/27, Nagar Nigam Colony, Amer Road, Jaipur Rajasthan 302002

I have change my name from Manoj Kumar Bhawka to Manoj Bhawka. In furure known me Manoj Bhawka S/o Gouri Shankar Bhawka R/o 03, Prem Nagar, Jhotwara, Jaipur 302012

विवाह के बाद मेरा नाम Meenakshi Chandwani से बदलकर Meenakshi Alwani हो गया है। भविष्य में मुझे Meenakshi Alwani पत्नी Sh. Chandra Prakash Alwani के नाम से जाना जावे। पता- 25/1152, ईसाई मोहल्ला, अजमेर-305001

मेरी एलआईसी की पॉलिसी संख्या- 1220660014 में मेरा नाम बेबी डोली गुप्ता पुत्री हेमेंद्र गुप्ता है जिसे मैं बदलकर हिमानी गुप्ता पुत्री हेमेंद्र गुप्ता निवासी 9/312, मालवीय नगर, जयपुर करवाना चाहती हूं। भविष्य में इसी नाम ले जाना पहचाना जावे।

मैंने मेरा नाम गोपाल लाल पुत्र श्री फकीर चंद अग्रवाल से बदलकर गोपाल लाल अग्रवाल रख लिया भविष्य में मुझे गोपाल लाल अग्रवाल के नाम से जाना जाए। D-133, सिद्धार्थ नगर NWR Office के पीछे जगतपुरा जयपुर

मैंने मेरा नाम जिनेश जैन पुत्र दीपेश जैन से बदलकर जिनेश लोढ़ा कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता- 3-त-8, जवाहर नगर, जयपुर

NAME CHANGE

I, Manju wife of Devinder Parkash Vijay holder of Indian Passport No. L2173724, issued at New Delhi India on 19/8/2013, my old address is T,21 a Jain Colony, Uttam Nagar, New Delhi-110059 and my new permanent resident address is 3/104, Nagar Nigam Colony, Amer Road, Jaipur-302002, Rajasthan, India changed my name from Manju to Manju Vijay, with immediate effect.

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य लियाकत अली पुत्र गुलाब खान, निवासी-म.नं. 22ए, राय कॉलोनी, हसनपुरा सी, जयपुर के है, मेरे अभिभाष्य के पुत्र रईस अली व शरीफ उर्फ बालू एवं साबिर अली मेरे अभिभाष्य के कहने मे नहीं है, पिछले कई वर्षों से अलग रह रहे है, मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार करते है, इसलिए मेरे अभिभाष्य ने रईस अली व शरीफ उर्फ बालू एवं साबिर अली को उनके आचरण के कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य मे मेरे अभिभाष्य की चल-अचल सम्पत्ति से रईस अली व शरीफ उर्फ बालू एवं साबिर अली का कोई सम्बन्ध नही रहेगा, उनसे जो कोई भी सव्यवहार व लेन-देन करेगा, उनकी स्वय की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे।
भवदीय
(अब्दुल सलाम सांखला), एडवोकेट, मो. 9829184678

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सईद खान पुत्र श्री छोटे खा, आयु -71 वर्ष, निवासी-म.नं. 6 फाजिल शाह कॉलोनी चार दरवाजा बाहर, बांस बदनपुरा जयपुर राजस्थान का पुत्र सोहेल खान उनके कहे में नही है तथा आये दिन मेरे अभिभाष्य एवं उसके परिवार को झूठे मुकदमों मे फंसाने की धमकी देता है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र सोहेल खान को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।यदि कोई व्यक्ति सोहेल खान से किसी प्रकार का कोईलेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।सूचित रहें।
जयपुर भवदीय
मोहम्मद साबिर कुरैशी, एडवोकेट 9828168963

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान, विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 51 /2023

चूंकि श्री भगवान दास सोरठिया पुत्र श्री चुन्नीलाल सोरठिया, निवासी 134-ए, कृष्णा सागर कॉलोनी, इस्कोन रोड डोलाई जयपुर 302020 राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री राधेजू गोपीप्रेम ट्रस्ट ,134-ए कृष्णा सागर कॉलोनी, इस्कोन रोड डोलाई जयपुर 302020 राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन -पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता हैकि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोईहो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता हैकि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोईआपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो आवेदन -पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 9.3.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.5.2023
मोहर अदालत
रतनलाल योगी (आ.ए.एस)
सहायक आयुक्त देवस्थान
विभाग जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैकि मकान नम्बर 253 व 254 पुरोहित जी का कटला, जौहरी बाजार, जयपुर हमारे अभिभाष्य कमल जैन पंसारी पुत्र स्व. श्री नवरतनमल जी के सहस्वामित्व की संपत्ति है। उक्त संपत्ति मकान नम्बर 254 के बाहरी चौक के पश्चिमी कोने में स्थित कमरा अलमशहूर कब्बू थोबन का कमरा व अलमशहूर दुकान अमर परनामी तथा स्व. श्री सोहन लाल जी द्वारा दिनांक 28.4.1912 के व दिनांक 18.8.1903 के विक्रय पत्रों से क्रयशुदा संपत्ति को संपत्ति के अन्य सहस्वामी विक्रय करने का प्रसास कर रहे हैं जिसमें हमारे अभिभाष्य की सहमति नहीं है। कोई भी व्यक्ति उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में यदि कोई संव्यवहार करेगा तो हमारे उक्त अभिभाष्य के हितों के विरूद्ध प्रभावहीन व शून्य होगा।
(मुकेश दत्त माथुर), एडवोकेट, 9414059424

जे.के.लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ.आर.के.गुप्ता का निधन

जयपुर। राजधानी के जेके लोन हॉस्पिटल के अधीक्षक और जाने-माने शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. गुप्ता का शनिवार अल सुबह एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे ब्रेन स्ट्रोक आने के बाद पिछले डेढ़ महीने से एसएमएस अस्पताल के न्यूरो सर्जरी आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टर गुप्ता के निधन पर हेल्थ सेक्टर से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि डॉ. आर के गुप्ता को 2 फरवरी की रात को ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके बाद से ही उनका इलाज एसएमएस अस्पताल के न्यूरोक सर्जरी आईसीयू में चल रहा था। न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने उनके दो ऑपरेशन भी किए थे। इसके बाद वे कोमा में चले गए थे। लंबे समय तक इलाज के बाद भी डॉ. गुप्ता को होश नहीं आया था। पिछले कुछ दिनों पहले ही उनको न्यूरोसर्जरी आईसीयू से जनरल मेडिकल आईसीयू में शिफ्ट किया था। लंबे इलाज और डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बाद भी उन्हें होश नहीं आया। डॉक्टरों के मुताबिक शनिवार सुबह साढ़े चार बजे उनका निधन हो गया।

गौरतलब है कि डॉ. गुप्ता को राज्य सरकार ने पिछले साल 30 सितम्बर को जयपुर के जेके लॉन हॉस्पिटल का अधीक्षक बनाया था। डॉ. गुप्ता सीनियर शिशु रोग विशेषज्ञ होने के साथ ही बच्चों की पेट संबंधि बीमारियों का भी ट्रीटमेंट करते थे। इसके अलावा वे एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट में सीनियर प्रोफेसर भी थे।

होली स्नेह मिलन समारोह

जयपुर। कांग्रेस नेता विक्रम सिंह शेखावत की ओर से विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनो का होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील,युवा बोर्ड के उपाध्यक्ष सुशील पारीक, विप्र बोर्ड के उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, पीसीसी के पूर्व महासचिव गिरिराज गर्ग, पार्षद प्रदीप तिवारी,किशन अजमेरा ,सुमित मिश्रा, पूर्व पार्षद ज्ञानचंद सैनी, बजरंग कुमावत, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सिंह राठौड़, कैलाश चंद शर्मा, पीसीसी के पूर्व सदस्य मोहम्मद शरीफ सहित क्षेत्र के प्रमुख कांग्रेसजन और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ब्राह्मण महापंचायत आज विद्याधर नगर स्टेडियम में

ब्राह्मण महासभा की महापंचायत के लिए विप्र सेना प्रमुख ने पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

जयपुर, (का.सं.)। विप्रसेना के बैनर तले जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में 19 मार्च को प्रातः 11 बजे से होने वाली ब्राह्मण समाज की महापंचायत की व्यवस्थाओं को लेकर आज शनिवार को विप्र सेना के पदाधिकारी और आयोजन की व्यवस्था देख रहे कार्यकर्ताओं मीटिंग हुई। विद्याधर नगर स्टेडियम में हुई मीटिंग के दौरान पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवाड़ी ने बताया कि ब्राह्मण महापंचायत में देश के लगभग आधा दर्जन राज्यों के साथ ही प्रदेश के कोने-कोने से साढ़े चार लाख से अधिक समाज के बंधु पहुंचेंगे। महापंचायत के दौरान समाज के बंधुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भोजन, पानी, चिकित्सा और सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाऐं की गई है, इन्ही व्यवस्थाओं का आज जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि महापंचायत की शुरूआत देवी-देवता पूजन एवं यज्ञ से होगी, इसके बाद राष्ट्रीय गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, दीप प्रज्जवलन, वेद विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वाचन, संत महात्माओं का सम्मान, 51 विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार, ड्रान से पुष्प वर्षा, विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ की 51 महिलाओं द्वारा संत महात्माओं की आरती, स्मारक डाक टिकिट का विमोचन होगा। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं सांसद सी.पी. जोशी का उद्बोधन होगा साथ ही साधु संतो के आशीर्वाद वचन भी प्राप्त होंगे। कार्यक्रम का समापन 3.15 मिनट पर राष्ट्र गान के साथ होगा।

सुनील तिवाड़ी ने बताया कि महापंचायत में 1000 से अधिक कार्यकर्ता व्यवस्था सम्भालेंगे। आयोजन स्थल पर 6 ब्लॉक बनाए गए हैं, प्रत्येक ब्लॉक में 100 कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। जयपुर में राजमार्ग प्रवेश के छह स्थान जहाँ से विप्र बंधुओं का आगमन होगा, वहाँ भी चेकपोस्ट बनाकर व्यवस्थाएं की गई है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय- केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 फैक्स-+91 44 4564 4022
प्राधिकृत अधिकारी- सरदीप राठौड़, संपर्क नम्बर-9887772255 ई-मेल- sardeep.rathore@idfcbank.com

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना/एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से ऋणग्रहिता (ओं) व जमानती (यों) को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित अचल सम्पत्तियाँ सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधन/प्रभारित रखी गयी है तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा आईडीएफसी बैंक लि. अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 13.04.2023 को "ज़हां है जैसी है" "ज़ो कुछ है या है" ज़ो कुछ है वहां है" के आधार पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को 19.04.2021 को खाता संख्या 26691523 में बकाया रूपये 5,17,085.39/- की अब्दुल सईद, शबाना बानो, ऋणग्रहित (ओं) और सह-ऋण ग्रहिता (ओं) से वसूली के लिये की जायेगी

ऑक्शन स्टेट्स

आरक्षित मूल्य	रूपये 450,000/-
बयाना राशि जो जमा होगी	रूपये- 45000/-
बोली प्रस्तुत करने / बयाना राशि जमा कराने की तिथि	12.04.2023 को सायं 5.00 तक
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	06.04.2023 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक
नीलामी की तिथि	13.04.2023 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक
सम्पत्ति का विवरण	फ्लैट नं. 203, दूसरी मंजिल, ब्लाक-ए, ऑरिक सिटी होम्स, जयसिंहपुरा, जयपुर का पुरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 252.81 वर्ग और सुपर बिल्टअप एरिया 365.94 वर्ग फिट, सीमायें हैः उत्तर : अन्य भूमि, दक्षिण : अन्य भूमि, पूर्व : रोड 9 मीटर, पश्चिम : अन्य भूमि

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया आईडीएफसी फस्ट बैंक वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक को देखें अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC.
अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

स्थान - जयपुर
दिनांक - 18-03-2023
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)

निवारू रोड पर निर्माणाधीन तीन दुकानों की छत ढही, मलबे में दबने से 5 मजदूर घायल

हादसे की सूचना के बाद भी एम्बुलेंस नहीं पहुंची तो घायलों को मजबूरन ई-रिक्शा से अस्पताल भिजवाया

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में निवारू रोड पर शनिवार दोपहर निर्माणाधीन दुकानों की छत ढह गई। इस हादसे में मलबे में दबने से 5 मजदूर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस व सिविल डिफेंस की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। जब एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची तो ई-रिक्शा से कांवटिया अस्पताल पहुंचाया। वहीं, कांवटिया अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद एक मजदूर को छुट्टी मिल गई, जबकि 4 मजदूरों को सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से भी एक अन्य मजदूर को छुट्टी मिल गई है, जबकि तीन मजदूरों का इलाज चल रहा है। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर है।

दरअसल झोटवाड़ा पुलिया के नीचे बनी दुकानों को निवारू रोड स्थित प्रताप डेयरी के पास शिफ्ट किया गया है। यहां झोटवाड़ा निवासी मनोज सिंह चौहान की तीन दुकानें हैं। इन दुकानों के ऊपर दूसरी मंजिल की छत भराई का काम चल रहा है। शनिवार दोपहर दूसरी मंजिल की छत डाली जा रही थी, तभी अचानक छत ढह गई। धड़ाम से आई आवाज के बाद 5 मजदूर हादसे की चपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेन्स टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ बचाव कार्य शुरू किया।

करीब आधा घंटे में सभी मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल ई-रिक्शा की मदद से कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस प्रथमदृष्टया हादसा घटिया निर्माण साम्रगी उपयोग में लेना मान रही है। थानाधिकारी घनश्याम सिंह ने बताया कि हादसे में इंद्राज बैरवा (32) निवासी बनकाखेड़ा टोडारायसिंह जिला टोंक, जगमोहन उर्फ़ जॉनी (29) निवासी कालवाड़ रोड जयपुर, प्रदीप यादव (26) निवासी मरता जिला जमुई बिहार, दिनेश बैरवा (28) निवासी पाडली जिला सवाई माधोपुर और ओमप्रकाश घायल हो गए। इनमें से मजदूर ओमप्रकाश को कांवटिया अस्पताल और इंद्राज बैरवा को सवाई मान सिंह अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। वहीं, मजदूर प्रदीप, जगमोहन और दिनेश बैरवा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें दिनेश बैरवा की हालत गंभीर बताई जा रही है।

उधर इस हादसे ने राजधानी जयपुर की चिकित्सा व्यवस्था की पोल भी खोलकर रख दी। हादसे के आधे-एक घंटे बाद तक मौके पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। ऐसी स्थिति में घायलों को मजबूरन ई-रिक्शा में डालकर अस्पताल भेजना पड़ा। हालांकि बताया जा रहा है कि बाद में एंबुलेंस ने एक किलोमीटर दूर घायलों को एंबुलेंस में बैठाया। शहर के झोटवाडा इलाके में हुई इस घटना से लोगों में काफी गुस्सा नजर आया।

निवारू रोड पर निर्माणाधीन दुकानों की छत गिरने से घायल हुए मजदूरों को लेने जब एम्बुलेंस नहीं पहुंची तो स्थानीय लोगों ने उन्हें ई-रिक्शा से अस्पताल भेजा।

- शनिवार को निवारू रोड पर प्रताप डेयरी के पास निर्माणाधीन तीन दुकानों की दूसरी मंजिल की छत भरते समय हुआ हादसा
- हादसे में घायल दो मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिली, जबकि 3 मजूदर अभी एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती हैं

मंत्रालयिक कर्मचारियों का अनशन तीसरे दिन भी जारी

मंत्रालयिक कर्मचारियों ने वरिष्ठ कर्मचारी नेता देवेन्द्र सिंह नरूका के नेतृत्व में शनिवार को लगातार तीसरे दिन एम.आई.रोड स्थित शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन जारी रखा।

- शिक्षा विभाग में नए मंत्रालयिक पद सृजन की मांग

जयपुर । मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों की उपेक्षा किए जाने से आक्रोशित कार्मिकों ने एम.आई.रोड स्थित शहीद स्मारक पर शनिवार को तीसरे दिन भी अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन जारी रहा। वरिष्ठ कर्मचारी नेता देवेन्द्र सिंह नरूका के नेतृत्व में कौशल कुमार, जगदीश चंद्र मीणा, कृष्णेंदु चैटर्जी, बृजेश कटारिया क्रमिक अनशन पर बैठे।

"मंत्रालयिक एकता मंच" ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि शिक्षा विभाग में मांगे गए नवीन पद स्वीकृत दी जाये।

मंत्रालयिक एकता मंच के प्रदेश प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि शिक्षा विभाग में सभी ग्रामीण उच्च माध्यमिक विद्यालयों को पीईईओ विद्यालय एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों को सीआरसी विद्यालयों के रूप में परिवर्तित किया जा कर उसके परिक्षेत्र की समस्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समस्त संस्थापन लेखा अधिकारी एवं सीआरसी विद्यालय में कर दिया है तथा इन विद्यालयों में मंत्रालयिक संवर्ग के नवीन पद सृजित नहीं किए गए हैं शिक्षा निदेशक द्वारा इसके लिए नवीन पद सृजन का प्रस्ताव भिजवाया गया था परंतु वित्त विभाग द्वारा इसे नकार दिया गया है ।

नरूका ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा द्वितीय पदोन्नित के पद सहायक प्रशासनिक अधिकारी की ग्रेड पे 4200 करने, एक नया पदोन्नित का पद उप निदेशक प्रशासन ग्रेड पे 8700 में सृजित करने, कनिष्ठ एवं वरिष्ठ सहायकों के काटे गए पदों को बहाल करने, कनिष्ठ सहायक का आरंभिक वेतन 25500 करने, पंचायती राज संस्थाओं के कार्मिकों को भी राज्य कर्मचारी मारते हुए अन्य विभागों के समान पदोन्नित के पद सृजित करने तथा गृह जिला समायोजन, कनिष्ठ सहायक की शैक्षिक योग्यता स्नातक करने, पदोन्नित हेतु अनुभव में पूर्ण शिथिलता देने, चिकित्सालय एवं विद्यालयों में मंत्रालय कर्मचारियों को 5 दिन का सप्ताह करने, कंप्यूटर टंकण परीक्षा विभाग स्तर पर आयोजित करवाने की मांगों को मनवाने के लिए लंबे समय से संघर्षरत है। लेकिन सरकार द्वारा इनकी निरंतर अनेक धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन एवं रैलियों के आयोजन के पश्चात भी सरकार द्वारा उपेक्षा की जा रही है। शनिवार को अनशनकर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई, शेर सिंह यादव, छोटे लाल मीणा, बलराम गुर्जर, दिनेश सिंह भाटी, ओम प्रकाश चौधरी, महेंद्र शर्मा, अशोक भंडारी, नागेंद्र सिंह नाथावत, विनय पारीक आदि ने संबोधित किया । जब तक सरकार मांगे नहीं मान लेती, क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

संक्षिप्त

भीलवाड़ा में करोना संक्रमित की मौत

जयपुर । प्रदेश में लगातार करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हो रही है। शनिवार को भी राज्य में 24 नए संक्रमित सामने आए हैं। वहीं इस बीच एक मरीज की मौत भी हुई है। प्रदेश में एक्टिव केस भी बढ़कर सौ पर पहुंच गए हैं। प्रदेश में शनिवार को नौ जिलों में 24 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 23 रोगी पाए गए थे। इधर आज सर्वाधिक 7 नए संक्रमित भीलवाड़ा में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर में 5, जोधपुर में 3, अलवर, बीकानर व जयपुर में 2-2 तथा अजमेर, हनुमानगढ़ और कोटा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। उधर, प्रदेश में शनिवार को 15 संक्रमित रिकवर हुए हैं। हालांकि राज्य में अभी भी 100 एक्टिव केस मौजूद है। इनमें इनमें उदयपुर में 28, जयपुर में 19, भीलवाड़ा में 17, राजसमंद में 10, बीकानेर में 8, राजसमंद में 7, जोधपुर में 6, जालोर में 5, अजमेर 4, अलवर में 2, चूरू, हनुमानगढ़, कोटा और गंगानगर में 1-1 मामला है। प्रदेश में शनिवार को करोना से भीलवाड़ा में एक संक्रमित की मौत हो गई है। साथ ही अब तक इस बीमारी से 9557 लोगों की मौत हो चुकी है।

नेत्रदानी परिवारों का सम्मान आज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान आई बैंक सोसाइटी द्वारा रविवार को नारायण सर्किल, टोंक रोड स्थित भट्टारकजी की नसियां में आयोजित एक समारोह मे नेत्रदानी परिवारों को अंधता निवारण में योगदान के लिए उनका अभिनन्दन किया जाएगा। समारोह में मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ सुधीर भंडारी, तथा एसएमएस हॉस्पिटल के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित एवं संबोधित करेंगे। समारोह में नेत्र दानी परिवार के सदस्य एवं लाभार्थी जन अपने अनुभव भी साझा करेंगे। राजस्थान आई बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2012 में प्रारंभ राजस्थान आई बैंक सोसाइटी सेवानिवृत्त समाजसेवी लोगों द्वारा स्थापित, संचालित एवं वित्त पोषित एकमात्र बैंक है जिसने स्थापना से लेकर अब तक 242 महीनों में मृतकों की आंखों से 19 हजार 120 कोर्निया दान में प्राप्त करके अंधकार में जीवन जी रहे 12 हजार 307 लोगों के जीवन में रोशनी लाने के लिए कॉर्निया प्रत्यारोपित करवाए हैं।

गबन मामले में नौकर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर पुलिस ने 22 लाख रूपए के गबन के मामले में आरोपित नौकर को गिरफ्तार किया है। जांच-अधिकारी एसआई मुकेश कुमार ने बताया गिरफ्तार आरोपित ब्रह्मानंद तंवर (30) गांव सोरई थाना लक्ष्मणगढ़, अलवर का रहने वाला है। आरोपित ब्रह्मानंद परिवादी सुखविंद्र की जगतपुरा स्थित हेल्थ प्रोडक्ट की दुकान पर सेल्समेन था, जिसने मालिक की गैरमौजूदगी में करीब 22 लाख रूपए का सामान बेच दिया और रूपए अपने पेटीएम, फोनपे इत्यादि पर प्राप्त कर लिए। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपित फरार हो गया था, जिसे मुखबिर की सूचना पर महात्मा गांधी अस्पताल में पिता का इलाज कराने आने पर गिरफ्तार कर लिया गया।

झोटवाड़ा में युवती की संदिग्ध मौत

जयपुर । झोटवाड़ा में एक युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार इलाके निवासी एक युवती ने रिपोर्ट दी है कि आकाश मीणा उसकी 22 वर्षीया बहन के साथ बचपन से पढ़ता था। साल 2015 से वह शादी का झांसा देकर बहन से देहशोषण कर रहा था। घटनाक्रम के मुताबिक 10 मार्च को आकाश ने कॉल किया कि आपकी बहन की तबियत ख़राब है, उसे घर छोड़कर जा रहा हूं। इस पर महिला मौके पर पहुंची तो उसकी बहन के मुंह से झाग आ रहे थे। बहन को निजी अस्पताल में लेकर गए, जहां से उसे सवाई मान सिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां चिकित्सकों ने महिला की बहन को मृत घोषित कर दिया। आरोप है आकाश ने मृतका की अमेजॉन आईडी से कीटनाशक मंगवा खुद की दुकान पर रिसीव किया, जिसे पिलाकर युवती की हत्या की गई।

पंजाब नेशनल बैंक ने सरकारी कॉलेज में अध्ययन सामग्री बांटी

जयपुर, (का.सं.)। पंजाब नेशनल बैंक जयपुर अंचल कार्यालय द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय जयपुर विद्याधर नगर में सीएसआर के तहत अध्ययन सामग्री एवं महाविद्यालय परिसर हेतु सहायक सामग्री का वितरण किया गया। पीएनबी प्रेरणा की अध्यक्ष अंजू बाजपेई एवं सदस्य कुसुम लता मीणा तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अलका त्रिपाठी द्वारा फीता काटकर सामग्री प्रदान की गई। इस दौरान छात्राओं ने नृत्य एवं गायन प्रस्तुतियां भी दी। पीएनबी द्वारा सभी छात्राओं को मिठाई एवं उपहार वितरित किए गए। इस दौरान विद्यालय परिसर में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया, जिसमें 2 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा उप प्रबंधक ममता मीणा ने छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने एवं सुनहरे भविष्य का निर्माण करने हेतु बधाई दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य डॉक्टर नीतू, डॉक्टर अनुपमा , डॉक्टर कैलाश, डॉक्टर सौरभ, डॉ. मनोज एवं अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

पंजाब नेशनल बैंक जयपुर अंचल ने राजकीय कन्या महाविद्यालय जयपुर विद्याधर नगर में अध्ययन सामग्री भेंट की।

गुलाबचंद कटारिया का सम्मान 20 को

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं असम के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया का 20 मार्च को सम्मान किया जायेगा। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ विधायक का सम्मान अमीन खां और अनिता भदेल को दिया जायेगा।

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़े सहित मंत्रीमंडल के सदस्य व विधायक मौजूद रहेंगे। पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल नियुक्त किया था। कटारिया इस सदन के आठ बार विधायक रहे है। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में प्रभावी एवं सार्थक लोकतंत्र को बढ़ावा देने में विधानमण्डल की भूमिका विषय पर सेमीनार होगी।

गठिया रोग पर जयपुर में कॉफ्रेंस शुरू

जयपुर । ऑटोइम्यून बीमारी रूमेटॉयड आर्थराइटिस को नियंत्रित करने के लिए अब बायोलॉजिकल दवाओं का इस्तेमाल बढ़ गया है। चिकित्सा विज्ञान ने मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज बना ली हैं जो इस बीमारी को नियंत्रित करने में कारगर हैं। वर्ल्ड रूमेटोलॉज फोरम और इंडियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन की ओर से जयपुर में रूमेटोलॉजी पर शुरू हुई दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस वर्ल्ड रूमेटोलॉजी फोरम समिट-2023 में विशेषज्ञों ने कुछ ऐसी ही जानकारी दी।

एसजीपीजीआई लखनऊ के डॉ. विकास अग्रवाल ने बताया कि नई दवाओं से अब रूमेटॉयड आर्थराइटिस को विकसित करने वाले प्रोटीन की सक्रियता को कम किया जा सकता है। मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज सीधे इन प्रोटीन को ब्लॉक कर देती हैं बीमारी नियंत्रित हो जाती है।

आयोजन सचिव डॉ. राहुल जैन ने बताया कि पहले दिन ट्रेनीज ने केस प्रजेंट किए। स्कॉटलैंड की डॉ. एरियर हैरिक ने स्क्लेरो डर्मा के प्रकारों के बारे में जानकारी दी। वहीं डॉ. रमेश ने रूमेटॉयड आर्थराइटिस के इलाज में आई नई दवाओं के बारे में बताया। कॉन्फ्रेंस में 200 पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए हैं जिनमें से सबसे अच्छे पोस्टर को पुरस्कृत किया जाएगा।

कॉन्फ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. विनोद रवींद्रन ने बताया कि वर्ल्ड रूमेटोलॉजी फोरम समिट-2023 की थीम रूमेटॉयड आर्थराइटिस एंड सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस : द ट्रिकी टू रखा गया है जिसमें इन दोनों बीमारियों के इलाज में कुछ नए टिप्स साझा किए जा रहे हैं। इस दौरान डॉ. वेद चतुर्वेदी, डॉ. प्रशांत अकेरकर, डॉ. बीजी धर्मानंद, डॉ. अमन शर्मा ने विभिन्न सत्रों में अलग-अलग जानकारी दी। यूनाइटेड किंगडम से आए डॉ. क्रिस्टोफर एडवर्ड्स ने रूमेटॉयड आर्थराइटिस से जूझ रहे मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर करने वाली जैक इन्हिबिटर ड्रग्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैक इन्हिबिटर नई तरह की दवाएं हैं जिससे रूमेटॉयड आर्थराइटिस के कारण मरीज के जोड़ों में होने वाले दर्द और सूजन को बहुत कम कर देते हैं। वहीं जिस तरह स्ट्रोक या हार्ट अटैक के बाद रिहैबिलिटेशन किया जाता है। उसी तरह रूमेटॉयड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण पता लगते ही प्री-हेबिलिटेशन किया जा रहा है। इसमें मरीज की फिटनेस, एक्सरसाइज, वजन कम करना, स्मोकिंग छोड़ने जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाता है और बीमारी को आगे बढ़ने से रोक दिया जाता है।

'सफलता पाने के लिए इनर हैल्थ पर ध्यान देना जरूरी'

जयपुर । बी.के. (ब्रह्मकुमारी) सिस्टर शिवानी ने कहा कि सुकून और शांति के साथ कामयाबी पाने के लिए इनर हेल्थ पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। स्वयं को एंपावर करके ही हम समाज को एंपावर कर सकते हैं।

सिस्टर शिवानी माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में आवासन मंडल और फिक्की फ्लो के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित "मेनिफेस्टिंग एक्सीलेंस मोटिवेशनल" कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में संकल्प से ही सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। सकारात्मक और बेहतर सोच ही हमें कामयाबी और शांति की राह दिखा सकती है। संकल्प से सिद्धि में वह ताकत है, जिससे जो चाहते हैं वह सिद्ध हो सकता है।

सिस्टर ने कहा कि सफलता के लिए पावर ऑफ माइंड का सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। संस्कार और सभ्यता ही बेहतर संस्कार का निर्माण कर सकती है। हम अपनी संस्कृति को बचाकर भी को बचाकर भी राष्ट्र सेवा कर सकते हैं। सिस्टर शिवानी ने मौजूदा मोबाइल के सही इस्तेमाल को सबसे बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि सोने से 1 घंटे पहले मोबाइल का त्याग और रात्रि को 10 बजे सोकर सुबह 5 बजे ब्रह्म मुहूर्त या अमृतवेला में उठकर हम इनर हेल्थ पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। उन्होंने मानसिक शांति के लिए आंतरिक शांति को पाने पर भी जोर दिया। प्रमुख शासन सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि हमने भौतिक सुविधाएं तो बहुत जुटा ली लेकिन आत्मिक गुणों में बढ़ोतरी नहीं कर पाए। इसके चलते जीवन में अशांति और तनाव में बढ़ोतरी हो रही है। हमें एक बार फिर आत्मिक गुण, संस्कार और समता की ओर लौटना होगा। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि एक दौर था जब हाऊसिंग बोर्ड को बंद करने की चर्चाएं होने लगी थी लेकिन कार्मिकों की ऊर्जा और सकारात्मक सोच के चलते आज मंडल ने 8500 करोड़ रुपए का टर्नओवर को हासिल कर लिया है। उन्होंने इस अवसर पर मंडल कार्मिकों की दिल खोलकर प्रशंसा भी की।

'राइट-टू-हैल्थ' बिल के विरोध में निजी डॉक्टर्स ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

- प्रदेश में शनिवार रात से निजी अस्पतालों में सम्पूर्ण मेडिकल बंद शुरू हुआ, चिरंजीवी और आर.जी.एच.एस. योजना का बहिष्कार किया
- रविवार व सोमवार को पूरे प्रदेश से निजी चिकित्सक जयपुर स्थित जे.एम.ए. सभागार में एकत्रित होंगे।

जयपुर । राज्य सरकार दो दिन बाद विधानसभा में राइट टू हैल्थ बिल को पेश करने जा रही है। वहीं इसका विरोध कर रहे विभिन्न निजी चिकित्सक व अस्पताल संगठनों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भर में निजी अस्पतालों की ओर से शनिवार रात आठ बजे से सम्पूर्ण मेडिकल बंद कर दिया गया है। साथ ही चिरंजीवी और आरजीएचएस योजना का भी बहिष्कार कर दिया है।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी राजस्थान के मीडिया चेयरमैन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि 23 फरवरी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ज्वाइंट एक्शन कमेटी की वार्ता हुई। इसके बावजूद भी उसकी पालना राज्य के आला अधिकारियों द्वारा नहीं की गई। इससे राज्य के समस्त निजी चिकित्सक उद्वेलित है। जॉइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. सुनील चुग ने बताया की राज्य के समस्त निजी चिकत्सक आंदोलन करने के लिए मजबूर है। सभी निजी अस्पतालों में शनिवार से चिरंजीवी और का आरजीएचएस योजना का बायकॉट शुरू करने के साथ साथ रात 8 बजे से राज्य के सभी निजी अस्पताल पूरी तरह से बंद रहेंगे। इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं बंद रहेंगी।

वहीं इस बिल का विरोध कर रहे निजी डॉक्टरों के दूसरे दड़े ने भी उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया कि सरकार राईट टू हैल्थ बिल को मंगलवार को सदन के पटल पर रख कर पारित कराने पर आमादा है। बिल के विरोध मे प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी व यूनाइटेड प्राईवेट क्लिनिक्स एंड हॉस्पिटल्स ऑफ राजस्थान द्वारा गठित ऑल राजस्थान प्राईवेट डॉक्टर्स संघर्ष समिति ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन का पूरे प्रदेश के समस्त संगठनों ने समर्थन किया है। पिछले दो दिन से संपूर्ण प्रदेश में चिरंजीवी व आरजीएचएस सहित सभी सरकारी योजनाओं का बहिष्कार किया जा रहा है। डॉ. कपूर ने बताया कि जयपुर सहित संपूर्ण राजस्थान में रविवार सुबह 8 बजे से अनिश्चितकालीन संपूर्ण मेडिकल बंद का आव्हान किया गया है। वहीं कुछ ज़िलों में यह बंद शनिवार से ही आरंभ हो गया है। रविवार व सोमवार को पूरे राजस्थान से चिकित्सक जयपुर स्थित जे एम ए सभागार में एकत्रित होंगे।

कर्नल अमिताभ शर्मा ने साझा किए सैन्य अनुभव

डिफेंस जर्नलिज्म पर व्याख्यान आयोजित

जयपुर । जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (जे.एन.यू.) के स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज विभाग में डिफेंस जर्नलिज्म पर आयोजित एक विशेष व्याख्यान में राजस्थान के डिफेंस पीआरओ कर्नल अमिताभ शर्मा ने सूचनाओं की सुरक्षा पर अपने अनुभव साझा किए और करियर संबंधी सवालों के जवाब दिए। खास बात यह रही कि इस व्याख्यान में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के सीडलिंग स्कूल ऑफ लॉ और होटल मैनेजमेंट सहित कई अन्य कोर्स के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस विशेष सत्र के बाद जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने अपने संदेश में कहा कि जैसे सेना देश की सुरक्षा को प्रतिबद्ध है वैसे ही मीडिया के विद्यार्थियों को भी सैन्य संबंधी सूचनाओं पर सजग रहते हुए सूचनाओं की रक्षा को समझना चाहिए।

डिफेंस जर्नलिज्म और डिफेंस आधारित फोटो जर्नलिज्म की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए डिफेंस पीआरओ ने कहा कि युद्ध सेनाएं लड़ती हैं लेकिन सूचनाओं के जरिए जनता का आत्मविश्वास कायम रखने की जिम्मेदारी मीडिया की होती है। कई मामलों में सैन्य ऑपरेशन और सूचनाओं को लाइव या बगैर सोचे समझे तुरंत जारी करना खतरनाक हो सकता है। कर्नल अमिताभ ने बताया कि मीडिया के विद्यार्थियों को राष्ट्रीयता, देशभक्ति, सैन्य साहस, शौर्य, पराक्रम और बलिदान को फोटो पत्रकारिता के माध्यम से दर्शाने के सही तरीके के बारे में बताया और सवाल-जवाब के सत्र में स्कूल ऑफ लॉ के विद्यार्थियों को कानूनी परिप्रेक्ष्य व प्रतिबंधों के बारे में समझाया।

डिफेंस पी.आर.ओ. अमिताभ शर्मा

सार-समाचार

श्री प्रेमभाया का नगर संकीर्तन निकला

जयपुर (कासं)। ढूंढाड़ की विरासत के रूप में चांदपोल बाजार के जय लाल मुंशी का रास्ता स्थित युगल कुटीर में आयोजित 83 वें श्री प्रेमभाया महोत्सव में शनिवार को निकले नगर संकीर्तन के दौरान परकोटा प्रेमभाया के रंग में रंग गया। रात भर ढूंढाड़ी भजनों पर नाचते-गाते भक्तों के समूह पर लोगों ने जमकर पुष्प वर्षा की। श्री प्रेमभाया मंडल समिति की ओर से आयोजित चार दिवसीय भक्तिसंगीत समारोह में दिन में गोपीनाथ महिला मंडल और श्री प्रेमभाया महिला मंडल की गायिकाओं सहित अन्य मंडलों ने हाजिरी लगाई। पुष्प वर्षा और नृत्य की जुगलंदी के बीच शाम तक मातृ शक्ति ने भजनों की स्वर लहरियां बिखेरी। शाम को महाआरती और जयकारों के साथ युगल कुटीर से नगर संकीर्तन प्रारंभ हुआ। अत्यंत मनोहारी छवि की छटा बिखेरते श्री प्रेमभाया सरकार और युगल सरकार फूलों से सजे रथ में विराजमान थे। नगर संकीर्तन मार्ग में भक्तों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। श्री प्रेमभाया सरकार की जगह-जगह आरती उतारी। समिति के अध्यक्ष विजय किशोर शर्मा ने बताया कि नगर संकीर्तन जाट के कुए का रास्ता, गोपीनाथ जी का मंदिर, नाहरगढ़ रोड, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, गोपाल जी का रास्ता, अजायबघर का रास्ता, खूटेंटों का रास्ता, खजाने वालों का रास्ता होते हुए युगल कुटीर पहुंचा। इसी के साथ 83 वां श्री प्रेमभाया महोत्सव सम्पन्न हुआ।

'जिले-संभागों का गठन सराहनीय'

जयपुर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य और जयपुर नगर निगम में कांग्रेस पार्षद दल के मुख्य सचेतक रहे गिरिराज खंडेलवाल ने राज्य में नए ज़िले व संभागो के गठन को मुख्यमंत्री का एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में 19 नये जिले और तीन नये संभाग का गठन कर युगांतरकारी निर्णय लिया है। इस पुर्नगठन के बाद प्रदेश में सुशासन, आधारभूत संरचना और विकास की क्रांति का नया युग शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने ब्यावर को जिला बनाने की बहुत पुरानी मांग पूरी की है तो शाहपुरा जैसे प्राचीन कस्बे को जिला बनाने का साहस दिखाया है। फलौदी, केकड़ी, दूदू, बालोतरा, नीमकाथाना, बहरोड़ -कोटपूतली, डीडवाना -कुचामन, सांचौर को भी जिला बनाया गया है। ये फैसले दिखाते हैं कि अशोक गहलोत का चिंतन प्रदेश के लिए कितना अभिनव है।

प्रोफेसर डॉ. राजीव सक्सेना सम्मानित

प्रो. राजीव सक्सेना (बायें)

जयपुर (कासं)। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल महाविद्यालय में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजीव सक्सेना को "स्वास्थ्य कल्याण गौरव पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। ये सम्मान उन्हें विगत लगातार, अनवरत 21 वर्षों से भी ज्यादा स्वास्थ कल्याण समूह में उत्कृष्ट सेवाओं व श्रेष्ठ कार्यों के लिए दिया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें, समूह के चेयरमैन डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल व मुख्य अतिथि, भूतपूर्व डी.जी.पी. कपिल गर्ग ने पगड़ी-शॉल पहनाकर सम्मान पत्र से नवाजा।

बाड़े में बंधी चार भैंस चोरी

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर इलाके में चोर एक बाड़े में सेंधमारी कर 4 भैंस चुरा ले गए। पुलिस ने बताया जाटों की ढाणी, बुद्धिसंहपुरा निवासी रामसहाय चौधरी ने रिपोर्ट दी है कि 16 मार्च की अलसुबह 5 बजे अज्ञात चोर घर में बने बाड़े में सेंधमारी कर 4 भैंस चुरा ले गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

International Client's Day

No matter what goods or services you sell, the truth is that your business would be nothing without its clients. No matter whether we're talking about those who visit the shopping mall every few weeks or those who prefer to make their purchases over the internet, the truth is that no business would make it without them. International Client's Day was created for the purpose of letting all of your clients know just how glad you are that they've chosen your company. So what are you waiting for? It's time to celebrate them!

#INSIGHT

How Did Chutneys Came to the World?

The Mughal kitchens were known for their elaborate feasts, which included a wide range of chutneys.

Chutney is a savoury condiment that is commonly used in Indian cuisine. It is often made by blending together various ingredients such as herbs, spices, fruits, and vegetables to create a delicious and flavourful accompaniment to a meal.

The word 'chutney' is derived from the Hindi word 'chatni', which means to crush or grind. Chutneys were traditionally made by grinding together fruits & veggies with spices & salt using a mortar and pestle, but today they are often made using a blender or food processor. This method was used in the ancient India to preserve the fruits & veggies.

From Dosa to Cheela, Samosa and DahiBhalla, we enjoy chutney with literally all kinds of food. This condiment is also used as a dip or spread for making a variety of sandwiches. In this article, we will share with you a brief history of how this condiment came to India and some common chutney recipes. Take a look.

History of Chutneys

The origin of 'chutney or chatni' can be traced back to ancient India, where it was an important part of the diet. This condiment was introduced to India during the Mughal era when the Mughal emperors brought with them a variety of culinary influences from their homeland in Central Asia. The Mughal kitchens were known for their elaborate feasts, which included a wide range of chutneys made with exotic ingredients such as saffron, rose petals, and dried fruits.

Chutneys in the Past

When this method was adopted, the people of India started making chutneys with veggies and fruits by grinding them with spices & salt to preserve them spoiling. This was especially important during the monsoon season when fresh produce was scarce. Also, they were used to add flavour to bland foods as rice & lentils were the staple foods and the chutneys enhanced their taste. They were also used for flavouring meats and vegetables.

Common Chutneys in Indian Cuisine

Mint Chutney

This chutney is made by blending together fresh mint leaves, coriander leaves, green chillies, ginger, garlic, lemon juice, and salt. One can enjoy this chutney with literally any dish in the world. However, people love to have with tandoori & fried dishes.

Tomato Chutney

Another popular chutney that's very popular in southern India is prepared by sauteing tomatoes, onions, and garlic with spices such as cumin, coriander, and chilli powder. People love to consume this chutney with South Indian foods like Dosa, Uttapam, Idli, etc, though you can enjoy it with dal rice as well.

Tamarind Chutney

Remember the tangy yet sweet chutney that you love consuming with DahiBhalle, Tikki, Samosa and other chaats? It's called tamarind chutney, which is made by simmering tamarind pulp with jaggery (unrefined cane sugar), dates, and spices such as cumin and coriander. It's a great chutney that's used for not only flavouring dishes but for digestive purposes as well.

Onion Chutney

This chutney is made by sauteing onions with spices such as cumin, mustard seeds, and red chilli powder. It is often served as a side dish with Dosas and Uttapams.

Coconut Chutney

Be it any part of the country, this chutney is pure love, which one can consume on its own. Often, it is made by blending together fresh coconut, green chilies, ginger, and coriander leaves with a little bit of water. It is often served with Dosas and Idlis. People also add some peanuts while grinding this chutney as it brings that unique taste.

Oddly enough the same collection also contains a superb drawing of a full-grown rhinoceros prepared by an Indian artist Gangaram Chintaman Tambat, who made many excellent drawings, paintings and clay models of people, birds, animals and landscapes for British patrons. This rhinoceros was in the menagerie of Peshwa Madhav Rao II at Pune, and the drawing contains the ruler's signature dated in November 1790. The drawing is of excellent quality, coming from an experienced painter and drawn from life.

Rhino Painted & Made a Craft of...

Europeans hunting rhinoceros, terraotta panel on the Gangeshvara Shiva Temple at Baranagar, Murshidabad.
Photograph: Asok Kumar Da.

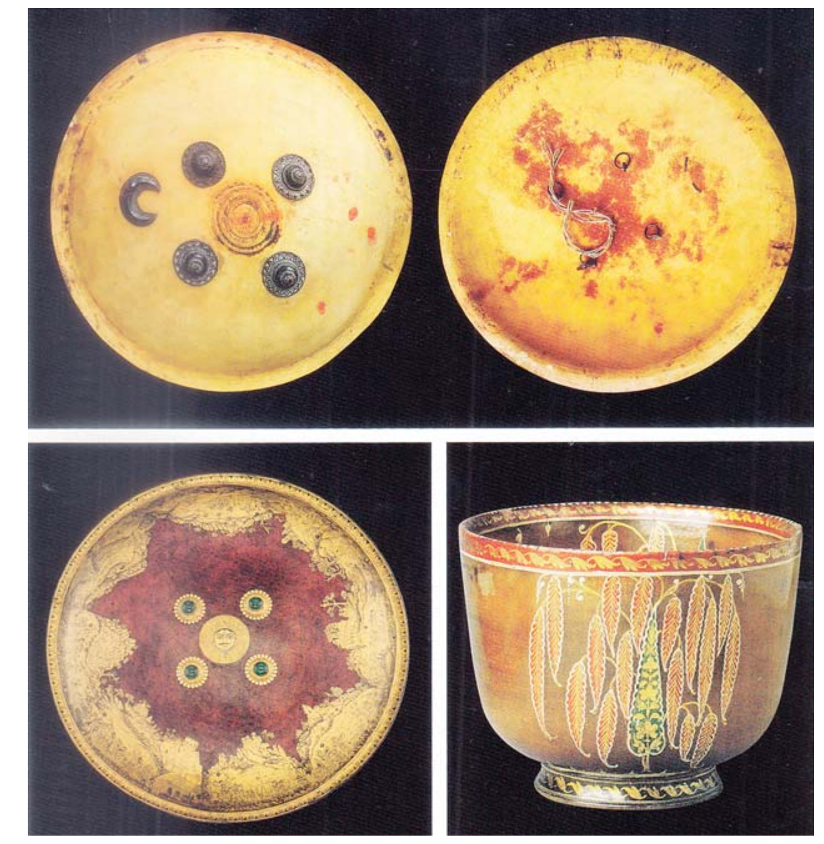

Rhino-skin shield of Raja Chandrasinhji II of Wankaner State (1787-1809)
Courtesy M.K. Ranjitsinh.

Asok Kumar Das
writetoarbit@rashtradoot.com

#STORY OF THE INDIAN RHINOS

As we have seen, it is known from travellers' records that the rhinoceros found place with other domesticated or tame animals in the menageries of the Mughal emperors. There is other evidence of such instances of the rhinoceros in captivity in writing and paintings. The well-known French traveller Jean-Baptiste Tavernier describes a tamed rhinoceros that he came across around 1665. He noticed a young boy feeding stalks of millet to a rhinoceros. When he took some stalks from the boy the rhinoceros came to him "opening his mouth four or five times" to eat the millet stalks. Joachim Bautze discovered a late 18th/-early 19th-century drawing showing two rhinoceroses chained to posts facing each other, in the Kumar Sangram Singh Collection, Jaipur. The drawing is not too inaccurate but the design of the armour-like plates on the animals' backs is rather schematic. Further evidence of rhinoceroses being tamed comes from the accounts of the English Bishop Reginald Heber who made an exhaustive tour of northern and western India in 1824-25. He noticed several tamed rhinoceroses at Lucknow during his visit to that city. He also saw a rhinoceros in Baroda that was ridden by a mahout like an elephant.

In the latter part of the 18th century the rhinoceros was found in large numbers in the eastern provinces, as revealed by an atlas prepared in 1769 by Colonel Jean-Baptiste-Jacob Gentil, the French representative to the court of Shuja ud-Daula at Faizabad, with the help of local painters like Nevasi Lal and Mohan Singh. The maps in the atlas show the topography and environment of the different provinces, and tiny figures of rhinoceroses are shown in the maps of Avadh, Bihar and Bengal. Apart from the atlas, Gentil also commissioned paintings of court events, hunting trips etc. which were mounted in albums. Two paintings from an album in the Victoria and Albert Museum collection provide elaborate details of two different hunting trips of the Nawab of Avadh, showing rhinoceroses amongst other big and small game. The first one shows a rhinoceros and wild buffalo hunt in 1768 in the woods of the Bahraich province of Avadh with a corps of 600 Frenchmen, among which Gentil was present. The Nawab killed two rhinoceroses after they had wounded ten elephants. Apart from two dead and one wounded rhinoceroses it also shows a smaller one captured by the hunting party. The second painting shows another hunt undertaken by the Nawab in the woods of Baharich in 1769 that included Gentil and lasted for ten days. The painting depicts as many as 19 rhinoceroses, two lying dead, two fighting with elephants and as many as 15 large small one running away from the hunting party.

Just a year later the well-known British landscape painter Thomas Denial (1749-1840) noticed a male rhinoceros of excellent proportions in the foothills of the Himalaya and prepared a sketch from which he later, probably in 1790, made an oil painting (now in the Yale Center for British Art). The horn of the rhinoceros drawn by Daniel however is longer than usual, like that of an African one.

Oddly enough the same collection also contains a superb drawing of a full-grown rhinoceros prepared by an Indian artist Gangaram Chintaman Tambat, who made many excellent drawings, paintings and clay models of people, birds, animals and landscapes for British patrons. This rhinoceros was in the menagerie of Peshwa Madhav Rao II at Pune, and the drawing contains the ruler's signature dated in November 1790. The drawing is of excellent quality, coming from an experienced painter and drawn from life.

The Indian Rhinoceros: A forest scene in the Northern Part of Hindoostan with a rhinoceros, by Thoms Deniell, probably 1790. Oil on canvas.
Yale Center for British Art, B 2006-14-33.

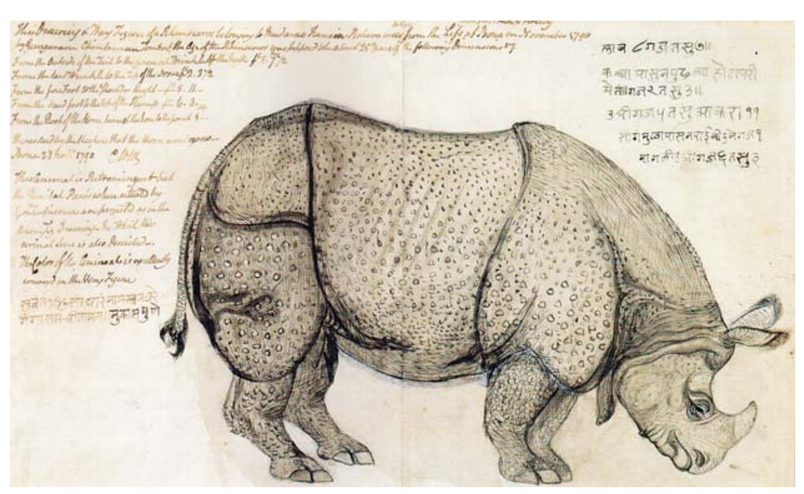

Rhinoceros from the Peshwa's menagerie, drawing by Gangaram Chintaman Tambat, 1790.
Yale Center for British Art, B 2006-14-33.

Architectural Decoration and Artefacts

The image of the rhinoceros appears in other media as well. Subhash Parihar noticed several panels on the imposing western gateway of the sprawling garden and sarai named Nurmahal built by Jahangir, that included a mythical elephant headed winged animal and rhinoceros together. The winged animal is appropriately ornamented, while the rhinoceros is also shown with a metal chain around its neck and ornaments on all four legs. This is perhaps the only place where the rhinoceros is present in Mughal architectural decoration. Joachim Bautze noticed a beautiful sculpted marble panel in the Bada Mahal of Kota Palace with two very realistically rendered rhinoceroses facing each other along with other animals. He also noticed rhinoceros representations on wooden doors at Kota.

The moulded or modelled terracotta panels in the brick temples in the countryside of Bengal, built in the 17th to 19th centuries, shows rhinoceroses in hunting scenes. In a prominent panel in the lower portion of the Gangeshvara Shiva Temple at Baranagar on the western bank of the Bhagirathi near Murshidabad a full-size rhinoceros is shown under attack from a group of gun-toting foreign soldiers. Similar scenes with rhinoceros have been found in the Krishnarai Temple (1655), Bishnupur, the mid-19th-century Govinda Temple, Puthia, Rajshahi district, Bangladesh and the Kantaji Temple (1704-22), Kantanagar, Dinajpur district, Bangladesh.

Among carved depictions of the rhinoceros, an interesting example is from a chess set made in Behrampur or Murshidabad, c. 1820, now in the National Army Museum, London. In this set, representing the British forces and an Indian ruler's army respectively. In keeping with the Indian tradition, the king and queen sit on elephants. The knights of the European version of chess are replaced by cavalrymen on the white side and camel-riders on the black; while the rhino substitutes for the white bishop and the buffalo for the black one.

Textiles

Rhinoceroses are also found in textiles and carpets. In at least three early Indo-Portuguese embroidered textiles the rhinoceros is found amongst animals pursued by European hunters. These textiles made of cotton and tussar silk were produced in the Satgaon area of Hooghly district in West Bengal exclusively for European clientele. The entire surface of the material was decorated with intricate silk-embroidered designs provided by the buyers. The design content often consists of Biblical themes, maritime scenes and scenes of hunting, expertly embroidered by the local crafts persons, mostly women.

A magnificent piece of an embroidered cotton and silk quilt in the collection of Isabella Stewart Gardner Museum, Boston, recently put on show in an exhibition at the museum, shows a European horseman pursuing a rhinoceros. The rhinoceros is clearly discernible amongst various birds and animals, real and mythical that crowds the scene. This was not entirely unexpected as rhinoceroses were found in large numbers in northern Bengal as well as in the Sundarbans deltaic area, and rhinoceroses were captured and transported to Portugal from the middle of the 16th century. A clearly drawn rhinoceros is found in the border of another large Indo-Portuguese quilt embroidered in tussar silk on bluish ground from the Museu Nacional de Arte Antiga, Lisbon that was exhibited at Kensington Palace, London in November 1970.

The rhinoceros also found in place in the magnificent pile carpets produced at the Mughal Karkhanas at Agra and Delhi. The National Gallery of Art, Washington DC has a large red-ground "animal carpet" with numerous birds and animals in the field and border design; a full-grown rhinoceros is shown in the upper part of the field. In another carpet of rare and unusual design that survives only in small fragments in various museums and collections in the US, UK and Europe, rhinoceros heads have been used along with heads of various other birds and animals like elephant, tiger, cheetah, horse, deer, serpents, water birds, peacocks, and mythical birds and animals to a from a complex "waq-waq tree"-like design in the field. The carpet (or a pair of carpets of similar design) is a unique creation of the Mughal studio, deriving its idea from the "waq-waq tree" or Tree of Alexander growing in the mythical island of Waq-Waq, that shows human heads or heads of birds, animals, real and mythical, dangling from its branches, as depicted is manuscript illustrations prepared in Persia, Mughal India and the Deccan. Elaborating on this, the carpet weavers (as well as the illumination specialists working for the embellishment of hashiyas or margins of folios of royal albums) created this harmonious as well as fearful design of birds, animals, aquatic creatures and serpents swallowing each other. The rhino heads depicted in the waq-waq design on the carpet fragment reproduced here are remarkably life-like and accurate.

> Among carved depictions of the rhinoceros, an interesting example is from a chess set made in Behrampur or Murshidabad, c. 1820, now in the National Army Museum, London. In this set, representing the British forces and an Indian ruler's army respectively. In keeping with the Indian tradition, the king and queen sit on elephants. The knights of the European version of chess are replaced by cavalrymen on the white side and camel-riders on the black.

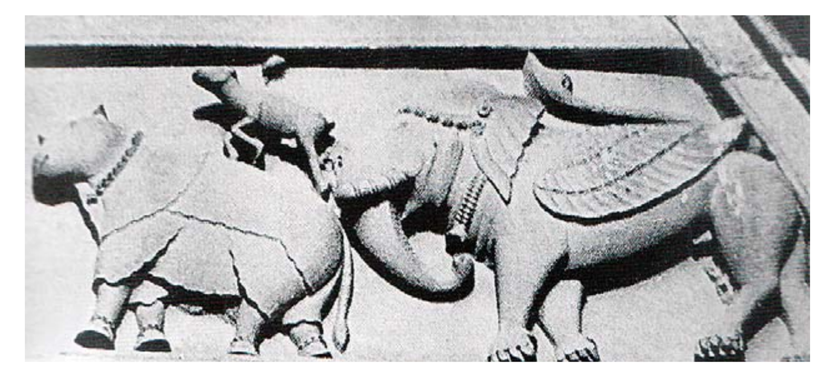

Rhinoceros followed by a winged elephant composite, detail of a carved panel outside the western gateway of sarai Nurmahal near Jalandhar, c. 1620. *Photo: Dr. Subhash Parihar.*

Objects Made from Rhino Horn and Hide

The use of the rhinoceros horn in India was not very widespread or popular. However the value of this product was never underestimated as it was always in high demand in China. The Chinese craftsmen created exquisite ritual objects, luxury items, goblets and other works of art from the Indian rhinoceros horn. References to horns of rhinoceros (xijiao) sent as gifts with the embassy from the Bengal Sultan Saif ud-Din to the Ming Emperor Yongle in June 1421 have been found in the Veritable Records of the Ming Dynasty, Ming Taizong Shilu. Babur was aware of its use and a relatively unadorned but finely chiselled vessel in the Sloane Collection in the British Museum is generally regarded as the cup fashioned for Babur's use. However there is no firm evidence to support this association.

Abu'd Fazl in his encyclopedic work Akbar's reign, the A'in-iAkbari, while providing accounts of the Sarkar (fiscal unit) of Sambal (Sambhal) writes, "There is game in plenty in the Sarkar of Sambal, where the rhinoceros is found. It is an animal like a small elephant, without a trunk, and having a horn on its snout with which it attacks animals. From its skin shields are made and from its horn, finger-guards for bow-strings and the like."

Shields and body armour made of rhinoceros hide are on display in the armoury or Silleh Khana of the Maharaja Sawai Man Singh II Museum, Jaipur. These were made in Kota and procured from there, as mentioned in old Silleh Khana records of Jaipur Darbar. Archer's rings for Mughal and Rajput princes and nobles, and earrings used by the Gorakhpanthis or Kanphata Jogis, followers of Gorakhnath, all fashoioned from rhinoceros horn, have also been found in different museums.

The English traveller William Finch, who visited the Mughal court and part of northern India in 1608-09, reports trade in objects like drinking cups, buckles etc. made from rhino horn at Ayodhya. Finch notes the high price rhinoceros horns jewel comparable. Some esteeming them the right unicorns horns. The real and symbolic value of the rhinoceros horn is well demonstrated in an incident reported by Travernier when he noticed how in a rhinoceros hunt around 1665 the animal's horn was cut off and the king presented it to the ambassador who was in the hunting party.

There are numerous beautifully carved cups and decorative objects fashioned from rhinoceros horn in different museum collections throughout the world, most of them coming from Chinese workshops, Joachim Bautze had mentioned (on the strength of the evidence provided by the scholar Gouriswar Bhattaharya) the presence of a carved bowl made of "rhinoceros forehead" in the State Chandradhari Museum, Darbhanga, which shows, besides other figures, carvings of Dashavtar (the ten incarnations of Vishnu). The sole rhinoceros-horn cup in the Indian Museum, Kolkata, probably of Indian origin, is well finished but unadorned. A superb footed cup made in the Deccan, now in the Kunsthistorische Museum, Vienna, carved from rhinoceros horn and with designs of trees and plants painted in colours and gold on its inner and outer surfaces, was shown in a 2001 exhibition in Lisbon of rare and exotic luxury objects from India, Africa and Sri Lanka.

From this brief survey it is clear that the rhinoceros found place in the arts and crafts of the country from Rajasthan in the west to Bengal in the east. Though it never attained the widespread representation and popularity of the elephant or lion, it retained its place as a quiet, almost docile, and easily recognizable animal.

Acknowledgement

1. The Book: 'The story of India's Unicorns'
2. Authors: Divyabhanusinh, Asok Kumar Das & Shibani Bose.
3. Publisher: The Marg Foundation.
4. For Purchase: The book is available for purchase on www.marg-art.org

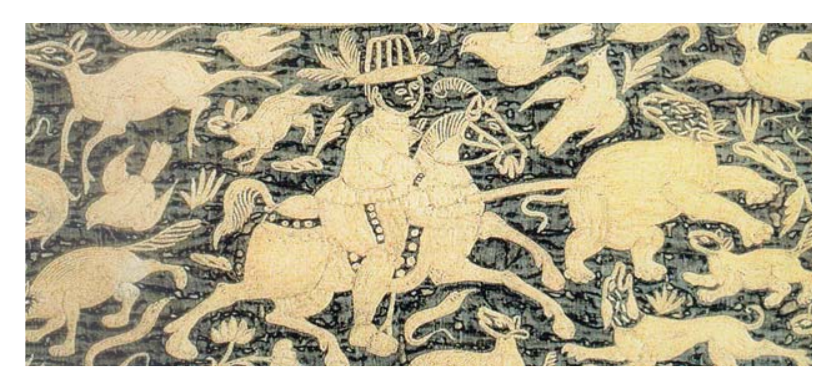

Detail from the border panel of an Indo-Portuguese quilt, Bengal, ealry 17th century.
Isabella Stewart Gardner Museum, Boston

#MIND&BODY

Restorative Yoga Poses

If the stresses of life are getting too much to bear then try these calming yoga poses at home to feel calm and relaxed.

Savasana.

Everyone-yes, including you!-deserves time to unwind. Whether you've been stressed at work or dealing with family drama or are just feeling tense after nearly two years of pandemic life, we can use a little more relaxation in our lives. Yet, relaxing is way easier said than done. The stressors of modern day life, including your seemingly never-ending to-do list, make it difficult for many people to truly slow down and rest. Luckily, yoga poses for relaxation can help by making you feel more at ease, less tense, and better overall.

The Benefits of Relaxation

Of course, you probably already know that relaxation is good for you. But its benefits go well beyond soothing stress and anxiety and allowing your body (and mind) space to rest and recover. Relaxation can positively impact your physical and mental health, and prime you for busy days ahead. Here are some of the noted benefits of consistent relaxation:

- Lowering blood pressure
- Slowing your heart rate and breathing
- Improving digestion
- Easing muscle pain and soreness
- Reducing chronic pain
- Increasing energy levels
- Improving sleep duration and quality
- Increasing overall feelings of emotional and physical well-being

7 Yoga Poses for Relaxation

Paschimottanasana (Seated Forward Bend)

This pose promotes relaxation throughout your entire body-from calming your brain to releasing tension in your legs. When you move into this forward bend, you'll release physical and mental stress. If touching your feet is difficult, you can modify this pose by using a strap.

Malasana (Garland Pose)

Is your mental and emotional stress turning into physical tension? Release it through Garland Pose. This pose stretches your hips, eases back pain, and releases your chest, allowing you to open your body and move into a state of relaxation.

Balasana (Child's Pose)

You may elect to return to this pose frequently during your practice-and, let's be honest, in your daily life-as it often serves as a "home base." There's a reason for that. Balasana (Child's Pose) helps relieve stress, fatigue, as well as physical pain in your back and hips.

Viparita Karani (Legs-Up-the-Wall Pose)

Move into this pose-and you'll immediately be sighing of relief. This posture is a great way to release tension, ease stress and help you unwind. If you're trying to find relaxation before heading to bed, practice this pose to prepare your physical body (and your mind) for a peaceful night of sleep.

Sukhasana (Easy Pose)

You may be familiar with Easy Pose as a common meditation posture. However, it's also a great yoga pose for relaxation. This pose simultaneously activates your body's relaxation response (your parasympathetic nervous system) and deactivates your stress response (sympathetic nervous system), making it a calm-inducing posture.

Matsyasana (Fish Pose)

This pose opens up your entire upper body-giving you the space to release unwanted tension and (finally!) relax. Not ready to move into the full posture? No problem. Add blankets and blocks to this backbend to make it work for your body's needs.

Savasana (Corpse Pose)

Move into the ultimate state of relaxation (if there is such a thing) in Corpse Pose. This posture allows you to let go-easing the physical tension and mental stress you're holding onto throughout your entire body. You'll calm (and quiet) your brain and move into a place focused on your breath-and nothing else.

Why Yoga Helps with Relaxation

You walk into your yoga class brimming with stress and anxiety. You're mad at the world. And then, suddenly, after an hour in class, you come out of the room (or Zoom session) feeling a little less cynical-and a little less stressed. Why?

Yoga helps relieve stress and anxiety by turning on your body's relaxation state. At a scientific level, this state occurs through activating the parasympathetic nervous system. The slow, mindful breathing that's integral to your yoga practice serves as the catalyst for activating this system. Additionally, when activated, the parasympathetic nervous system sends signals to your heart and nerves-telling them to relax. Suddenly, your whole body is in a state of relaxation. Revel in it!

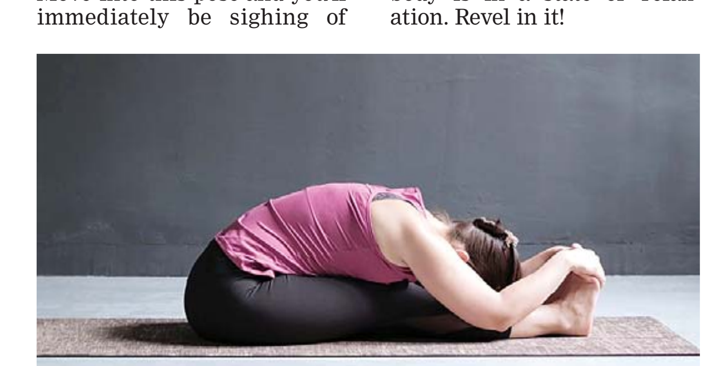

Paschimottanasana.

THE WALL

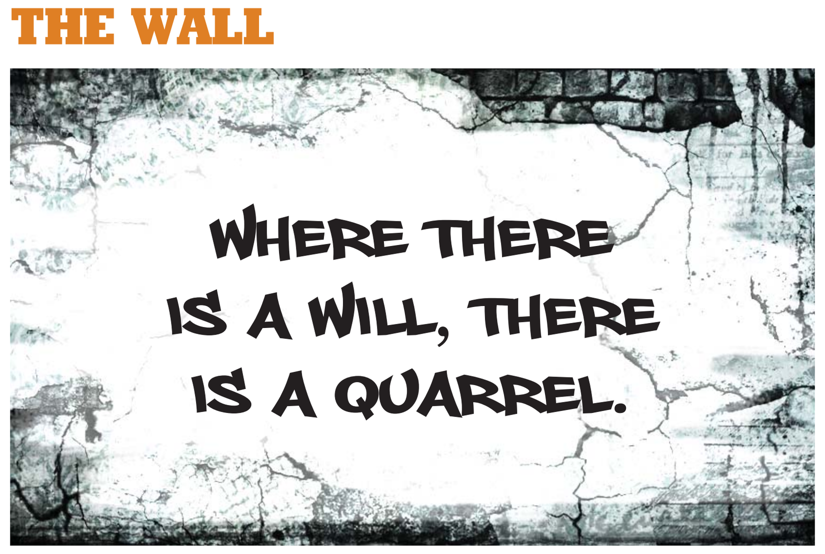

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

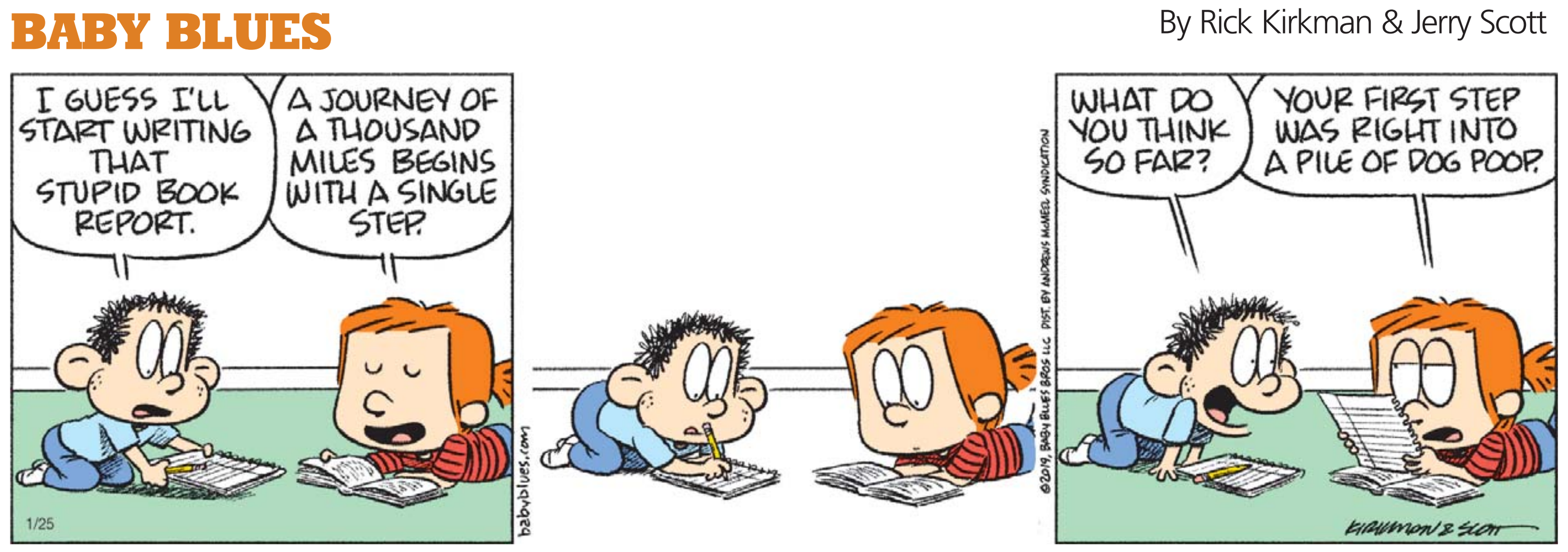

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

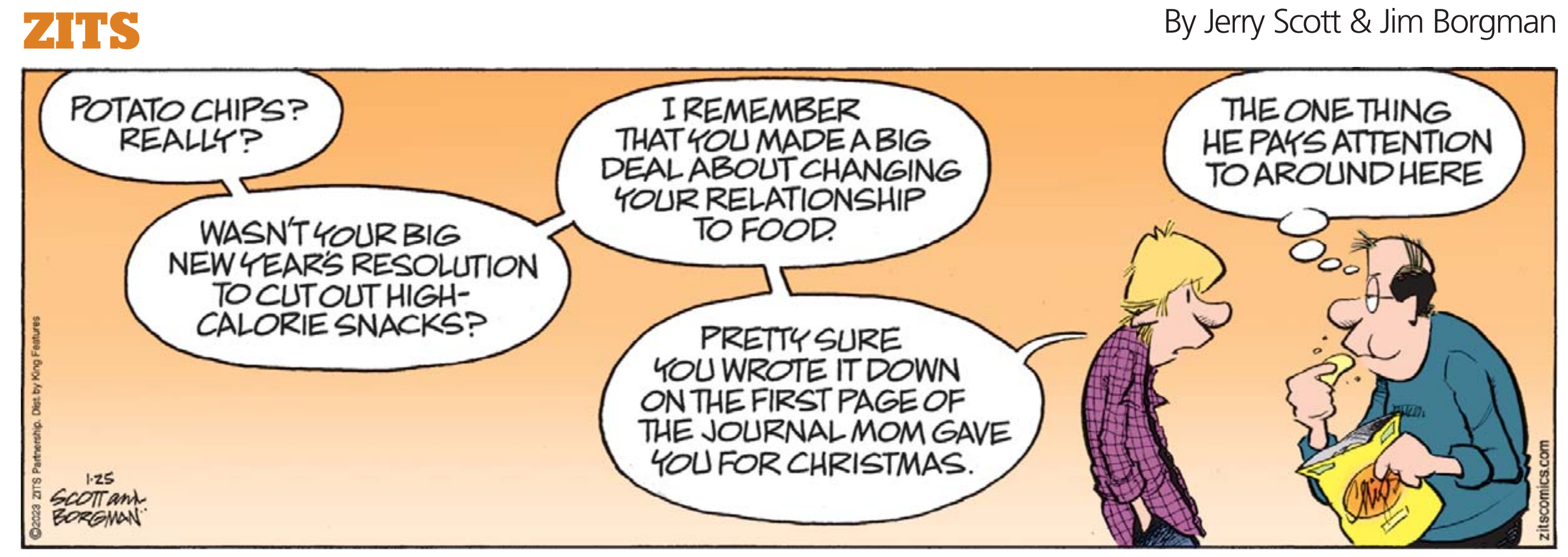

बेमौसम बारिश से किसानों के चेहरों पर मायूसी

'ओलावृष्टि के कारण धनियां, चना, गेंहू, सरसों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई है'

छबड़ा, (निसं)। भूमि पुत्र प्राकृतिक संकट से उभर ही नहीं पा रहे हैं। शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश से खेतों में खड़ी व आडी पड़ी फसलों में व्यापक नुकसान हुआ है। जिससे किसानों के चेहरों पर मायूसी दिखाई पड़ रही है।

किसानों का कहना है कि पिछले तीन वर्ष से बारिश, बाढ , ओलावृष्टि के कारण फसलों में निरंतर भारी नुकसान हुआ है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। वही 4 व 5 मार्च को भी भारी बारिश के कारण किसानों की फसलों में काफी नुकसान हुआ था। उस नुकसान से उभरा भी नहीं पाए थे कि शुक्रवार को एक बार फिर आसमान से आफत की बारिश बरस पड़ी।

विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर छबडा-छीपाबडौद विधानसभा क्षेत्र में रबी की फसलों में हुए नुकसान का सर्वे करवाकर मुआवजा दिलवाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार की रात्रि को छबडा तहसील की ग्राम पंचायत गोड़ियामेहर, तीतरखेड़ी, कडैयाहाट, बापचा, भूलोन, फलिया और छीपाबडौद तहसील की ग्राम पंचायत ढोलम, अजनावर, बिलेडी, कुम्भाखेडी, हरनावदाशाहजी आदि ग्राम पंचायतों में बेमौसम हुई भारी बारिश, तेज आंधी, ओलावृष्टि के कारण धनियां, चना, अफीम, गेंहू, सरसों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई है। विधायक सिंघवी ने जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा करवा रखा है, उन किसानों को बीमा क्लेम की राशि शीघ्र दिलाए जाने की मांग की।

छबड़ा क्षेत्र में अतिवृष्टि से फसलों में काफी नुकसान हुआ।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना क्षेत्र के लांबा भाटडा में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। किसान खेतों में काम कर रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शनिवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

लांबा भाटडा निवासी थावरचंद मेणात ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में उसने बताया कि शक्रवार शाम के समय उसका भाई प्रकाशचंद्र मेणात खेतों में गेहूं की फसल को इकट्ठा कर रहा था। उसी समय तेज हवाओं और बादलों की गर्जना के साथ ही अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से उसका सीना गंभीर रूप से झुलस गया। इस पर खेतों में काम कर रहे दूसरे लोग दौडकर आए।

घायल प्रकाशचंद्र को बिछीवाडा अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया। इस पर उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद प्रकाशचंद्र को मृत घोषित कर दिया।

हार्डकोरों और हिस्ट्रीशीटरों के यहां पुलिस ने छापे मारे

एक आरोपी के घर से 18 लाख से ज्यादा रूपए भी बरामद किए

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पूर्व एवं पश्चिम पुलिस ने एक बार शनिवार की तड़के कमिश्नरेट के हार्डकोरों और हिस्ट्रीशीटरों के घरों की घेराबंदी कर रेड की। शनिवार की तड़के की गई घेराबंदी में पुलिस ने एक साथ एक हजार बदमाशों के यहां पर रेड दी। एक आरोपी के घर से 18 लाख से ज्यादा रूपए भी बरामद किए है। साथ ही पुलिस ने जिला पूर्व एवं पश्चिम से 144 लोगों को पकड़ा है।

- पुलिस ने जिला पूर्व एवं पश्चिम से 144 लोगों को पकड़ा

पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ के अनुसार अरुणोदय अभियान के तहत जिला पूर्व एवं पश्चिम में टीमों का गठन किया। हार्डकोर और हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर रेड देने के लिए जिला पूर्व में 46 टीमों का गठन कर 90 लोगों को गिरफ्तार किया। जिला पश्चिम में 30 टीमों का गठन 400 बदमाशों के घरों और ठिकानों पर दबिश दी। जिला पश्चिम में 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कमिश्नरेट की जिला पूर्व की उपायुक्त डॉ. अमृता दुहन, डीसीपी वेस्ट गौरव यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीमों ने एक साथ रेड दी। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले भी पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों और हार्डकोरों की धरपकड़ के लिए एक साथ रेड दी थी। जहां से कई हिस्ट्रीशीटरों के साथ हार्डकोर बदमाशों को पकड़ा गया था।

आंधी व बारिश से पकी व कटी फसलों को नुकसान

जिले में बीती रात 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चली

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में बीती रात 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली आंधी के कारण गेहूं व जौ की फसलें खेतों में बिछ गई। साथ ही काटकर खलिहानों में रखी सरसों की फसल भी दूर-दूर तक बिखर गई।

क्षेत्र में बीती रात 11:30 बजे एकाएक आंधी चलनी शुरू हो गई। इस कारण बिजली गुल हो गई। रात एक बजे तक आंधी रूकने के बाद अलग-अलग क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हुई। जयपुर के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 18 मार्च को मेघ गर्जन के साथ बारिश, तेज हवाएं व ओलावृष्टि की गतिविधियां बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में जारी रहने की प्रबल संभावना है। 19 मार्च को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ राज्य के ऊपर प्रभावी होगा और पुनः थंडर स्टॉर्म के साथ बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। इसके असर से 19-20 मार्च को मेघ गर्जन, बारिश, तेज हवाएं व कहीं-कहीं ओलावृष्टि का दौर राज्य के कुछ भागों में जारी रहेगा।

जी. आर. मटोरिया संयुक्त निदेशक ने बताया कि क्षेत्र में गेहूं व जौ की फसलें पकाव की स्थिति में है जो आंधी से खेतों में बिछ गई। इससे क्वालिटी व उत्पादन पर असर पड़ेगा। सरसों फसल की कटाई चल रही है। आंधी से काटकर रखी सरसों फसल बिखर गई। कई स्थानों पर बारिश से सरसों फसल भीग भी गई। इससे सरसों की क्वालिटी पर असर पड़ेगा।

बूंदी जिले में बारिश-अंधड़ ने बरपाया कहर, फसलें आड़ी पड़ी

बूंदी, (निसं)। जिलेभर में हुई बीती रात तेज बारिश और अंधड से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। फसलें चौपट हो गई। ग्रामीण क्षेत्र में कई घरों के टीनशेड टूट गए। तेज अंधड व बरसात के कारण खेतों में फसलें आडी पड गई तो वहीं खेतों में कटकर पडी चने, धनियां मेथी की फसल उड गयी जिन्हें दूसरे दिन किसान एकत्रित करते नजर आएं वहीं अंधड से कई जगहों पर मकानों के टीनशेड उड गयें। क्षेत्र के छप्पनपुरा गांव में बाबूलाल मीणा के तीन कमरों के सीमेंट के चद्दर लोहे की एंगलों सहित उडकर दूर जा गिरे जिससे चद्दर टूट गये वहीं परिवार के सदस्यों ने इधर उधर भाग कर जान बचाई। अन्य जगह भी काफी बारिश के कारण नुकसान हुआ।

- बारिश-अंधड़ से ग्रामीण क्षेत्र में कई घरों के टीनशेड टूट गए
- खेतों में कटकर पड़ी चने, धनियां, मेथी की फसल उड गयी
- बूंदी विधायक ने उठाई फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग

तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुए फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए बूंदी विधायक ने जिला कलक्टर को पत्र लिखकर फसल खराबे का मुआवजा दिलाने की मांग उठाई है। पत्र में लिखा है की तेज बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। बरूंधन व तालेड़ा क्षेत्र सहित संपूर्ण बूंदी विधानसभा क्षेत्र में इसका बहुत ज्यादा असर हुआ है। किसानों की पकी हुई फसलें नष्ट हो गई है बारिश व ओलावृष्टि से हुए फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल गिरदावरी कराकर मुआवजा दिलाया जाए। यह जानकारी विधायक मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने दी। शुक्रवार रात्रि को आए तूफान व बारिश से बून्दी जिले की बिजली व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई।

जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता जे.पी. बैरवा ने बताया कि 22 पोल टूटने और 5 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्र में अंधकार फैल गया। जिसे देर रात तक अभियंताओं ने दुरूस्त करवा कर क्षेत्र की संपूर्ण विद्युत आपूर्ति को बहाल करवाई। 17 मार्च की रात्रि आए आंधी तूफान से निगम को हुई करीब 4. 88 लाख का नुकसान होने का आंकलन है।

हुक्का बार मालिक समेत पांच युवक गिरफ्तार

आस-पास के लोगों को था शक, हुक्काबार पर मारा छापा

श्रीगंगानगर, (निसं)। हुक्का बार पर छापा मारकर बीती रात को पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी हुक्का बार चला रहा था और चार लोग हुक्का पीते मिले। हुक्काबार से स्मोकिंग से जुड़े सामान को बरामद किया गया है। हुक्कबार के आस-पास के लोगों को यहां की एक्टिविटी पर शक था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने शिकायत की। मामला श्रीगंगानगर के पुरानी आबादी थाना इलाके का है। पुलिस मौके पर पहुंची तो हुक्का बार संचालक और हुक्का पी रहे लोगों ने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें धर दबोचा गया। मौके से आरोपी हुक्का बार चलाने वाले तीन पुली के पास बसंत विहार कॉलोनी निवासी राहुल सोनी (19) पुत्र विनोद कुमार सोनी को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही गांधी बस्ती के साहिल खुराना (18) पुत्र विजय खुराना, साहिल डालिया (18) पुत्र बलराज डालिया, यश पांडेय (19) पुत्र अरविंद और सुमित (20) पुत्र चंद्रसहाय को गिरफ्तार किया गया। मौके से स्मोकिंग में उपयोग होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है।

हमले के चार आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

पुलिस ने एक बाल अपचारी को डिटेन किया

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना अंतर्गत छेला खेरवाडा फला अम्बेरा निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि विगत 14 मार्च की रात्रि को उसकी नाबालिक बहन को तीन लोगों ने जबरन अपहरण कर उठा ले जाने के दौरान उसके साथ मारपीट कर गम्भीर चोटें पहुंचाई थी।

जिसका निस्तारण करते हुए सदर पुलिस ने मामले में चार आरोपियों व एक बाल अपचारी को डिटेन किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार छेला खेरवाडा अम्बेरा फला निवासी कालूराम पुत्र अमरा अहारी ने एक रिपोर्ट 15 मार्च को थाने में उपस्थित होकर दी जिसमें उसने बताया कि 14 मार्च को डूंगरपुर शहर में वह काम से आया था और घर पर उसकी पत्नी व बहन अकेली थी जिन्हें अकेला देखकर हरीश पुत्र कांतिलाल घोघरा निवासी मजोला व उसके अन्य तीन साथी आये व उस्की नाबालिग बहन को जबरन उठाकर ले गए।

जिस पर उसने उनका पीछा किया उस दौरान उसके साथ काका देवीलाल भी थे आरोपियों ने काका के पीठ पर छुरी घोंप दी और मारपीट कर बहन को लेकर भाग गए। प्रार्थी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टीम गठित कर हरीश पुत्र कांतिलाल घोघरा तथा उसके साथी प्रवीण पुत्र कारीलाल बरंडा, पिंटू पुत्र हालिया मीणा व महेंद्र पुत्र कचरा बलात सभी निवासी मझोला को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को भी डिटेन किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त किये गए दो वाहन भी जब्त किए साथ ही अन्य सहयोगी की भी तलाश की जा रही है।

अपहरण व जानलेवा हमले के मामले में गिरफ्तार किये गए आरोपियों के साथ पुलिस दल।

हादसे में युवक की मौत, दो घायल

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई तथा दो साथी घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार अपरान्ह में प्रतापनगर थानाक्षेत्र सुखेर रोड़ पर स्थित एमएलएसयू स्वर्ण जयंती पार्क के समीप ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बडी निवासी लक्षित पुत्र खेमराज चौबीसा की मौत हो गई तथा उसके साथी हेमन्त शर्मा व केतन मैनारिया घायल हो गए।

- ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी थी जिससे मौत हो गई

तीनों डबोक परिक्षा देने गए थे जहां से वापस घर लौट रहे थे और बीच रास्ते में यह हादसा हो गया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल लालसिंह ने मौके पर पहुंच तीनों को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां लक्षित को मृत घोषित कर दिया तथा दोनों घायलों हेमंत व केतन को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

धर्मांतरण के संदेह पर वि.हि.प. और बजरंग दल का हंगामा

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा स्थित रेजीडेंसी रोड पर आई एक चर्च हॉल में धर्मांतरण की आशंका में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंगदल के कार्यकर्ता सुबह पहुंचे। यहां पर काफी देर तक हंगामा हुआ। बाद में सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। इस बारे में एक परिवाद सरदारपुरा थाने में दिया है। इस बारे में अब पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है।

- बताया गया कि 250-300 लोगों को धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था

सुबह दस बजे विश्व हिंदू परिषद् एवं बजरंग दल को सूचना मिली कि रेजीडेंसी रोड पर आए सेंट एंड्रूज हॉल में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। चर्च के लोगों द्वारा गरीब असहायों को हारी-बीमारी के नाम पर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। एकबारगी काफी हंगामा हुआ। बाद में पुलिस भी सूचना पर पहुंच गई। बताया गया कि 250-300 लोगों को धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। उन्हें रोगों को मुक्त करने, अन्य धर्म की बुराई करने आदि के साथ अपने धर्म का प्रचार किया जा रहा था। विहिप विधानमंत्री राजेश दवे, प्रांत प्रमुख अनिल कुमार सहित काफी कार्यकर्ता एकत्र हो गए।

सरदारपुरा थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलने पर वहां पहुंची थी। वहां से लोगगाण जा चुके थे। अब इन लोगों ने परिवाद दिया है और धर्मांतरण का अंदेशा जताया है। परिवाद को जांच में रखा गया है। इसके बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। परिवाद में कुछ लोगों को नामजद किया गया है। जिनसे बातचीत कर वास्विकता का पता लगाया जाएगा।

शिक्षा विभाग में अवकाश पर रोक

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की दसवीं व बारहवीं क्लास के एग्जाम के चलते शिक्षा विभाग ने विभाग में अवकाश पर रोक लगा दी है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी किए हैं। निदेशक गौरव अग्रवाल ने बताया कि शिक्षा के सभी स्कूल्स और ऑफिस में सोलह अप्रैल तक किसी भी कर्मचारी व टीचर को अवकाश नहीं दिया जाएगा। अत्यंत विशेष कारण होने पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक से स्वीकृति के बाद ही अवकाश लिया जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी संबंधित कर्मचारी के अवकाश के कारणों से संतुष्ट होने के बाद ही अवकाश दे सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के अधीन ही जिलों में बोर्ड एग्जाम हो रहे हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में टीचर्स अवकाश लेकर घर बैठ जाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए निदेशक ने आदेश जारी किए हैं।

दुकान व घर से जेवर व नगदी चोरी

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। नयाशहर थाना क्षेत्र में तो हर रोज चोरी का रिकॉर्ड बनता जा रहा है। पिछले दिनों मुरलीधर व्यास नगर में हुई चोरी का अब तक राज नहीं खुला कि रामपुरा बस्ती से फिर चोरी हो गई है। यहां एक घर व उसी घर में बनी दुकान पर चोरों ने हाथ साफ किया। सोने चांदी के जेवरात के साथ दुकान से नगद रूपए भी चोर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी है।

दरअसल रामपुरा बस्ती में रहने वाले प्रभुदयाल स्वामी ने नयाशहर थाने में एफआईआर दी है कि 12 से 16 मार्च तक वो विवाह समारोह में शामिल होने के लिए चूरू के सुजानगढ़ में आवसर गांव गया हुआ था। वापस आने पर पता चला कि चोरों ने घर में घुसकर चोरी की है। न सिर्फ घर में बल्कि घर के आगे बनी महावीर जनरल स्टोर से भी सामान व नगदी चोरी हुई है। चोर सोने-चांदी के जेवरात के साथ नगद रूपए भी ले गए। इनकी कीमत लाखों रूपये बताई जा रही है।

चोर ने 12 से 16 मार्च के बीच ही यहां पर वारदात को अंजाम दिया है। काफी देर तक रुककर घर की अलमारियां तोड़कर सोने-चांदी के जेवर निकाले हैं। दुकान के काउंटर में रखे रुपए भी चोरी कर ले गया। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

आर.टी.एच. के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

85 अस्पतालों के चिकित्सकों ने चाबियां कलेक्टर को सौंपी

झुंझुनूं, (निसं)। शनिवार को झुंझुनूं में प्राइवेट अस्पताल संघर्ष समिति के बैनर तले जिले के सभी निजी चिकित्सकों ने जिला कलेक्ट्रेट के सामने स्वास्थ्य के बिल के विरोध में धरना दिया। धरने के साथ में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें प्रस्तावित स्वास्थ्य के अधिकार बिल जो कि वास्तव में निजी अस्पतालों में जबरदस्ती मुफ्त इलाज का बिल है, के विरोध में सभी निजी चिकित्सकों ने अपने अस्पतालों के गेट पर ताला लगा कर अपने अस्पतालों को बंद किया और उनकी चाबिया धरना स्थल पर एकत्रित की।

85 अस्पतालों ने अपनी चाबियाँ संघर्ष समिति को सौंप दी जिन्हें जिला कलेक्टर को सुपुर्द किया गया और उनसे माँग की गई कि अब निजी अस्पतालों को आरटीएच बिल के चलते चलाना असंभव है इन अस्पतालों को अब सरकार ही चलायेगी। समिति के जिला कॉर्डिनेटर डॉ. कमल चंद सैनी ने बताया कि शनिवार को शुरू किया गया धरना रविवार को भी जारी रहेगा और जिला मुख्यालय पर गांधी चौक से नेहरू पार्क तक विशाल रैली निकाली जाएगी जिसमें पूरे जिले के विशाल संख्या में स्वास्थ्यकर्मी शामिल होंगे और आरटीएच का विरोध करेंगे और रविवार को भी निजी अस्पतालों, क्लीनिक और रेडियोलोजी डायग्नोस्टिक सेंटर्स में किसी भी प्रकार की सेवा उपलब्ध नहीं होगी।

रैली और घेराव के दौरान इस काले कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर के इस बिल को वापस लेने के मांग की जाएगी इसी क्रम में दिनांक 20 मार्च को जयपुर पहुँच कर विधान सभा का घेराव किया जायेगा। इस धरने में जिले भर से सौ से भी अधिक निजी चिकित्सक उपस्थित हुए जिनमे डॉ. कुंदन सिंह मील, डॉ. सुभाष भारद्वाज, डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, डॉ. लालचंद ढाका, डॉ. शुभकरण बुरी, डॉ. अनिल महलावत, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. अर्शा चौधरी, डॉ. रवि मोखरिया, डॉ. ओपी सैनी, डॉ. करन सिंह बेनीवाल, डॉ. पुष्पेंद्र बुडानिया, डॉ. संतोष ढाका, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. अंकुर मील, डॉ. सुधीर रेवाड, डॉ. पवन सिहाग, डॉ. अरूण सूरा, डॉ. देवेंद्र चाहर, डॉ. नरेंद्र श्योराण, डॉ. प्रियंका बुडानिया, डॉ. नरेंद्र जांगिड आदि शामिल थे।

महिला से लूट का आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। शहर में अपने पति के साथ स्कूटी पर घर लौट रही महिला का पर्स छीनकर ले जाने का मामला सामने आया है। पर्स में मोबाइल व 4 से पांच हजार रुपए की नकदी थी। वारदात बाइक सवार दो युवकों ने अंजाम दी। अलवर गेट थाना पुलिस ने मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

कम्युनिटी हाल के पीछे धोलाभाटा अजमेर निवासी सुनिल टिलवानी पुत्र गिरधारी लाल टिलवानी (52) ने बताया कि उनकी पत्नी अंजना टिलवानी के साथ रात करीब साढे नौ बजे स्कूटी से अलवर गेट चौराहा से अपने घर धोलाभाटा जा रहे थे। मैयो लिंक रोड पर मैयो गर्ल्स स्कूल गेट के पास पहुंचे तो हमारे पीछे से दो व्यक्ति एक मोटर साईकिल से आए। पत्नी का पर्स छीन कर ले गए, जिसमे एक मोबाइल फोन 4 से 5 हजार रुपए नकद रखे हुए थे। तलाश किया लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई नन्द भंवर सिंह को सौंपी है। पुलिस ने महिला से लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अलवर गेट थाना प्रभारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि महिला के पति सुनील टिलवानी ने 17 मार्च 2023 को थाने पर उपस्थित होकर लूट की वारदात का मुकदमा दर्ज करवाया था। मामले में पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर शिव शक्ति कॉलोनी तानाजी नगर निवासी उमेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

देश के विकास में महिलाएं कर रही नेतृत्वः ओम बिरला

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज में लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने महिलाओं के योगदान को सराहा

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर छात्राओं को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि नारी शक्ति का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का हिस्सा है। महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले, बाबा साहब अंबेडकर जैसे समाज सुधारकों को महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान को याद करते हुए बिरला ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वास्तव में, रानी लक्ष्मीबाई ने ही आजादी के आंदोलन की नींव रखी थी। बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी के कारण ही हमारा स्वतंत्रता संग्राम सफल हो सका।

बिरला ने आजादी के बाद से अब तक देश के विकास में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि हर क्षेत्र में आज देश की महिलाएं अग्रिम भूमिका निभा रही हैं। फाइटर प्लेन से लेकर सीमाओं पर युद्ध हो, चाहे अर्ध सैनिक बल हो, हर जगह महिलाएं अग्रिम पंक्ति पर खड़ी हैं। सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से लाखों महिलाएं अपने छोटे-छोटे उद्योग चलाकर समाज में एक बड़ा बदलाव ला रही हैं, बिरला ने कहा जब भी किसी अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी शैक्षणिक दौरों के लिए संसद आते है, तो ऐसा देखने में आता है कि पुरुषों की तुलना में महिला प्रशिक्षुओं की संख्या अधिक होती है। उन्होंने ने कहा कि समय के साथ महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी बढ़ी है। जब हमारा देश आज़ाद हुआ था, तब देश की संविधान सभा में महिलाओं की संख्या 15 थी। वहीं आज 115 महिला भारत की संसद में देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक की सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में आज 14 लाख से ज्यादा महिलायें नेतृत्व करते हुए समाज में सामाजिक और आर्थिक बदलाव ला रही हैं।

बिरला ने कहा कि देश के विकास में महिला नेतृत्वकर्ता की भूमिका में हैं। जीवन के हर क्षेत्र में आज महिलाएं जिन उपलब्धियों को अपने नाम दर्ज करा रही है, वह अमृत काल में देश के संकल्पों के साकार होने का विश्वास दिलाती है। उन्होंने कॉलेज के छात्राओं का आव्हान किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान देने केंद्रित करने के साथ वे देश के प्रति भी अपने लक्ष्य निर्धारित करें।

पिंडवाड़ा क्षेत्र के कई गांवों में हुई ओलावृष्टि, किसान फूट-फूटकर रोए

पहाड़ी गांव मोरस, मालेरा, घरटकी गांवों सहित कई इलाकों में बरसात के साथ ओले गिरे

पिंडवाड़ा, (निसं)। शहर सहित तहसील क्षेत्र में सप्ताह भर से लगातार बेमौसम बारिश का दौर जारी है। होली पर्व के दिन से दिन धुलेंडी और आज दिन तक पिंडवाड़ा शहर तहसील क्षेत्र के कई इलाकों में शनिवार शाम 5 बजे से मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा। उदयपुर मार्ग के पहाड़ी गांव मोरस, मालेरा, घरटकी गांवों सहित कई इलाकों में आधे घंटे तक आसमान के बादलों से बरसात के साथ ओले भी गिरे।

पिंडवाडा शहर में शनिवार को करीब शाम 5 बजे आसमान में काले बादल मंडराने लगे और बूंदाबांदी शुरू हो गई और फिर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। शहर के सभी सड़कों पर पानी की नदियां बहने लगी बारिश और ओले पड़ने से तापमान में गिरावट आई है। आदिवासी क्षेत्र के कई गांव में बारिश के साथ साथ ओलावृष्टि हुई है। जिससे फसलों को नुकसान की खबर है। वहीं गेहूं की फसल भी प्रभावित हुई है।

■ **शहर की सभी सड़कों पर पानी की नदियां बहने लगी, तापमान में गिरावट आई**

किसानों का कहना है कि इससे घर, आंगन और खेत में रखी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं पशुओं को खिलाने वाला भूसा भी गीला हो गया। ओले गिरने का क्रम करीब आधे घंटे तक चला। यहां बोर के आकार के ओले गिरे हैं। कई जगह खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। इससे किसान फूट-फूटकर रो रहे हैं। बदले मौसम की वजह से किसानों का खासा नुकसान हुआ है। अधिकांश किसानों की गेहूं की फसलें खेतों में ही खड़ी है। ये फसल कुछ ही दिन में काटी जानी थी, लेकिन इससे पहले बेमौसम की ऐसी मार पड़ी कि खेत में ही फसल आडी हो गई। इससे दाना सिकुड़ जाएगा और दागी भी हो जाएगा। इस कारण किसानों को गेहूं के अच्छे रेट नहीं मिलेंगे। इसके अलावा कटकर खलिहान में रखी फसल भी बर्बाद हो गई। इसी तरह चने की करीब चालीस प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गई है। शहर सहित जैसी चित्र में 15 दिनों से दो-चार दिन छोडकर जारी बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है। इस कारण दिन और रात दोनों ही तापमान में गिरावट हुई है।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत

पिता ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मित्रपुरा थाना अंतर्गत बपूई गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। इस मामले को लेकर मृतका के पिता सत्यप्रकाश लक्खार निवासी बरनाला ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

■ **लड़की होने के कारण ससुराल पक्ष नाराज रहता था**

मित्रपुरा सर्किल इंस्पेक्टर श्रीकिशन मीणा ने बताया कि शुक्रवार को मृतका प्रियंका उम्र 24 वर्ष पत्नी भानु प्रकाश लखेरा ने अपने कमरे में पंखे से साड़ी का फंदा लगा लिया जिसको उसके ससुराल पक्ष के लोग बौंली चिकित्सालय ले गए, चिकित्सालय में उसकी गंभीर हालत होने पर उसे सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां दौराने उपचार प्रियंका ने दम तोड़ दिया। मृतका प्रियंका का शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इस मामले को लेकर मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष के सास, ससुर, ननंद सहित करीब 6 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

दर्ज रिपोर्ट में मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि मेरी दो पुत्रियों का विवाह 8 मार्च 2019 में बपूई निवासी महेश व उसके भाई भानुप्रकाश के साथ किया गया था। विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष प्रताड़ित कर दहेज की मांग करते रहते थे। उन्होंने दोनों पुत्रियों के साथ 1 दिन पहले भी मारपीट की थी। मृतका प्रियंका के 3 वर्ष की एक बच्ची भी है। लड़की होने के कारण ससुराल पक्ष नाराज रहता था।

चूरू में बदली मौसम की फिजा

चूरू, (कासं)। चूरू में पिछले दो दिनों से बादलों की आवाजाही एवं हल्की बूंदाबांदी होने से मौसम की फिजा बदली हुई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यहां पर शनिवार को अधिकतम 30.7 व न्यूनतम 17.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बादलों की

■ **बूंदाबांदी से मौसम ने करवट ली**

आवाजाही होने एवं ठंडी हवाओं के चलने से गर्मी का असर काफी कम हो गया है। पिछले दिनों एकाएक बढ़े तापमान में गिरावट आने से रात को बारह बजे बाद मौसम ठंडा हो जाता है जिसका असर सुबह तक बना रहता है। इसी के साथ मच्छरों का प्रकोप भी शुरु हो गया है। जिससे रात को मच्छरों से बचाव के लिए पंखे चलने लगे हैं। इसी के साथ बदलते मौसम में मौसमी बीमारियां भी पांव पसारने लगी है।

बरसात से खेतों में खड़ी व कटी फसल खराब हुई

निवाई, (निसं)। उपखंड के दत्तवास, जगसरा, हिंगोनिया, तुर्किया, बंसीपुरा, कुरावदा, अरणिया, राजधानपुरा, नांगली ईसर आदि गांव में शुक्रवार की देर रात हुई बेमौसम बरसात से खेतों में कटकर पड़ी हुई फसलें खराब हो गई। जिससे किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार शाम को तेज अंधड़ के साथ एक घंटे बेमौसम बरसात होने से पकी हुई गेहूं, सरसों, चना आदि की फसल खराब हो गई। कई खेतों में खड़ी हुई फसल तेज अंधड़ के कारण झुक गई। हवा से फसलें खेत में गिर गई जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

फसल बर्बाद होने से किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसान अनोखीलाल गुर्जर, हजारीलाल मीणा, रामसहाय मीणा, रामकरण मीणा, सीताराम गुर्जर, नंदसिंह, मुरारीलाल मीणा, छोटूलाल मीणा, राजाराम प्रजापत सहित किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की है।

निवाई उपखण्ड क्षेत्र में तेज अंधड़ व बारिश से खेतों में पड़ी हुई फसल।

ओलावृष्टि से किसानों की फसल को नुकसान

गंगापुर सिटी, (निसं)। तहसील क्षेत्र तलावडा में शुक्रवार देर शाम बारिश के साथ ओलावृष्टि से किसानों की रबी सीजन की गेहूं, सरसों, सौंफ की फसल को नुकसान हुआ है। साथ ही टमाटर एवं तरबूज की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है।

पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने दूरभाष पर जिला कलेक्टर सहित उच्चाधिकारियों से वार्ता कर किसान को मुआवजा दिलाने की मांग की। शनिवार को पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने तहसील तलावडा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आपदा पीड़ित किसानों से मिले और खेतों में जाकर आपदा प्रभावित फसल को देखी।

उन्होंने अमरगढ़ चौकी, मच्छीपुरा, कुनकटा कलां, बाढ भावता, किशन की झोपडी, कडी गांवडी, नंदपुरा, मीनापाडा, बुचौलाई, ढाय सहित अनेक गांवों में पहुंचकर किसानों की फसल खराबे की जानकारी लेते हुए सरकार से शीघ्र ही मुआवजा दिलाने की मांग की। इस दौरान पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सरपंच विश्राम भोपा, सरपंच लाला अमरगढ़, नत्थू पटेल, मनोज कुनकटा, अखेराम भोपा, बद्री पटेल, मांगीलाल गुर्जर, जगदीश, गोवर्धन सिंह ठाकुर, मुरारीलाल सेठ, चंदन मच्छीपुरा,पप्पू गांवडी, सीताराम गांवडी, जगराम गांवडी, मुकेश सैनी, राजू लाल सैनी, झम्मन अमरगढ चौकी, धनसिंह सैनी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

करंट की चपेट से किसान की मौत

बाप, (निसं)। टेपू पंचायत में कानासी मोटी गांव में एक किसान करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। किसान अपने ही नलकूप पर कृषि कार्य कर रहा था। एएसआई नासीर खां के अनुसार कानासी मोटी निवासी नखतसिंह पुत्र मगसिंह राजपूत ने दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि उसका

■ **किसान अपने ही नलकूप पर कृषि कार्य कर रहा था**

भाई प्रतापसिंह सुबह नलकूप पर कृषि कार्य कर रहा था। शुक्रवार को हल्की बरसात हुई थी, जिससे जमीन गीली थी। डिग्गी के पोल के बंधी ताण के पास से वह निकल रहा था तभी करंट की चपेट में आ गया। जमीन गीली होने के कारण पोल से बंधी ताण में करंट आने लगा था। हादसे के बाद परिजन उसे बाप स्थित सरकारी अस्पताल ले आए। यहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम करवाने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

बाइक की टक्कर से राहगीर की मौत

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में छावनी में बीती रात को बाइक की टक्कर से एक राहगीर घायल हो गया। इसकी सूचना मिलने के बाद परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची और उसे सआदत लाया गया। जहां उसकी कुछ देर बाद ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। शनिवार को सुबह पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सदर थाने के सहायक उप निरीक्षक बाबू लाल खटाना ने बताया कि रमेश चंद (50) पुत्र भैरु लाल महावर कल देर शाम करीब साढ़े सात बजे खाना खाने के बाद घर से छावनी की ओर टहलने गया था। इस दौरान पीछे से बाइक ने टक्कर मार दी। बाइक सवार मौके से बाइक के साथ फरार हो गया। इस हादसे में रमेश चंद महावर गंभीर घायल हो गया। इसका पता लगने के बाद पुलिस, परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सआदत अस्पताल पहुंचाया। जहां कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस इस मृतक के बडे बेटे विजय की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

वॉरियर्स ने मुंबई को दी टूर्नामेंट की पहली हार

मुंबई, 18 मार्च। यूपी वॉरियर्स ने सोफी एक्लेस्टन (15/3) की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद ताहलिया मैक्ग्रा (38) और ग्रेस हैरिस (39) की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत विमेंस प्रीमियर लीग में शनिवार को मुंबई इंडियन्स पर पांच विकेट की शानदार जीत दर्ज की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई 127 रन पर ऑलआउट हो गयी। वॉरियर्स ने मुंबई की कसी हुई गेंदबाजी के बावजूद 128 रन का लक्ष्य तीन गेंद रहते हासिल कर लिया।

एक्लेस्टन ने स्पिनरों के लिये मददगार पिच का भरपूर फायदा उठाते हुए चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर तीन विकेट लिये। राजेश्वरी गायकवाड़ ने चार ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिये, जबकि अंजली सरवानी ने दो ओवर में 10 रन देकर एक विकेट चटकाया। दीप्ति शर्मा के चार ओवर में 35 रन बने लेकिन वह भी दो विकेट चटकाने में सफल रहीं।

मुंबई के लिये सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने 30 गेंद पर सर्वाधिक 35 रन बनाये, जबकि इसी वॉन्ग ने अंत में 19 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 32 रन की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

वॉरियर्स के लिये लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं रहा और हैरिस ने इसके बाद चौथे विकेट के लिये 44 रन की साझेदारी बुनकर वॉरियर्स को संबल दिया। मैक्ग्रा का विकेट गिरने के बाद हैरिस ने दीप्ति शर्मा (13 नाबाद) के साथ भी 34 रन की साझेदारी की। जीत के करीब पहुंचकर हैरिस अपना विकेट गंवा बैठीं, लेकिन एक्लेस्टन ने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का जड़कर वॉरियर्स को जीत दिलाई। यह डब्ल्यूपीएल के छह मुकाबलों में मुंबई की पहली हार है, हालांकि वह अब भी 10 अंक के साथ तालिका में पहले स्थान पर है। वॉरियर्स छह मैच में छह अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर कायम है।

वॉरियर्स ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कप्तान एलीसा हीली की सोच थी कि वह मुंबई पर दबाव बनाकर उसे छोटे स्कोर पर रोकेंगी। अंजलि और गायकवाड़ की जोड़ी ने पावरप्ले में इस योजना को अमलीजामा पहनाया।

सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने चौथे ओवर में ग्रेस हैरिस को दो छक्के जड़े, लेकिन यास्तिका भाटिया को रन बटोरने के लिये संघर्ष करना पड़ा। अंजलि ने पांचवें ओवर में यास्तिका (15 गेंद, सात रन) के संघर्ष को समाप्त करते हुए उन्हें बोल्ड किया, जबकि मुंबई पावरप्ले में सिर्फ 31 रन जोड़ सकी। इससे पहले कि मुंबई पारी की रफ्तार बढ़ा पाती, एक्लेस्टन ने नैट सिवर ब्रंट को पांच रन के स्कोर पर पगबाधा कर दिया।

मैथ्यूज ने 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति को छक्का जड़ा, हालांकि लगातार बड़ा शॉट मारने की ललक उनके विकेट का कारण बनी। वह एक्लेस्टन की छोटी गेंद पर बड़ा शॉट मारने के प्रयास में विकेटकीपर एलीसा हीली को कैच दे बैठीं।

मैथ्यूज की तरह अमेलिया केर भी गायकवाड़ को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में तीन रन पर पवेलियन लौट गयीं। यहां से मुंबई की पारी को संभालने की जिम्मेदारी हरमनप्रीत कौर पर थी लेकिन उनके विकेट के साथ मुंबई की आधी टीम पवेलियन लौट गयी। हरमनप्रीत ने 22 गेंद की अपनी पारी में तीन चौकों सहित 25 रन बनाये।

मुंबई के पांच विकेट 81 रन पर गिरने के बाद हालांकि इसी वॉन्ग ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। एक तरफ जहां अमनजोत कौर, हुमैरा काज़ी और धारा गुज्जर छोटे स्कोर पर आउट हो गयीं, वहीं वॉन्ग ने पार्शवी चोपड़ा को 15वें ओवर में दो चौके जड़े। वॉन्ग ने 20वें ओवर की शुरुआती दो गेंद पर एक छक्का और एक चौका जड़ा, हालांकि तीसरी गेंद पर दीप्ति के अचूक निशाने ने उन्हें रनआउट कर दिया। पारी की आखिरी गेंद पर दीप्ति ने इसी तरह साइका इशाक को रनआउट किया और मुंबई की पारी 127 रन पर सिमट गयी।

अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मुंबई के गेंदबाजों ने उनके लिये जीत को मुश्किल बनाने का हर संभव प्रयास किया। सिवर-ब्रंट ने पहले ओवर में सिर्फ एक रन दिया, जबकि मैथ्यूज ने दूसरे ओवर में वाइड के माध्यम से एक रन देने के अलावा देविका वैद्या को भी पवेलियन लौटाया।

किरण नवगिरे ने तीसरे ओवर में आक्रामकता की झलकियां दिखाते हुए सिवर-ब्रंट को चौका जड़ा। इस ओवर में हीली और नवगिरे को एक-एक जीवनदान मिला, हालांकि दोनों ही बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सकीं। नवगिरे 16 गेंद पर 12 रन (एक चौका, एक छक्का) बनाकर जबकि हीली 10 गेंद पर आठ रन (एक चौका) बनाकर आउट हो गयीं।

हैरिस और मैक्ग्रा ने हालांकि इसके बाद पारी को संभाल लिया। मैक्ग्रा ने नौवें ओवर में वॉन्ग को एक चौका और एक छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिये, हालांकि हैरिस को पिच पर पांव जमाने में समय लगा। मैक्ग्रा-हैरिस के बीच 44 रन की साझेदारी में हैरिस ने 11 रन का योगदान दिया, जबकि मैक्ग्रा ने 25 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की बदौलत 38 रन बनाये।

मैक्ग्रा के आउट होने के बाद तेजी से रन बनाने का जिम्मा हैरिस ने अपने हाथों में ले लिया। शुरुआती 13 गेंद पर मात्र 11 रन बनाने वाली हैरिस ने 16वें ओवर में केर का शिकार होने से पहले 28 गेंद पर सात चौके जड़कर 39 रन बना डाले। वॉन्ग ने लॉन्ग-ऑन पर दौड़ते हुए कैच लपककर हैरिस को पवेलियन लौटाया, हालांकि इस समय तक वॉरियर्स 105 रन बना चुका था और उसे 26 गेंद में मात्र 23 रन की दरकार थी।

एक्लेस्टन ने 18वें ओवर में और दीप्ति ने 19वें ओवर में चौका जड़कर अपनी टीम को जीत के करीब कर दिया। वॉरियर्स को आखिरी ओवर में पांच रन चाहिये थे। वॉन्ग ने पहली दो गेंदें डॉट फेंकीं लेकिन एक्लेस्टन ने तीसरी गेंद पर छक्का जड़कर मुंबई को डब्ल्यूपीएल की पहली हार सौंप दी।

केर (दो विकेट) और साइका ने इस हार में सराहनीय गेंदबाजी करते हुए अपने-अपने चार ओवरों में 22-22 रन दिये। सिवर ब्रंट (चार ओवर, 24 रन), मैथ्यूज (चार ओवर, 26 रन) और इसी वॉन्ग (2.3 ओवर, 24 रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

आस्ट्रेलिया से दूसरा वनड़े आज

भारत की निगाहें वनडे श्रृंखला कब्जाने पर

विशाखापत्तनम, 18 मार्च। भारतीय टीम रविवार को जब दूसरे वनडे में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने उतरेगी तो फिर से सभी की नजरें लोकेश राहुल और रविंद्र जडेजा पर लगी होंगी जिसमें नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी टीम की अगुआई के लिये वापसी करेंगे जो मुंबई में पहला मैच नहीं खेल पाये थे।

भारत ने वानखेडे स्टेडियम में आस्ट्रेलिया को कम स्कोर वाले मैच में पांच विकेट से पराजित किया था जिसमें राहुल ने नाबाद 75 रन की संयमित पारी खेली थी। वह बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान फॉर्म हासिल करने में जूझते दिखे थे जिससे उन्हें तीसरे और चौथे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था।

जडेजा भी घुटने की चोट और फिर हुई सर्जरी के कारण करीब आठ महीने के बाद वनडे क्रिकेट खेल रहे थे, उन्होंने शुक्रवार को नाबाद 45 रन बनाये थे। उन्होंने साथ ही कसी गेंदबाजी करते हुए 46 रन देकर दो विकेट झटके जिससे 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने।

भारत इस साल वनडे विश्व कप की मेजबानी कर रहा है और फॉर्म में चल रहे राहुल और पूरी तरह से फिट जडेजा टीम के लिये महत्वपूर्ण होंगे। तीन मैचों की यह श्रृंखला चयनकर्ताओं को इन दोनों की प्रगति का आकलन करने में मदद करेगी।

वहीं भारतीय टीम इस मुकाबले में जीत से श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी और बल्लेबाजी में भी सुधार करना चाहेगी क्योंकि एक समय टीम ने 39 रन तक चार विकेट गंवा दिये थे और बाद में स्कोर पांच विकेट पर 83 रन हो गया था जिसके बाद राहुल और जडेजा ने मिलकर मेजबान टीम को 61 गेंद रहते जीत दिलायी थी।

कप्तान रोहित शर्मा की वापसी से निश्चित रूप से शीर्ष क्रम मजबूत होगा जो आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की रफ्तार और 'वैरिएशन' के आगे पस्त हो गया था।

मार्कस स्टोइनिस ने इशान किशन को तीन रन पर आउट कर दिया था। फिर स्टार्क ने तीन विकेट झटक लिये थे जिससे भारत काफी दबाव में आ गया था। विराट कोहली (04), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और शुभमन गिल (20) जल्दी पवेलियन लौट गये थे।

भारतीय बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ कभी कभार परेशानी में दिख रहे थे और बचे हुए दो मैचों में स्टार्क का सामना करने से उन्हें घरेलू परिस्थितियों में अच्छा अभ्यास मुहैया करायेगा क्योंकि ध्यान अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये तैयारियां करने पर लगा होगा।

रोहित पारी का आगाज करेंगे जिससे किशन को नियमित कप्तान के लिये जगह बनानी होगी।

कोहली और गिल के पहले वनडे में कम स्कोर बनाने को लेकर ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं है लेकिन सूर्यकुमार यादव 50 ओवर के प्रारूप में अपनी लय हासिल नहीं कर पा रहे हैं जो चिंता का कारण बन सकता है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में विस्फोटकीय बल्लेबाजी के लिये मशहूर सूर्यकुमार अब भी वनडे में वैसी ख्याति अर्जित नहीं कर पाये हैं। इस साल सभी पांच वनडे में वह अर्धशतक नहीं जड़ पाये हैं।

श्रेयस अय्यर की वापसी के लिये कोई समयसीमा निर्धारित नहीं है, भारत चौथे नंबर के लिये सूर्यकुमार पर बरकरार रहेगा।

भारत के गेंदबाजों ने मुंबई में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर बेहतरीन गेंदबाजी की। लेकिन कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव प्रभावित नहीं कर सके।

हालांकि टीम प्रबंधन के गेंदबाजी लाइन अप में छेड़छाड़ करने की उम्मीद नहीं है जिसमें हार्दिक पंड्या तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभायेंगे।

दूसरे वनडे के लिये मौसम की भविष्यवाणी आंधी के साथ बारिश की है जिसका मतलब है कि दोनों टीमों के तेज गेंदबाज गेंद को स्विंग कर सकते हैं।

आस्ट्रेलिया भी श्रृंखला के दौरान अलग संयोजन आजमाने की कोशिश करेगा। शुक्रवार को वे चार आलराउंडर - मिशेल मार्श, कैमरन ग्रीन, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल - के साथ उतरे थे। इससे वे भारत को ज्यादा परेशान नहीं कर सके थे जो कप्तान स्टीव स्मिथ के लिये चिंता की बात होगी।

विलियम्सन, निकोल्स के दोहरे शतक, न्यूजीलैंड 554 रन से आगे

वेलिंगटन, 18 मार्च। न्यूजीलैंड ने केन विलियम्सन (215) और हेनरी निकोल्स (200 नाबाद) के दोहरे शतकों की बदौलत श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को 580 रन का स्कोर खड़ा करके मुकाबले को अपनी गिरफ्त में कर लिया। श्रीलंका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले 26 रन पर दो विकेट गंवा दिये और उस पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होने का संकट मंडरा रहा है।

पहले टेस्ट में मैच-जिताऊ शतक जड़ने वाले विलियम्सन ने यहां भी अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन करते हुए 296 गेंद पर 23 चौकों और दो छक्कों के साथ 215 रन बनाये। निकोल्स ने उनका साथ दिया और न्यूजीलैंड की पारी घोषित होने पर 200 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोल्स ने 240 गेंद की पारी में 15 चौके और चार छक्के जड़े।

न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत 155/2 से की और विलियम्सन ने 26 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए अटूट धैर्य का प्रदर्शन किया। उन्होंने बिना कोई जोखिम लिये अपना 28वां टेस्ट शतक जड़ा और फिर उसे छठे दोहरे शतक में तब्दील किया।

सीएसके की निगाहें 'मेजर लीग क्रिकेट' की टेक्सास टीम में हिस्सेदारी पर, जल्द होगी घोषणा

चेन्नई, 18 मार्च। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की छह टीमों में से एक टेक्सास टीम में हिस्सेदारी हासिल करने पर नजर लगाये है।

चार बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता टीम सीएसके ने शनिवार को खुलासा किया कि वे अमेरिका में नये टी20 टूर्नामेंट के साथ अपने जुड़ाव के संबंध में 'बड़ी घोषणा' जल्द ही करेंगे।

लिवरपूल मिडफील्डर लीवा ने दिल की बीमारी के बाद संन्यास लिया

पोर्तो एलेग्रे, 18 मार्च। ब्राजील, लिवरपूल और लाजियो के पूर्व मिडफील्डर 36 वर्षीय लुकास लीवा ने नियमित चिकित्सा परीक्षणों में दिल की बीमारी का पता लगने के बाद शुक्रवार को फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की।

उन्होंने ब्राजील के क्लब ग्रेमियो में संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने 2005 में इस क्लब से अपने करियर की शुरुआत की थी और यहीं उनका फुटबॉल सफर समाप्त हुआ। लीवा ने 2007 से 2017 के बीच लिवरपूल का प्रतिनिधित्व किया और वह 2012 में इंग्लिश प्रीमियर लीग जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे थे। वह पांच सीजन के लिये लाजियो में शामिल हुए और 2019 में इटालियन कप जीता। रक्षात्मक मिडफील्डर पिछले साल ग्रेमियो में लौट आये थे।

एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल की जर्सी के नंबर 'रिटायर' करेगा आरसीबी

बेंगलुरू, 18 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल द्वारा पहनी गयी जर्सी के नंबर को 'रिटायर' कर देगा जब इन दोनों महान क्रिकेटरों को 26 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम के 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया जायेगा।

आरसीबी ने ट्वीट किया, "जर्सी नंबर 17 और 333 को हमेशा के लिये 'रिटायर' (अलविदा) कर दिया जायेगा।"

संक्षिप्त

वैभव जिलाध्यक्ष व अभिषेक उपाध्यक्ष

टोंक, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के वरिष्ठ उपाध्याख ओमप्रकाश गुप्ता, मंत्री अशोक गांधी, जिलाध्यक्ष रामजीलाल विजयवर्गीय, महामंत्री महेन्द्र दुसाद के निर्देशानुसार युवा वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष राजेश मंगल ने टोंक जिला कार्यकारिणी में कार्यकारी जिलाध्यक्ष पद पर वैभव पाटनी को एवं जिला उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक जैन को नियुक्त किया है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला

टोंक, (निसं)। नगर परिषद क्षेत्र के सिविल लाइन क्षेत्र में शनिवार को नगर परिषद की अतिकमण हटाने गई टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शहर के सिविल लाईन क्षेत्र में नगर परिषद की टीम अतिक्रमण प्रभारी व सहायक कर्मियों के साथ पहुंचे थे, जहां पर उनके साथ अतिक्रमियों ने हमला कर दिया और टीम को अतिक्रमण हटाने से रोक दिया। जिस पर नगर परिषद कर्मचारियों की टीम कोतवाली पुलिस पहुंच गई और पुलिस कार्यवाही में लगी हुई थी।

विधायक नागर ने जनसुनवाई की

फागी, (निसं)। विधायक बाबूलाल नागर ने शनिवार को फागी कस्बे के डाक बंगले में जनसुनवाई की। मुख्यमंत्री सलाहकार एवं क्षेत्रीय विधायक बाबूलाल नागर के दूदू को जिला घोषित करवाने के बाद फागी पहुंचने पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। साथ ही नियमित जनसुनवाई में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने तहेदिल से विधायक का आभार प्रकट किया। जनसामान्य की समस्याओं की ओर नागर ने तत्काल समाधान करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा निर्देश दिया।

वार्षिक उर्स स्थगित

मनोहरपुर, (निसं)। हज़रत सैय्यद लाल ख़ां बाबा उर्स कमेटी की बैठक सूफ़ी निज़ाम कादरी की अध्यक्षता में सैय्यद बाबा मार्केट में स्तिथ दरगाह प्रांगण में हुई जिसमें हर वर्ष की भांति 20 मार्च को भराया जाने वाला वार्षिक उर्स को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। सूफ़ी निजाम कादरी सदस्य शाहपुरा पंचायत समिति इन दिनों बीमार चल रहे हैं।

हाईवोल्टेज विद्युत लाइन के करंट से प्राईवेट लाइनमैन की मौत

आर्थिक सहायता की मांग कर रहे ग्रामीण व परिजनों पर पुलिस ने भांजी लाठियां

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के नमुकिया गांव के पास 33 केवी हाईवोल्टेज विद्युत लाइन पर रख रखाव का कार्य करने के दौरान विद्युत निगम के कार्मिक की लापरवाही से बिना सूचना के लाइन चालू कर देने से करंट की चपेट में आये प्राईवेट लाईनमैन रमेश कहार निवासी टोरडी की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

विद्युत पोल से नीचे गिरे कार्मिक को छोड़ निगम का स्थाई लाईनमैन कजोड गुर्जर मौके से भाग छूटा। रमेश कहार की मौत की सूचना पर परिजन व ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे व शव को कब्जे में ले आर्थिक सहायता की मांग को लेकर धरने पर बैठ गये। तकरीबन 4 से 5 घण्टे तक घटना स्थल पर शव के साथ धरना प्रर्दशन चलता रहा। तहसीलदार सहदेव मण्डा, विद्युत निगम एईएन हरिदत्त शर्मा, मालपुरा थानाधिकारी भुराराम खिलेरी धरना स्थल पर वार्ता के लिए पहुंचे व प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों व परिजनों से समझाईश का प्रयास किया।

धरने पर बैठे ग्रामीणों व परिजनों पर पुलिस प्रशासन ने लाठियां चला कर भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया।

लेकिन परिजन व ग्रामीण 25 लाख की आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी की मांग पर अडे रहे। दो घण्टे तक समझाईश वार्ता विफल हो जाने पर प्रशासन ने उच्चाधिकारीयों को मामले से अवगत करवा भीड़ को हटा शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया।

इसी दौरान ग्रामीणों की भीड में से तहसीलदार की गाड़ी पर आकर गिरे पत्थर को देख मौजूद पुलिस जवान व अधिकारी हडबडाहट में भीड पर बल प्रयोग शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा भीड़ को तितर -बितर करने के लिए लाठियां भाजंना शुरू किया तो पास ही सड़क पर निर्माण कार्य के लिए लगे पत्थरों के ढेर से ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू

- **ग्रामीणों ने पुलिस व प्रशासन पर किया पथराव, आधा दर्जन से अधिक घायल**

कर दिया। जो कि तकरीबन 10 से 15 मिनट तक चला। पुलिस की लाठियों के हमले में मृतक की पत्नी दुर्गा देवी कहार, मामा भोजराज कहार, महिला छोटी कहार सहित तीन चार अन्य महिला पुरूष घायल हो गये। वहीं भीड के पथराव में डिग्गी थानाधिकारी कप्तान सिंह, कांस्टेबल गिरीराज व दो अन्य कांस्टेबल भी घायल हो गये। मौके पर हालात तनावपूर्ण होते देख अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राकेश कुमार बैरवा, एसडीएम महिपाल सिंह, पुलिस उपाधिक्षक सुशील मान मालपुरा आरएसी, लाम्बाहरिसिंह, डिग्गी व मालपुरा थाने के जाब्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारीयों ने मृतक के परिजन व मौजूद नरेन्द्र सिंह आमली व ग्रामीणों के प्रतिनिधि मण्डल से समझाईश वार्ता की। तकरीबन एक घण्टे की वार्ता के बाद एसडीएम महिपाल सिंह द्वारा 11 लाख रूपये की प्रशासनिक सहायता सात दिवस में देने तथा, 5 लाख रूपये विद्युत निगम व 5 लाख रूपये मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना से मृतक के परिजनों को कुल 21 लाख रूपये की सहायता दिलवाये जाने के आश्वासन तथा ग्रामीणों पर किसी प्रकार के पुलिस मुकदमें दर्ज नहीं करने के आश्वासन पर सहमति बनी। देर रात को दोनो पक्षों में सहमति के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले मालपुरा अस्पताल की मोंचरी में रखवाया।

सूचना पर विधायक कन्हैयालाल चौधरी मालपुरा अस्पताल पहुंच मृतक के परिजनों व ग्रामीणों से घटनाक्रम की जानकारी ले मृतक की पत्नी, मामा व ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किये जाने की कडे शब्दों में निन्दा कर ग्रामीणों पर किसी प्रकार की पुलिस कार्यवाही नही करने के लिए पुलिस व प्रशासन के अधिकारीयों से आग्रह किया।

मंत्री राजेंद्र यादव का जगह-जगह स्वागत

पावटा, (निसं)। कोटपूतली के जिला बनने की घोषणा के बाद गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के पहली बार अपने गृहक्षेत्र में लौटने पर विभिन्न स्थानों पर डीजे और गाजे-बाजे के साथ ग्रामीणों और आमजन ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान गृह राज्यमंत्री का भाबरु, बागावास, आतेला, बावडी, पावटा, प्रागपुरा, पाथरेडी के मुख्य बस स्टैंड व चौराहों पर हजारों की संख्या में आमजन ने पुष्प वर्षा कर और 51 और 101 किलो की माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान राजेंद्र यादव ने मुयमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताते हुए कहा कि कोटपूतली क्षेत्र की 70 साल पुरानी मांग को पूरी करते हुए क्षेत्र के विकास में नए आयाम स्थापित किए हैं। मंत्री यादव ने गहलोत सरकार को आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर होने की बात कहीं। इस मौके पर पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा, लाडाका बास पूर्व सरपंच मदन यादव, डॉ सुरेंद्र यादव, नित्येंद्र मानव, विनोद यादव, मनोज अग्रवाल, बजरंग सिंह फतेहपुरा, रतिराम पटवारी, विकास यादव, महेंद्र यादव, संजय सैनी पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवम उनकी टीम व जनप्रति निधियों व ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

जनता क्लीनिक का शुभारंभ

राजगढ़, (निसं)। कस्बे में क्षेत्रीय विधायक जौहरी लाल मीणा ने बड़ा गणपति मंदिर के समीप जनता क्लीनिक का शनिवार को शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनता क्लीनिक से आसपास के मरीजों सहित अन्य रोगियों को उपचार में मदद मिलेगी।

बहरोड़-नीमराना को जिला नहीं बनाने पर ज्ञापन दिया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। जिला बनाओ संघर्ष समिति बहरोड़-नीमराना के संयोजक बस्तीराम यादव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस पार्टी सहित क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ नागरिकों सहित क्षेत्र की जनता ने बहरोड़ नीमराना को जिला ना बनाकर राठ क्षेत्र की पहचान मिटाने के विरोध में नीमराणा कस्बे के उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर काले दिवस के रूप में विरोध प्रदर्शन किया।

एक तरफ जहां बहरोड़ नीमराना जिला बनाओ संघर्ष समिति संयोजक बस्तीराम यादव ने पांचों तहसीलों के बहरोड़, मुंडावर, बानसूर, कोटकासिम, नीमराना के सभी जनप्रतिनिधियों मेजर ओपी यादव मुंडावर, शकुंतला रावत बानसूर तथा करण सिंह यादव एवं डॉ जसवंत यादव सहित अन्य सभी प्रधान व सभी जनप्रतिनिधियों ने एक राय होकर ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री को अवगत कराया

नीमराना में लोगों ने प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया।

कि 20 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंडीगढ़ की तर्ज पर बहरोड़ नीमराना को जिला बनाने की बात करने का स्वांग दिखाकर अब राठ क्षेत्र के नाम का नामोनिशान मिटाकर बहरोड़ नीमराना के जिला बनने के सपने को भूमाफिया की भेंट चढ़ा दिया। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की युवा नेत्री नीलम यादव सहित जिला अध्यक्ष प्रथम बलवान सिंह यादव, जिलाध्यक्ष उमेद भाया, देवेंद्र यादव आदि वरिष्ठ भाजपाईयों के नेतृत्व में बहरोड़ नीमराना को जिला बनाने की लंबे वर्षों से चल रही मांग को जिला ना बनाकर अपमान करने की बात करते हुए राठ के हक, अधिकार और सम्मान के लिए जिले की मांग करते हुए उपखंड अधिकारी नीमराना को सैकड़ों राठ क्षेत्र के नागरिकों के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

पोक्सो एक्ट पीड़ित को आरोपी के चाचा चिकित्सक ने दूरभाष पर धमकी दी

दौसा, (निसं)। लालसोट उपखंड स्थित झापदा थाना क्षेत्र के एक गांव के पोक्सो एक्ट से पीड़ित को आरोपी युवक के रिश्ते में चाचा लगने वाले राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत डॉ. मुकेश मीणा द्वारा इनके परिवार के सवासा ग्राम पंचायत सरपंच की शिकायत करने पर एक अन्य व्यक्ति को दूरभाष पर लेकर जमकर धमकाया गया।

पोक्सो एक्ट के आरोपी के चाचा सरकारी चिकित्सक द्वारा इस तरह फोन पर धमकाने के बाद पीड़ित परिवार डरा सहमा हुआ है। पीड़ित बालिका के पिता ने बताया कि ग्राम पंचायत सवासा द्वारा

- **धमकाने वाला पापड़दा में है सरकारी चिकित्सक**

पोक्सो एक्ट के जिंदा आरोपी को फायदा पहुंचाने की गरज से सरपंच द्वारा उसके परिवार का सदस्य होने के साथ सारा मामला जानकारी में होने के बाद भी जानते बुझते पोक्सो एक्ट के जिंदा आरोपी का गलत तरीके से गलत तथ्यों के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने के लिए निर्झरना तहसील प्रशासन को अनुशंसा कर दी गई थी। इसके बाद निर्झरना तहसील प्रशासन द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच कराने पर पोक्सो एक्ट के आरोपी के जिंदा पाए जाने एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए गलत जारी हुई अनुज्ञा को आनन-फानन में निरस्त किया गया।

वहीं ग्रामीणों द्वारा इस मामले को लेकर धरना प्रदर्शन के बाद तहसील प्रशासन द्वारा किए गए फर्जीवाड़े का मुकदमा झापदा थाने में भी दर्ज कराया गया था। अब लगातार हो रही शिकायतें एवं ग्रामीणों के लामबंद होने के साथ कार्रवाई होती देख इस मामले को दबाने की कोशिश के साथ आरोपी के चाचा सरकारी चिकित्सक मुकेश मीणा द्वारा पीड़ित परिवार को धमकाते हुए इस तरह की जाने वाली शिकायतें नहीं करने एवं इस मसले से दूर रहने के लिए दूरभाष पर धमकाया गया। वहीं सरकारी चिकित्सक द्वारा पोक्सो एक्ट के पीड़ित को धमकाते हुए कहा कि कितनी ही शिकायतें कर लो उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। पीड़ित ने बताया कि एक तो पेसे से सरकारी चिकित्सक एवं दूसरी ओर उनको दूरभाष पर धमकाने के बाद उनका परिवार घर से बाहर निकलने तक में असुरक्षित महसूस कर रहा है। पीड़ित ने सुरक्षा व कार्रवाई की मांग की है।

लोगों ने विधायक खैरिया का स्वागत किया

किशनगढ़ बास/खैरथल, (निसं)। अलवर जिले के किशनगढ़बास विधानसभा के खैरथल को जिला बनाए जाने की घोषणा ने जिले के सत्तारूढ दल से लेकर विपक्ष तक के नेताओं को चौंका दिया है। अब तो हर एक व्यक्ति की जुबान पर एक ही बात है भाई सीएम ने कमाल कर दियो।

विधायक दीपचंद खैरिया पर राजस्थान की विधानसभा में नहीं बोलने के आरोप लगे। विपक्ष कहता जनता की मांगों को लेकर विधायक बोलता नहीं। जवाब में हमेशा खेरिया कहते मुझे जब सब कुछ बिना बोले ही मिल जाता है तो मैं क्यों बोलूं।

खैरथल में राजकीय महाविद्यालय खैरथल में सेटेलाइट हॉस्पिटल खैरथल में तहसील और अब खैरथल को जिला बनाने की सौगात मिलने से हर कोई खुशी से झूम रहा है।

विधायक दीपचंद खैरिया जब किशनगढ़ बास और खैरथल के बाजार में कार्यकर्ताओं के साथ निकले तो लोगों ने विधायक का दिल से स्वागत किया। इस दौरान जगह जगह पुष्प वर्षा की गई। दुकान दुकान लोगों ने मालाएं पहनाई साफा पहनाया और मुंह मीठा कब करा कर जिला बनाए जाने पर बधाई दी।

किशनगढ़ बास में स्वागत के दौरान विधायक के साथ प्रधान बद्री प्रसाद सुमन उमेश यादव कैलाश बत्रा राजेंद्र सिंघल त्रिभुवन शर्मा वीरेंद्र सोनी संदीप अग्रवाल संदीप पाटिल सहित अनेक कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

अस्पताल में उपकरणों का लोकार्पण किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमू उपखण्ड के गांव सामोद के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विधायक कोष से करवाए गए चिकित्सा उपकरणों के विस्तार कार्यों का लोकार्पण शनिवार को विधायक रामलाल शर्मा और गोविन्दगढ़ पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव ने किया।

विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा विधायक कोष से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सामोद के नवनिर्मित भवन के वार्ड और ऑपरेशन थियेटर में सेंट्रल ऑक्सीजन पाइप लाइन कार्य के लिए 5 लाख रुपये, आधुनिक एक्सरे मशीन मय सीआर सिस्टम स्थापित करने के लिए 6 लाख रुपये और इमरजेंसी यूनिट, आईसीयू, लेबर रूम, नवजात शिशु नर्सरी यूनिट, ओटी, वेल्टीनेटर, 24 कंस्ट्रेटर, 2 ऑक्सीजन सिलेंडर, 8 ऑक्सीजन रेगुलेटर एवं अन्य चिकित्सा उपकरणों के 23 लाख 81 हज़ार रुपयों की लागत सुविधाओं का विस्तार किया गया है। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाये मिलेगी और ग्रामवासियों को इलाज में सुगमता मिलेगी। साथ ही सेंट्रल ऑक्सीजन सिस्टम चालू होने के साथ मरीजो को पहले की अपेक्षा बेहतर सुविधा मिलेगी। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सामोद के नवीन भवन का निर्माण कार्य विधायक रामलाल शर्मा के प्रयासों से हुआ था।

सी.सी रोड़ निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

देवली, (निसं)। सीसी रोड निर्माण कार्यों की शर्तों और नियमों को यहां ताक में रखकर पालिका के चहेते ठेकेदार अपने मन मुताबिक निर्माण कार्य करके पालिका कोष को चूना लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला फिर से सामने आया है। स्थानीय कब्रिस्तान के मार्ग पर पालिका की ओर से सीसी रोड निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें कार्य आदेश, जी शेड्यूल व ड्राइंग से विपरीत

- **जानकारी होने के बावजूद अधिकारी नहीं ले रहे जायजा**

सीसी निर्माण कार्य किए जाने की परिस्थितियां दिखाई दी गई है।

लोगों का मानना है कि कब्रिस्तान मार्ग पर सीसी रोड निर्माण कार्य में घटिया मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है। निर्माण कार्य में बरती जा रही कोताही की जानकारी से संबंधित अधिकारी बखूबी वाकिफ है। इसके बावजूद पालिका प्रशासन ऐसे हालातों का जायजा लेना तक उचित नहीं समझ रहा है। पालिका प्रशासन ने लाखों रुपए की लागत से कब्रिस्तान मार्ग पर सीसी रोड निर्माण में ठेकेदार को रोड निर्माण ड्राइंग, जीशेड्यूल, कार्य स्टीमेट के

देवली के कब्रिस्तान मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाई जा रही है।

अनुसार सीसी रोड का निर्माण किए जाने के लिए कार्य आदेश जारी किया है। यहां ठेकेदार ने पालिका प्रशासन की शर्तों को ताक में रखकर निर्माण कार्य किए जाने में अपनी बद नियती दर्शाई हुई है। यह क्षेत्रवासियों का मानना है कि सीसी रोड का निर्माण कार्य रोड निर्माण ड्राइंग और स्टीमेट जी शेड्यूल व कार्य आदेश के अनुरूप नहीं हो रहा है। वहीं रोड निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि शहर के जयपुर चुंगी नाका स्थित कब्रिस्तान के पुराने मार्ग पर फिर से सीसी रोड निर्माण कार्य पालिका द्वारा करवाया जा रहा है। इधर रोड निर्माण विशेषज्ञों ने बताया कि सीसी रोड निर्माण नियम के अनुसार सीसी रोड बनाए जाने से पहले पुराने रोड की खुदाई करना अनिवार्य होता है। जबकि ठेकेदार ने इस कार्य में महज खानापूर्ति की है।

उक्त निर्माण कार्य में आशंका यह भी व्याप्त हो रही है कि जी शेड्यूल और रोड ड्राइंग के अनुरूप रोड की मोटाई भी कम रखी जा रही है। तो वही सीसी रोड निर्माण के मटेरियल में सीमेंट की कमी पर भ्रष्टाचार की नीति बनाई हुई है। सीसी रोड निर्माण कार्य में हो रही अनियमितताओं को लेकर जब पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से मोबाइल पर संपर्क साधना चाहा तो अधिकारी ने हर बार फोन को काट दिया। ऐसे में अधिकारी के व्हाट्सएप पर अधिकारी को उक्त हालात की फोटो डाली गई एवं मामले में क्या कार्रवाई हो होगी इसकी जानकारी चाही गई परंतु अधिकारी के द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री गहलोत का पुतला फूंका

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा एवं सांभरलेक के विभिन्न संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा फुलेरा-सांभर को जिला बनाने की मांग लम्बे समय से चली आ रही है। जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा फुलेरा विधानसभा में सांभर-फुलेरा को जिला ना बनाकर दूदू को जिला बनाने के निर्णय पर शनिवार को सायं 4:30 बजे कस्बे के गांधी चौक में फुलेरा भाजपा मण्डल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया।

वहीं थानाधिकारी हनुमान सहाय को उपखण्ड अधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि विधानसभा में फुलेरा-सांभर को जिला बनाने के मामले को कई बार उठाया गया है।

सांभर फुलेरा शुरू से ही उपखण्ड मुख्यालय रहा है। साथ ही उपखण्ड मुख्यालय जिला बनने की सभी योग्यताएं भी पूर्ण करता है। वहीं मुख्यमंत्री पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए बताया कि दूदू करीब 35 दिन पहले जो ग्राम पंचायत था, फरवरी माह में नगर पालिका और अब उसको आज जिला बना दिया।

इसको लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला फूंककर मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस अवसर पर पार्षद सरदार चौधरी, पूजा भाटी, जितेन्द्र वर्मा, अभिषेक वर्मा, संजय पारीक, रतन राजौरा, सुरेश मिश्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सार-समाचार

कॉलेज में विदाई समारोह आयोजित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे की महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज में विदाई समारोह "फ्यूज़न 2023" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक वीरेन्द्र यादव ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रो. हरफूल सिंह डीन- राजकीय कृषि महाविद्यालय प्रीतमपुरी, डॉ. हरिशंकर यादव सहायक आचार्य राजकीय पीजी महाविद्यालय नीमकाथाना, निदेशक मोहर सिंह खर्रा, सचिव गीता खर्रा, प्राचार्य डॉ वी.के. सैनी व उपप्राचार्य विजेंद्र कुमार द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम प्रभारी व्याख्याता प्रमोद वर्मा ने बताया कि सांस्कृतिक प्रभारी प्रमोद वर्मा के सानिध्य में फ्यूज़न 2023 विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई। व्याख्याता आंनद बबेरवाल ने बताया कि राहुल रॉय मिस्टर फ्यूज़न व शिवानी जांगिड़ मिस फ्यूज़न 2023 चुनी गई। विभिन्न प्रतियोगिता के तीन राउंड कराए गए जिसमें तृतीय राउंड में विजेता को मिस्टर व मिस का खिताब दिया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन व्याख्याता प्रमोद वर्मा व सलोनी चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में एंकर संदीप, करन प्रकाश, शिवानी जांगिड़, आकाश सैनी थे। निर्णायक मंडल में भगवती कुमावत व विष्णु शर्मा थे। उत्कर्ष कार्यक्रम का ख़िताब (छात्र वर्ग में) हिंदुस्तानी ग्रुप को दिया गया। छात्रा वर्ग में सुनीता चौधरी को दिया गया।

7 मामलों का निस्तारण किया

बस्सी, (कासं)। बस्सी उपखंड के ग्राम पंचायत जटवाड़ा केन्द्र पर शनिवार को जिला विधिक प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम के तत्वावधान में डोर स्टेप काउंसलिंग के लिए कैम्प कोर्ट का आयोजन आशीष जयपाल न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम की अध्यक्षता में किया गया। ग्राम न्यायालय के माध्यम से पक्षकारों में आपसी सुलह कराकर 7 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में पक्षकारों के मध्य राजीनामा कराकर कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। ये मामले मारपीट व एक्सीडेंट के थे। शिविर में आये पक्षकारों व उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत, मध्यस्थता केन्द्र आदि लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत जटवाड़ा के सरपंच रामविलास सैनी व न्यायालय के कर्मचारी मौजूद थे।

ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशियां मनाई

पावटा, (निसं)। शुक्रवार को बजट के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कोटपूतली के जिला बनने की घोषणा व विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य घोषणाएं करते हुए पावटा प्रागपुरा नगरपालिका को चतुर्थ श्रेणी से उच्च श्रेणी में क्रमोन्नत, साईवाड पीएचसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत, विराटनगर में देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय की घोषणा, 20.55 करोड की लागत से सडकों की घोषणा, ग्राम खातोलाई को ग्राम पंचायत बनाए जाने पर लोगों ने पटाखे फोड और मिठाई बांटकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, गृह व उच्च शिक्षामंत्री राजेंद्र यादव, विधायक इंद्राज गुर्जर के साथ कांग्रेस के नारे लगाए। इस अवसर पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि यह बजट अपने आप में एक ऐतिहासिक बजट है। इस बार बजट में ऐसी ऐसी घोषणा की गई है। जिसकी शायद किसी को उमीद भी नहीं थी।

एस.पी. ने थाने का निरीक्षण किया

नारायणपुर, (निसं)। अलवर पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने शनिवार को नारायणपुर पुलिस थाने का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया । एसपी शर्मा के थाने में पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। इसके बाद एसपी ने पुलिस थाने का निरीक्षण किया। एसपी ने पुलिस जवानों को बेहतर पुलिसिंग के लिए विशेष निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान कक्ष, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, हवालात, कम्प्यूटर रूम आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि पुलिस थाने में आने वाले फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए तथा उसका समय पर निस्तारण किया जाए। इस मौके थानागाजी सीओ मनराज मीणा, नारायणपुर थानाधिकारी शिवशंकर चतुर्वेदी, थानागाजी थाना प्रभारी रामजीलाल सहित पुलिसकर्मी मौजूद थे ।

विप्र जनों ने जनसंपर्क किया

मंडावरी/लालसोट, (निसं)। जयपुर में आयोजित हो रहे विशाल विप्र महाकुंभ में सम्मलित होने के लिए मंडावरी लालसोट रामगढ़ पचवारा सहित विभिन्न जगहों पर विप्र जनों ने जनसंपर्क किया। रविवार को निर्धारित जगहों से सैकड़ों की संख्या में विभिन्न जगहों पर लगाए गए निजी वाहनों से भारी संख्या में विप्र जन जयपुर आयोजित हो रहे विप्र महाकुंभ में सम्मिलित होंगे। मंडावरी कस्बे में विप्र महाकुंभ में मंडावरी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सीताराम ढन्ढ उपाध्यक्ष हुकम हिन्डोनिया कोषाध्यक्ष रमेश ढन्ढ कैलाश पान वाले मनोज तिवारी सियाराम शर्मा चोन्डियावास शिवकुमार बंधु रामअवतार खुमचावाले रामचरण भेडोल्या बिरजू पानवाले आदि विप्र जनों द्वारा घर-घर जनसंपर्क कर कार्यक्रम की जानकारी दी गई एवं विप्र जनों खुद ज्यादा से ज्यादा विप्र महाकुंभ स्थल पहुंचकर एकता की ताकत दिखाने का आव्हान किया।

पोषाहार किटों का वितरण

लालसोट (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमात में प्राइमरी स्कूल के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शनिवार को सरकार से प्राप्त हुए स्पेशल सूखे पोषाहार किटों का वितरण किया गया। छात्र-छात्राओं को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका उषा शर्मा द्वारा विद्यालय के स्टाफ की मौजूदगी में पोषाहार की सूखी किटों का वितरण किया गया। छात्र छात्राओं को सरकार द्वारा प्राप्त पोषाहार की किटों में चना की दाल मूंग की दाल सोयाबीन का खाद्य तेल धनिया पाउडर हल्दी पाउडर लाल मिर्च जीरा नमक आदि प्रदान किए गए।

प्राइवेट अस्पतालों ने चिरंजीवी योजना का बहिष्कार किया

टोंक, (निसं)। प्राइवेट हॉस्पिटलों के संचालकों की शनिवार को हुई बैठक में आरजीएचएस और चिरंजीवी योजना का बहिष्कार करते हुए समस्त निजी अस्पताल अनिश्चितकाल के लिए पूर्णतया: बंद रखने का निर्णय लिया। अध्यक्ष उपचार टोंक डॉ. राजीव बंसल ने बताया कि बंसल हॉस्पिटल में बैठक हुई। जिसमें डॉ. सुरेंद्र अग्रवाल, डॉ. आशीष सिंहल, डॉ. चन्द्रभान, डॉ. सुभाष जैन, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. राजेश मालपनी की उपस्थिति में समस्त प्राइवेट हॉस्पिटल को पूर्णत: बंद रखने का निर्णय किया। समस्त प्राइवेट हॉस्पिटल टोंक की ओर से शनिवार को सुबह आठ बजे से सरकारी योजनाओं (आरजीएचएस और चिरंजीवी योजना) का बहिष्कार किया गया एवं शाम आठ बजे से समस्त प्राइवेट हॉस्पिटल (समस्त इमरजेंसी सर्विसेज सहित) अनिश्चितकाल के लिये पूर्णत: बंद रहेंगे।

'कोई गुरुर करे कि उससे बड़ा कोई नहीं है, समझ लो अंत आ रहा है'

जयपुर, 18 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की गुटबाजी पर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने सोच व्यापक रखने का मंत्र देते हुए कहा कि देश को आज प्यार और आपसी भाईचारे से रहने की जरूरत है। अब्दुल्ला शनिवार को इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए सलमान खुर्शीद के साथ जयपुर में आए थे।

फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस सहित अन्य दलों को अपनी महत्वाकांक्षाओं को दरकिनार कर एकजुट होकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज का वक्त किसी के एमपी या विधायक बनने की चाह रखने का नहीं है। आज की जरूरत संगठित होकर काम करने की है। फारूक अब्दुल्ला के इस बयान को पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच चल रही अदावत से जोड़ कर देखा जा रहा है।

उन्होंने ईमानदार बनने की नसीहत देते हुए कहा कि "पहले तो हम अपना ईमान मजबूत कर लें, अपने आप को मजबूत करें, किसी से डरने की जरूरत नहीं है। इज्जत देने वाला वो है और जिल्लत देने वाला भी वही है। मौत को कोई रोक नहीं सकता फिर चाहें कोई कितना बड़ा बादशाह हो इसलिए आपस में प्यार का व्यवहार रखना चाहिए।" फारूक अब्दुल्ला ने राजस्थान कांग्रेस की चर्चा कर बिना किसी का नाम लिए कहा कि "यहां क्या हो रहा है सब देख रहे हैं। किस तरह के हालत बने हुए है। कोई वजीर ए आला तो कोई वजीर ए–आजम बनना चाहता है लेकिन पहले अपने आप को कुर्बान करने की सोच रखनी होगी।" हालांकि इसके बाद फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि "हम इंसान हैं, और इंसान के अपने ख्वाब होते हैं। राजस्थान में दो की जंग है। यह भी सोचने वाली बात है कि अगर कोई इस गुरुर में आ जाए कि उससे बड़ा कोई नहीं है तब समझ लो कि आपका अंत आ रहा है। इंसान जब में घमंड आ जाता है तो वह डूब जाता है।"

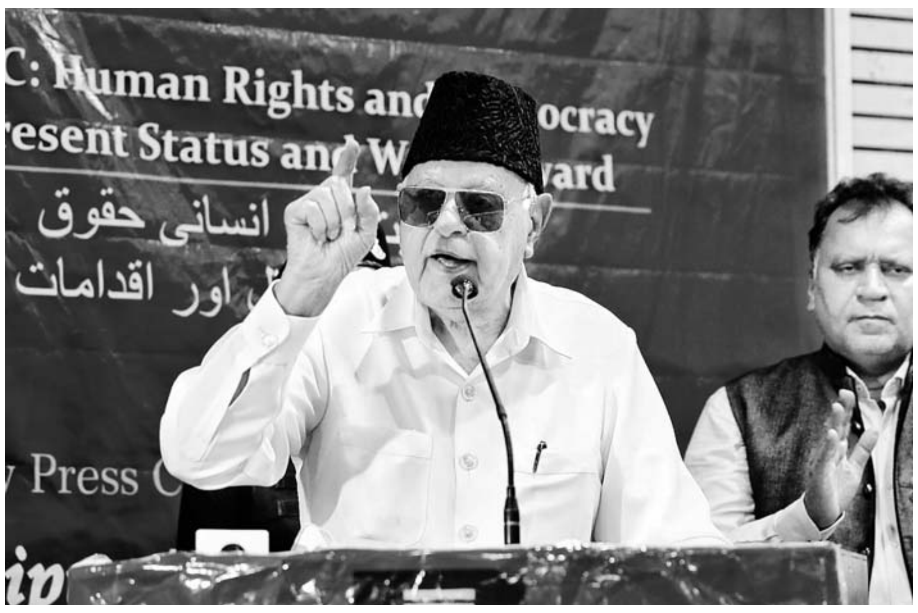

नैशनल कॉन्फ्रैंस के प्रमुख फारुक अब्दुल्ला ने जयपुर में मुस्लिम समाज के एक कार्यक्रम में गहलोत और पायलट के बीच चल रही अदावत की निंदा की और कहा कि, कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिये। उन्होंने कहा कि, यहां के हालात तो सब देख ही रहे हैं कोई वज़ीर- ए-आजम तो कोई वज़ीर-ए-आला बनना चाहता है।

- **राजस्थान में कांग्रेस की जंग पर बोले फारूक अब्दुल्ला, यहां क्या हो रहा है सब देख रहे हैं, किस तरह के हालत हैं, कोई वज़ीर ए आला तो कोई वज़ीर ए आज़म बनना चाहता है।**

मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि "जब कोई किसी को खराब बताता है तो ये भी समझ लें कि एक उंगली दूसरी तरफ है तो तीन स्वयं की तरफ भी है। वो इशारा कर कहती है कि हम क्या हैं, इस पर भी सोचने की जरूरत है।" अब्दुल्ला ने कहा कि मुल्क की हालत बहुत ख़राब है, इसे ठीक करने की जरूरत है। आज प्यार मोहब्बत से रहने की जरूरत है।

पंजाब में खालिस्तान समर्थक संगठन का प्रमुख अमृतपाल सिंह गिरफ्तार

अमृतपाल सिंह वारिस पंजाब दे का प्रमुख है तथा वह खालिस्तानी आतंकी भिण्डरांवाले के लिए काम करता है

चंडीगढ़, 18 मार्च। वारिस पंजाब दे चीफ अमृतपाल सिंह को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके समर्थकों ने पुलिस पर कार्रवाई का आरोप लगाया है। इससे पहले पंजाब पुलिस ने अमृतपाल सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके छह सहयोगियों को हिरासत में लिया था। मोगा जिले में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। वारिस पंजाब दे प्रमुख के समर्थकों ने मोगा जिले में पुलिस द्वारा उनके काफिले का पीछा करने और जालंधर के पास शाहकोट की ओर तेज रफ्तार वाहन का एक वीडियो शेयर किया था। पंजाब गृह मामलों और न्याय विभाग ने बताया कि पंजाब के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में सभी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, सभी एस.एम.एस. सेवाएं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और वॉयस कॉल को छोड़कर मोबाइल नेटवर्क पर दी जाने वाली सभी डोंगल सेवाएं 18 मार्च से 19 मार्च तक निलंबित रहेंगी।

- **ज्ञातव्य है कि, पिछले दिनों पंजाब में अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने भारी बवाल खड़ा किया था, तथा उसके हजारों समर्थक अजनाला जिले के एक पुलिस थाने पर लाठी व सरिये व अन्य हथियार लेकर पहुँच गये थे।**

सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी से पहले खालिस्तान समर्थक सिंह बठिंडा जा रहा था, तभी पुलिस ने जालंधर के मेहताबपुर गांव के पास उसे रोकने की कोशिश की। उनके छह समर्थकों को कथित तौर पर मेहताबपुर से हिरासत में लिया गया था। सूत्रों ने कहा कि उनके समर्थकों के घरों पर भी छापे मारे गए हैं। हालांकि सिंह के करीबी सहयोगियों के सभी फोन स्विच ऑफ थे। एक वीडियो (अपुष्ट) में अमृतपाल सिंह को एक तेज रफ्तार कार में बैठ हुए दिखाया गया था।

अमृतपाल सिंह के खिलाफ अजनाला थाना अमृतसर में अपहरण का एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया है कि 24 फरवरी को उनके समर्थकों द्वारा अजनाला पुलिस स्टेशन पर कथित तौर पर धावा बोलने के बाद उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया था या नहीं। उनके एक सहयोगी की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उनके समर्थक पुलिस से भिड़ गए थे और पुलिस स्टेशन में घुस गए थे।

पंजाब सरकार के लिए एक अमृतपाल सिंह एक नई चुनौती के रूप में सामने आया है। 30 साल का नौजवान अमृतपाल सिंह खुलेआम खालिस्तान का समर्थन कर रहा है और युवाओं को तबाह कर रहे ड्रग्स के खतरे को जड़ से खत्म करने में राज्य की असफलता पर भी जोर दे रहा है।

अमृतपाल सिंह छह महीने पहले दुबई से लौटा है। सिंह उस वक्त चर्चा में आया जब उसने एक भीड़ द्वारा अजनाला पुलिस थाने पर कब्जा करने की कोशिश की और प्रशासन को धमकाया। इस भीड़ का नेतृत्व अमृतपाल सिंह ही कर रहा था। इस मामले ने इस ओर भी इशारा कर दिया था कि पंजाब की आप सरकार संवेदनशील मुद्दों पर अभी अनुभवहीन है। हालांकि सी.एम. भगवंत मान ने अजनाला की घटना को बहुत ज्यादा तूल न दिए जाने की बात कही थी। हालांकि पंजाब सरकार के अधिकारियों को पता होना चाहिए कि पंजाब को एक ऐसे प्रशासन की आवश्यकता है।

'आलोचना करके कुछ लोग काला टीका लगाने का शुभ काम कर रहे हैं'

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, भारत का गौरव दुनिया में बहुत व्यापक और विशाल पैमाने पर बढ़ा है यह बात कुछ लोगों को चुभ रही है, इसलिए वे इस तरह के हमले कर रहे हैं

नई दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सरकार की सुशासन में संवेदनशीलता से देश तेजी से विकास के पथ पर बढ़ रहा है और इससे लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ा है तथा साथ ही लोकतंत्र को भी मजबूती मिली है।

मोदी ने शनिवार शाम एक निजी टेलीविजन चैनल इंडिया टुडे के कार्यक्रम में कहा कि देश को आगे बढ़ना है तो उसमें हमेशा गतिशीलता होनी चाहिए, साहसिक निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के कारण ही भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। देश में लोकतंत्र के कमजोर होने के विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व स्तर पर जो कुछ भी हासिल कर रहा है उसके पीछे देश के लोकतंत्र और संस्थानों की ताकत है। उन्होंने कहा कि यह ताकत कुछ लोगों को चुभ रही है इसलिए वह इस तरह के हमले कर रहे हैं लेकिन देश इस तरह के हमलों के बावजूद संकल्प के साथ विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब अच्छे काम होते हैं तो काला टीका भी लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में जो भी अच्छे काम हो रहे हैं उसकी आलोचना कर कुछ लोग काला टीका लगाने का शुभ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संवेदनशीलता के साथ तेजी से निर्णायक फैसले ले रही है जिससे लोगों का भरोसा बढ़ा है और इससे इंडिया मूवमेंट को मजबूत तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

- **मोदी ने शनिवार शाम निजी टेलिविज़न चैनल, इंडिया टुडे के कार्यक्रम में कहा कि, देश को आगे बढ़ना है तो उसमें हमेशा गतिशीलता होनी चाहिए, साहसिक निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, लोकतंत्र की मजबूती के कारण ही भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है।**
- **देश में लोकतंत्र कमजोर होने के विपक्ष के आरोपों पर मोदी ने कहा, देश में और घर में जब भी अच्छे काम होते हैं तो हम लोग काला टीका लगाते हैं, विपक्ष की यह टिप्पणियां वही काले टीका का काम कर रही हैं।**

उन्होंने कहा कि यह कालखंड देश के लिए अभूतपूर्व है क्योंकि वैश्विक संकट के बीच जहां अनेक देशों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है वहां भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि वह संतुष्ट हैं की चुनौती भरे हालातों में भी देश आगे बढ़ रहा है और उसे दुनिया का विश्वास हासिल है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार दृढ़ता के साथ पूरे देश में हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास कर रही है पहले देश से घोटाले की खबरें आती थी लेकिन अब विकास कार्यों की खबरें आती हैं और यही सुशासन का प्रतीक है।

सुजानगढ़, भीनमाल, तिजारा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुजानगढ़ में हुआ है। जहां कई कांग्रेस पार्षदों और नेताओं ने पार्टी से इस्तीफे दे दिए हैं। सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र के लोग आंदोलित हो गए हैं। जिला नहीं बनने पर इसलिए शनिवार को सुजानगढ़ पूर्णतया बंद रहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ सुजानगढ़ के लोगों ने नारेबाजी करते हुए एन.एच. 58 जाम कर दिया। मेगा हाइवे के जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के कारण बसों व छोटी गाड़ियों में बैठे लोगों को भारी परेशानी हुई।

सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल के आवास के बाहर भी विधायक मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद सीआई मनोज मुंड के नेतृत्व में विधायक आवास के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

एन.एच. 58 पर लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व सभापति बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि विधायक का नेतृत्व कमजोर होने के कारण सुजानगढ़ जिला नहीं बन पाया। उन्होनें कहा कि जो क्षेत्र जिला बनने के लायक नहीं थे, वहां के विधायकों को खुश करने के लिये मुख्यमंत्री ने उन जगहों को जिला बना दिया। जो क्षेत्र जिला बनने के लायक नहीं थे वहां के विधायकों ने मु.मंत्री की खुशामद कर-करके अपना काम निकलवा लिया। कुलदीप ने विधायक मनोज मेघवाल से इस्तीफे की मांग की। वहीं जालौर जिले के भीनमाल को जिला नहीं बनाए जाने को लेकर भी लोग सड़कों पर उतरे और सरकार का जबरदस्त विरोध किया।

इधर सरकार को समर्थन दे रहे विधायक संदीप यादव ने तिजारा को जिला नहीं बनाए जाने का विरोध किया और राजनैतिक नियुक्ति से शुक्रवार रात को ही इस्तीफा दे दिया था। ऐसी ही आवाजें जयपुर जिले के शाहपुरा से उठ रही हैं।

इसी के साथ डीग और कुम्हेर को मिलाकर जिला बनाए जाने की बात भी लोगों के गले नहीं उतर रही है क्योंकि डीग की दूरी जहां भरतपुर मुख्यालय से 37 किलोमीटर है वही कुम्हेर की दूरी मात्र 22 किलोमीटर है। जबकि कामां की दूरी भरतपुर से 63 किलोमीटर है और कामां को जिला नहीं बनाए जाने के बाद वहां की विधायक और मंत्री जाहिदा खान के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने विधायक से तुरंत इस्तीफा देने की मांग कर दी है। ऐसे ही विरोध के स्वर और भी कई जगह से देखने को मिल रहे हैं।

इस बीच कहा यह जा रहा है कि जिलों और संभाग की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन जब जिलों में तहसीलों और विधानसभा क्षेत्रों का बंटवारा होगा, तो विरोध के स्वर और तेज होंगे। इसका कारण यह है कि जिस तरह से छोटे जिले बने हैं, उसमें कई तहसीलों और विधानसभाओं के टुकडे होंगे। ऐसे में विधायकों को स्थानीय स्तर पर भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा जो कि राजनीतिक रूप से कांग्रेस के लिए यह कदम नुकसानदायक सौदा साबित हो सकता है।

विरोध के स्वरों के बीच अब सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 संभाग मुख्यालय 19 जिले तो घोषित कर दिए, लेकिन इनके लिए सिर्फ दो हजार करोड़ का प्रावधान किया है, जबकि इतनी सी राशि में 3 संभाग मुख्यालय और 19 जिलों का गठन संभव नहीं है। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कहा है कि जिले घोषित किए जाने से विकास तो होता है, लेकिन वित्तीय प्रबंध करना बहुत मुश्किल काम है। इन प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से जिलों की घोषणा एक साथ कर दी गई है। चुनावी वर्ष में सिर्फ 6 महीने के दौरान इनका गठन कर पाना आसान काम नहीं होगा।

महिला ने चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब पीड़िता को होश आया तो वह एक गाड़ी में थी। शोर-शराबा करने लगी तो अपहरणकर्ताओं के साथ ओमप्रकाश ने उसके साथ मारपीट की और धमकी दी कि शोर मचाया तो मार देंगे। उसके बाद उसे जैतसर ले गए जहां पर आरोपी रामदयाल निवासी एक एमएसडी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जय सिंह भी उनके साथ था।

पीड़िता ने जैसे तैसे अपने पति को फोन किया तो अगले दिन ही उसका पति आकर वहां से ले गया। पीड़िता ने थाने में आकर अपनी आपबीती बताई और चार लोगों के खिलाफ अपहरण कर बलात्कार करने का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञ कहते हैं कि रूस के राष्ट्रपति को अपने देश में असीमित शक्तियां प्राप्त हैं, इसलिए क्रेमलिन के उन्हें आई.सी.सी. को हैण्ड ओवर करने की कोई संभावना नहीं है। पुतिन जब तक रूस में है, उन्हें स्वयं के गिरफ्तार होने का कोई जोखिम नहीं है। हालांकि यदि वह रूस से बाहर जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, अत: उन्हें अपनी यात्राओं को सीमित करना होगा। लेकिन यूक्रेन युद्ध के मद्देनज़र उन पर लगाए गए अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण ऐसी कोई संभावना नहीं है कि वह किसी ऐसे देश में जाएंगे, जहां उनके विरूद्ध मुकदमा शुरु कर दिया जाएगा।

मानवाधिकार संस्था के अनुसार आई.सी.सी. अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से संबंधित सर्वाधिक गंभीर प्रकृति के अपराधों- जैसे कि नरसंहार, मानवता के विरूद्ध अपराध और युद्ध अपराधों को लेकर अभियोजन चलाता है।

पश्चिमी देशों ने जहां पुतिन के विरूद्ध गिरफ्तारी वॉरन्ट का स्वागत किया है, वहीं अमेरिका की प्रतिक्रिया इस मामले में उम्मीद से कम रही है। अमेरिका ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि वह आई.सी.सी. का सदस्य नहीं है, कहा है कि वॉरन्ट न्यायोचित है और इसकी जरूरत भी है। ब्रिटेन ने इस निर्णय का स्वागत किया और यूरोपीयन यूनियन ने कहा कि यह तो केवल शुरुआत है।

आई.सी.सी. ने कहा कि रूस की फौजों से पीड़ित हुए कई लोगों के लिए यह दिन काफी महत्वपूर्ण है। तथापि क्रेमलिन ने वॉरन्ट को बकवास बताकर खारिज कर दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि "कई देशों की भांति रूस भी इस कोर्ट के क्षेत्राधिकार को मान्यता नहीं देता है और कानूनी दृष्टिकोण से इस कोर्ट के निर्णय व्यर्थ हैं।" रूस के पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने वॉरन्ट्स की तुलना टॉयलट पेपर्स से की, जबकि विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस के लिए इसके कोई मायने नहीं हैं।

आई.सी.सी. अभियोजनकर्ता करीम खान के अनुसार पुतिन यदि कोर्ट के 120 से अधिक सदस्य देशों में से किसी भी एक में कदम रखते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी वॉरन्ट्स का आधार फोरैन्सिक साक्ष्य, सूक्ष्म जांच और दो व्यक्तियों द्वारा कही गई बाते हैं।

खान ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जिसमें लोगों ने यह माना कि वे कानून से ऊपर हैं। उन्होंने पूर्व यूगोस्लाविया के कई युद्ध अपराधियों और लाइबेरिया के पूर्व राष्ट्रपति टेलर का हवाला देते हुए कहा कि "(स्लोनोदान) मिलेसिविक या चार्ल्स टेलर या (राडोवान) कराजिक्र अथवा (रैटको) मादिक को देखिए।"

चीन के नेता शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा और कीव की फौजों के लिए और लड़ाकू विमान भेजने सहित रूस के यूक्रेन युद्ध से पड़ने वाले संभावित महत्वपूर्ण प्रभाव को लेकर जब खबरें चल रही थीं तो उनके कुछ ही घंटों बाद कोर्ट का यह चौंकाने वाला नोटिस सामने आया। कीव के अनुसार 24 फरवरी 2022 को शुरु हुए आक्रमण के बाद से यूक्रेन के 16 हजार से अधिक बच्चों को जबरन रूस से निर्वासित कर दिया गया है। इनमें कईयों को कथित रूप से संस्थाओं और पालन गृहों में रखा गया है। खान ने कहा कि "बच्चों के विरूद्ध अपराधों को देखते हुए साक्ष्य प्रस्तुत की गई।

बच्चे हमारे समाज के सबसे नाजुक अंग है। आई.सी.सी. ने कहा कि जजों की राय में पुतिन पर आपराधिक उत्तरदायित्व के संदेह और वॉरन्ट जारी करने के लिए खान के आवेदन को मंजूर करने के "तर्कसंगत आधार" थे। खान ने 22 फरवरी को आवेदन प्रस्तुत किया था। आई.सी.सी. अध्यक्ष पियोत्र होफमान्स्की ने कहा कि वॉरन्ट्स पर क्रियान्विती करना अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर निर्भर करता है।

गहलोत की...

मिलने में गांधी परिवार की कोई रूचि नहीं रही है, इसलिये मुख्यमंत्री यह संकेत देने के लिये अत्यन्त उत्सुक थे कि नये कांग्रेस अध्यक्ष के साथ भी उन्हें परेशानी नहीं है। मुख्यमंत्री आज रात दिल्ली में ही रूके हुये हैं तथा कल अपरान्ह काल में ही जयपुर लौटेंगे।

कैला देवी के दर्शन करने आ रहे दो पदयात्रियों की चंबल नदी में डूबने से मौत

समाचार लिखे जाने तक 5 पदयात्री लापता

करौली, 18 मार्च (नि.स.)। कैला देवी के दर्शनों के लिए आ रहे मध्य प्रदेश के 17 महिला पुरुष पदयात्री चंबल नदी में डूब गये जिनमें से 10 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पानी से बाहर निकाले गए 2 जने मृत थे। समाचार लिखे जाने तक पांच पदयात्री लापता थे। मध्य प्रदेश और करौली जिला प्रशासन की रेस्क्यू टीम लापता लोगों की तलाश में लगी हुई हैं।

मध्य प्रदेश के सिपरी जिले के चिला बाद गांव के सुनील पुत्र सेवक कुशवाह, दीपक पुत्र देवकीनंदन, दीपक पुत्र अमर सिंह, जानकी लाल, संतरा देवी पत्नी सेवक, रश्मि देवी पत्नी सुनील कुमार, रुकमणी पत्नी दीपक कुमार, अलोपा देवी पत्नी देवकीनंदन, संपत देवी पत्नी राकेश, रामश्री देवी पत्नी बच्चन लाल, कल्लो देवी पत्नी चौऊ, चौऊ पुत्र ठकरी, ब्रजमोहन पुत्र पप्पू, लव कुश पुत्र थान सिंह, धरम वीर पुत्र केरा, देवकीनंदन पुत्र हीरा, राकेश पुत्र मुरारी गत 3 दिन पूर्व गांव से कैला माता के लिए पदयात्रा पर निकले थे।

- **सत्रह पदयात्री मध्य प्रदेश से कैला देवी जी के दर्शन करने के लिए आ रहे थे।**

पदयात्री शनिवार को मंडरायल क्षेत्र के रोधई गांव के पास बह रही चंबल नदी से राजस्थान की सीमा को पार करने के लिए एक दूसरे के हाथ पकड़ कर सुबह 9:00 बजे निकले। चंबल नदी के गहरे पानी में पहुंचते ही सभी लोग पानी में डूब गए और चीख-पुकार मच गई।

जैसे तैसे 10 पदयात्री जगडरपुरा घाट के किनारे तैर कर और कुछ रोधई गांव के लोगों के सहयोग से नदी से बाहर निकले, लेकिन 7 महिला व पुरुष पदयात्री गहरे पानी में डूब गए। लापता पद यात्रियों में से कल्लो देवी पत्नी चौऊ और देवकीनंदन पुत्र हीरालाल को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया। रश्मि देवी, रुकमणी देवी, अलोपा देवी, ब्रजमोहन व एक बालक लव कुश लापता है, जिनकी तलाश की जा रही है।

भीलवाड़ा में इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉ. चावला ने बताया कि जिले में करोना संक्रमण का खतरा बढ़ने लगा है। शरीर में हल्के से भी लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेने की आवश्यकता है।

सिंह की मौत से ना सिर्फ़ चिकित्सा जगत बल्कि पूरे शहरवासियों में शोक की लहर छा गई है। एम.जी. हॉस्पिटल परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में कलेक्टर आशीष मोदी, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ पवन कुमार, पीएमओ डॉ. अरुण गौड़, सीएमएचओ डॉ. मुश्ताक ख़ान सहित कई डॉक्टर व शहरवासी मौजूद रहे। इस दौरान कलेक्टर मोदी ने कहा कि वायरस तेज़ी से फैल रहा है इससे सावधान रहने की आवश्यकता है।

किस को ज्यादा नुकसान होगा आंतरिक कलह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के बीच की गंभीर अंदरूनी लड़ाई चुनावों से पहले अनबन की उस राजनैतिक तस्वीर को पूरा करती नज़र आ रही है।

लेकिन दिखाने के लिये, ये दोनों कांग्रेस नेता सार्वजनिक तौर पर पार्टी में पूरी शांति दर्शाते हैं तथा कभी-कभी एक साथ तथा एक मंच पर फोटो खिंचा कर यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि उनके बीच सब कुछ ठीक-ठाक है। लेकिन पार्टी के अंदर भी हर आदमी यह जानता है कि चुनाव परिणाम के बाद दोनों एक-दूसरे पर किस तरह हमला करेंगे। देखना यह है कि क्या इन दोनों पार्टियों की अंदरूनी लड़ाई एक-दूसरे को खारिज कर देगी या फिर दूसरे शब्दों में उनसे संबंधित पार्टी की संभावनाओं को इस अंदरूनी लड़ाई के चलते कौन नुकसान पहुँचा रहा है। लेकिन जैसा कि आज दिखाई दे रहा है, कांग्रेस, जिसका पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है, अंदरूनी लड़ाई के चलते स्वयं ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार लेगी।

अन्यथा, कांग्रेस की संभावना काफी अच्छी हैं क्योंकि कर्नाटक की भाजपा सरकार, जिसके मुखिया बासवराज बोम्मई हैं, को आम जनता निष्ठुरता की हद तक भ्रष्ट सरकार के रूप में देख रही है तथा कांग्रेस को इस बात को जनता तक पहुँचाने का आसान रास्ता मिल गया है। सरकार के खिलाफ कांग्रेस "40 प्रतिशत कमीशन सरकार" की टैगलाइन तथा प्रचार के दौरान इसके दोहराने के फलस्वरूप, घर-घर तक पहुँच गई तथा जनता की ज़ुबान पर चढ़ गई है। भाजपा पर चस्पा हो चुकी इस टैगलाइन के अलावा, राष्ट्रीय राजनैतिक परिदृश्य पर हावी हो चुका अडानी मुद्दा भी विपक्ष के हाथ में एक ऐसे हथियार के रूप में आ गया है, जिससे वह भाजपा पर हमला बोल रही है।

लेकिन कर्नाटक में, सत्तारूढ़ भाजपा के पास भी कुछ विशिष्टताएं हैं तथा इसका चुनाव लड़नें का तंत्र तथा प्रचार में शामिल स्टार पावर इसके विरोधी दलों से कहीं ज्यादा ताकतवर एवं प्रभावी है। कागज पर देखें तो भाजपा के पास प्रचार के लिये सबसे बड़ी स्टार पावर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं प्रचार-अभियान को नेतृत्व प्रदान करते हैं और उनके बाद, भाजपा के शीर्ष नेतागण की तोपों की गर्जना चुनावी माहौल को एक अलग ही रूप दे देती है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किये गये बँगलोर-मैसूर एक्सप्रैस वे के उद्घाटन तथा रोड शो के तुरन्त बाद, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी शनिवार को टुमकुर जिले में विजय संकल्प यात्रा के हिस्से के रूप में शो कर डाला। उनके साथ भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष लेन कुमार कटिल तथा पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. युदियुरप्पा भी थे।

भाजपा का हर वक्ता अपनी पूरी कोशिश कर रहा है कि वह बोम्मई सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के धब्बे के असर को कम कर सके तथा भाजपा का हर वक्ता इस बिन्दु पर कांग्रेस पर पूरी ताकत से हमले कर रहा है।

नड्डा ने कांग्रेस पर अंधाधुंध प्रहार करते हुये कहा, "कांग्रेस का अर्थ है- भ्रष्टाचार और कमीशन। जब यह कर्नाटक की सत्ता में थी, उसने कर्नाटक को दोनों हाथों से लूटा था और अब लूटने के एक और अवसर की तलाश में है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि कर्नाटक के लोग चतुर हैं तथा वे जानते हैं कि आगामीचुनाव में किसे चुनना है। केवल कर्नाटक ही नहीं, बल्कि पूरा देश ही कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति से उकता चुका है। राहुल गांधी विदेश जाते हैं और वहाँ भारत के लोकतंत्र पर सवाल खड़े करते हैं। आप लोगों को अपने वोटों के जरिये उन्हें (राहुल) को यह जवाब देना ही चाहिए कि हमारे भारत में लोकतंत्र कितना मजबूत है।"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई पूर्व मुख्यमंत्री युदियुरप्पा द्वारा छोड़ी गई विरासत को आगे ले जायेंगे। नड्डा ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा येदियुरप्पा ने कर्नाटक को विश्वस्तरीय विकास का उपहार देने के लिये मेहनत की थी। मैं (आपको) विश्वास दिला सकता हूँ कि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई राज्य के विकास की दिशा में काम करते रहेंगे तथा हमारी डबल इंजर सरकार की ताकत को प्रमाणित कर देंगे।" नड्डा ने सभी लोगो को संदेह मुक्त करते हुये कहा कि अगर भाजपा जीतती है तो बोम्मई ही पार्टी का मुख्य दाँव और सरकार का चेहरा होंगे।

बोम्मई को लेकर भाजपा के अंदर काफी मुखर गुर्राहट सुनाई दे रही है तथा इस बिन्दु पर पार्टी की राज्य इकाई बँटी हुई दिखाई दे रही है।

येदियुरप्पा तथा वे जिस तरह से अपने पुत्र को राजनीति में अवसर दे रहे थे, उस तौर-तरीके के खिलाफ पार्टी में आवाजें उठ रही हैं। उनकी अपनी पार्टी के ही लोग उनके बयान रोचक बयान दे रहे हैं। देखना यह है कि जब पार्टी कार्यकर्ता प्रचार के लिये निकलेंगे तो उन्हें पार्टी की यह अंदरूनी लड़ाई कितना प्रभावित करेगी।

जहाँ ये दोनों बड़ी पार्टियाँ एक-दूसरे से तथा "अपने अन्द" लड़ रही हैं, वहीं राज्य की तीसरी ताकत- जनता दल (सेकुलर) एकचित्त होकर अपने रणनीतिपूर्ण प्रचार में लगी हुई है तथा कुछ सीटें जीतकर, प्रमुख "किंगमेकर" के रूप में उभरने की कोशिश कर रही है।

मध्यप्रदेश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल जिला मुख्यालय से करीब 40 कि.मी. दूर है। हादसा दोपहर करीब 3.20 बजे का बताया जा रहा है। प्लेन हादसे से करीब 15 मिनट पहले ही बिरसी एयरपोर्ट से उड़ा था। बताया जा रहा है कि एयरक्रॉफ्ट में पायलट मोहित और ट्रेनी पायलट वरसुका थीं।

जिला घोषित नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक निर्मल कुमावत, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे विद्याधर चौधरी का पुतला फूंका। इस मौके पर प्रमुख रूप से कुलदीप व्यास, अनिल कुमार गट्टानी, डीडी कुमावत, विजय व्यास, हिमांशु व्यास, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
ऑन-टाइम पेमेंट के साथ
गाड़ी बिकती है
सिर्फ़ TRUE VALUE पर
MARUTI SUZUKI TRUE VALUE
TRUE VALUE CERTIFIED
Bank
फ्री होम इवैल्यूएशन
आसान आर. सी. ट्रांस्फर
अपनी कार बेचने के लिए स्कैन करें
पूछताछ के लिए कॉल करें यहाँ 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*Terms and Conditions apply. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour may vary due to printing on paper.
JAIPUR: PADMAWATI COLONY- II, OPPOSITE METRO PILLAR NO 25, MANSAROVER METRO STATION JAIPUR, VIPUL MOTORS PVT. LTD.: 9829351470, 9509157505, 9351044999 | E-101, ROAD NO. 8, VKIA AREA, JAIPUR, PREM MOTORS: 8058794068, 8058791634, 8058794091 | E-197(A), RIICO INDUSTRIAL AREA, MANSAROVAR, JAIPUR, KP AUTOMOTIVIES: 9116190342, 9116190346 | B 1 GOVIND MARG, RAJAPARK OPP. PINK SQUARE MALL, KP AUTOMOTIVE: 9549650533, 9116190344 | A-209, RAJENDRA PRASAD NAGAR, 200FT BYPASS, AJMER ROAD, JAIPUR, SATNAM MOTOCORP. 7413900007, 7413900009, 7821823626 | 13 JHOTWARA INDUSTRIAL AREA, NEAR JHOTWARA POLICE STATION, JAIPUR, KTL: 7412068475, 9209056789.